पेज-10

साइंस बेस्ड मूवी करेंगी सान्या.....

हिन्दी दैनिक

दबंग हिन्द

जन की बात, सबके साथ

RNI NO. JHAHIN/2013/54377

रांची संस्करण

पेज-11

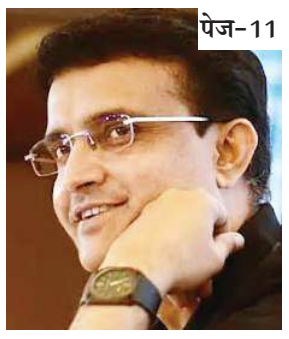

विज्ञापन जगत में बनी गांगुली की...

वर्ष : 13 | अंक : 52 | रांची (झारखंड) | E-mail : dabanghind@gmail.com | शनिवार, 22 फरवरी 2025 | website : www.dabanghind.com | मूल्य – ₹ 2

एक नजर

सोनिया को मिली अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को शुक्रवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। उन्हें गुरुवार रात पेट में संक्रमण की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सर गंगाराम अस्पताल के प्रशासन की ओर से बताया गया था कि उनके पेट में हल्का संक्रमण है। इसके अलावा रूटीन चेकअप भी होना था, इसलिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में उनकी नियमित जांच की गई। वे डॉक्टरों की एक टीम की निगरानी में थीं। आज सुबह उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई। 78 साल की सोनिया गांधी आखिरी बार 13 फरवरी को संसद के बजट सत्र के दौरान राज्यसभा के बाहर सार्वजनिक रूप से दिखाई दी थीं। वे राज्यसभा सांसद होने के साथ ही पार्टी संसदीय दल की नेता भी है। सोनिया गांधी ने बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि राष्ट्रपति अपने अभिभाषण के अंत में बहुत थक गई थीं। पुअर लेडी, मुझे उनके बारे में काफी बुरा लगा।

सुरक्षा बलों ने बंगाल में आतंकियों की साजिश को किया नाकाम

कोलकाता। राष्ट्रीय सुरक्षा बलों ने पश्चिम बंगाल में अति राष्ट्रवादी ताकतों द्वारा एक बड़े आतंकी साजिश के प्रयास को विफल कर दिया. केंद्रीय गृह मंत्रालय की आंतरिक सोर्स की ओर से यह जानकारी सामने आई है. सोर्स के मुताबिक, सुरक्षाबलों ने राज्य में 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर आतंकवादी हमले के प्रयास को विफल किया है. बताया जा रहा है कि अति राष्ट्रवादी ताकतों की ओर से बंगाल में बड़ी गड़बड़ी फैलाने की आशंका थी जिसे विफल किया गया है। यह चिंताजनक था कि डब्ल्यूबी के एमेच्योर रेडियो क्लब ने सिग्नल पकड़ लिया था।

बैंक घोटाला : पुलिस हिरासत में रहेंगे हितेश मेहता

मुंबई। न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक घोटाले में हितेश मेहता, बिल्डर धर्मेश पौन और अभिमन्यु भोंन को गिरफ्तार किया गया है. हितेश मेहता इस घोटाले के मुख्य और न्यू इंडिया बैंक के पूर्व जनरल मैनेजर हैं। इन तीनों को 28 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है.मामले की जांच मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कर रही है. मेहता और रियल एस्टेट डेवलपर धर्मेश पौन को बैंक से 122 करोड़ रुपये के कथित गबन के सिलसिले में रविवार को हिरासत में लिया गया था।

पेपर लीक मामला : भाजपा नेता का पुत्र गिरफ्तार, प्रश्नपत्र एक व्हाट्सएप ग्रुप में 350 रुपए में बेचे गए

स्कूल-कोचिंग संचालक ने किया खुलासा, ट्रेन छूट जाने की वजह से परीक्षा में नहीं हो सका शामिल

- कई अन्य जिलों में भी प्रश्न पत्र लीक होने की सूचनाएं
- प्रश्न पत्र के बदले क्यूआर कोड से मांगा गया था 350 रुपये

दबंग हिंद संवाददाता

रांची। झारखंड में मैट्रिक बोर्ड के हिंदी और विज्ञान के पेपर लीक कराने के मामले में पुलिस ने कोडरमा जिले के मरकच्चो निवासी स्कूल-कोचिंग संचालक प्रशांत कुमार साव को गिरफ्तार किया है। वह भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेता प्रकाश साहा का पुत्र है। इसके अलावा, दो छात्रों को भी हिरासत में लिया गया है। प्रशांत मरकच्चो प्रखंड के जामू में एक प्राइवेट स्कूल और कोचिंग सेंटर चलाता है। उससे पूछताछ चल रही है। प्रशांत ने पुलिस को बताया है कि उसे मरकच्चो निवासी प्रिंस राणा नामक छात्र ने प्रश्न पत्र उपलब्ध कराया था। प्रिंस मूक-बधिर है, जो खुद इस बार परीक्षा में शामिल होने वाला था। प्रिंस अपने पिता इंद्रदेव विश्वकर्मा और मां आरती देवी के साथ इलाज के लिए बेंगलुरू गया है। बताया जा रहा है कि बेंगलुरू से वापस आने वाली ट्रेन छूट जाने की वजह से वह परीक्षा में शामिल नहीं हो पाया। पुलिस ने प्रिंस के घर पर दबिश दी

तो वहां उसकी दादी और छोटा भाई गौतम मिला। प्रश्नपत्र एक व्हाट्सएप ग्रुप में मात्र 350 रुपए में बेचे गए थे। इस ग्रुप के एडमिन प्रिंस ही है। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) बोर्ड एग्जामिनेशन से यह व्हाट्सएप ग्रुप हाल में बनाया गया था। इस ग्रुप से जुड़ने के लिए छात्रों को लिंक भेजे गए थे। इस ग्रुप में एक हजार से ज्यादा लोग जुड़े थे।

ग्रुप से जुड़ने के बाद प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने के बदले क्यूआर कोड से 350 रुपए मांगे गए थे। प्रश्नपत्र के पीडीएफ को अनलॉक करने के लिए पासवर्ड बनाया गया था। जिन लोगों ने रुपए का भुगतान किया, उन्हें पासवर्ड उपलब्ध कराया गया था। गुरुवार को पहली पाली में जब 9.45 बजे सुबह विज्ञान के पेपर बंटे, तो यह पहले से वायरल प्रश्नपत्र से हूबहू मिल गया। इसके बाद हिंदी और विज्ञान दोनों विषयों की परीक्षा रद्द कर दी गई है।

कई अन्य जिलों में भी प्रश्न पत्र लीक होने की सूचनाएं : गिरिडीह, गढ़वा और पूर्वी सिंहभूम जिले में भी प्रश्न पत्र लीक होने की सूचनाएं मिली थीं। इन तीनों जिलों में भी उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक मामले की जांच में जुटे हैं। गढ़वा में कई लोगों से पूछताछ की गई है। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने इन सभी जिलों के उपायुक्तों से शुक्रवार तक जांच रिपोर्ट मांगी है।

महाराष्ट्र और देवघर से जुड़े तार

उपायुक्त ने बताया कि जिस यूट्यूब चैनल पर पेपर लीक हुआ था, उसकी भी गहन जांच की जा रही है. साथ ही उन्होंने बताया कि इस मामले में कई कोचिंग संचालकों के भी तार जुड़ रहे हैं. जांच के दौरान महाराष्ट्र और देवघर से भी इसके तार जुड़े होने के साक्ष्य मिल रहे हैं. वहां एक टीम भेजी गई है. उन्होंने यह भी बताया कि जैक द्वारा गठित कमेटी को सारे मामलों की जानकारी दे दी गई है और जांच रिपोर्ट सौंपी जा रही है।

उपायुक्त की अपील

कोडरमा उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की भ्रामक पोस्ट या सूचना पर ध्यान न दें तथा अपनी परीक्षा की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करें. उपायुक्त ने कहा कि ऐसे मामलों में संलिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गिरफ्तार शख्स के पिता : इधर, इस मामले में गिरफ्तार प्रशांत साव के पिता भाजपा नेता प्रकाश साव का कहना है कि उनके बेटे को इस मामले में फंसाया जा रहा है. शिक्षा विभाग प्रश्नपत्र लीक मामले में संलिप्त है।

सीएम से अंतरराष्ट्रीय संस्था वर्ल्डबीइंग के मुख्य कार्यपालक (यूएसए) ने की मुलाकात

आदिवासी युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए उठा रहे हैं ठोस कदम : हेमन्त सोरेन

दबंग हिंद संवाददाता

रांची। हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से आज झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में अंतरराष्ट्रीय संस्था वर्ल्डबीइंग के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी स्टीव लेवेन्थल (यूएसए) ने मुलाकात कर वर्ल्डबीइंग इंडिया फाउंडेशन की ओर से आरोहण कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी युवाओं को सशक्त और मजबूत बनाने के साथ उनके कल्याण की दिशा में किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने इस कार्यक्रम के जरिए आश्रम आवासीय विद्यालयों में शिक्षकों और विद्यार्थियों में आए सकारात्मक बदलावों को भी

मुख्यमंत्री के साथ साझा किया। मुख्यमंत्री ने इस अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा इस राज्य के आदिवासी समाज के उत्थान और विकास के लिए किए जा रहे कार्यों को विस्तार से जाना और उसकी सराहना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड एक आदिवासी बाहुल्य राज्य है। इस राज्य की आदिवासी युवा पीढ़ी को आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सहित अन्य सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने की दिशा में हमारी सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है।

कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी राजू पहुंचे रांची

झारखंड में पार्टी को मजबूत करने का किया ऐलान

दबंग हिंद संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस के नए प्रभारी के राजू शुक्रवार को रांची पहुंचे. रांची पहुंचने पर बिरसा मुंडा एयपोर्ट पर उनका जोरदार स्वागत किया गया. मीडिया से बातचीत में के राजू ने कहा है कि उनका उद्देश्य पार्टी के कार्यकताओं का मनोबल ऊंचा करने के साथ-साथ गांव में कांग्रेस संगठन को मजबूत करना है. उन्होंने कहा कि एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय के अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने के प्रयास तेज किए जाएंगे।

कांग्रेस को मिल सकती है धार : के राजू की नियुक्ति झारखंड कांग्रेस में एक नए युग की शुरूआत का संकेत हो सकती है. उनकी योजना पार्टी को मजबूत

करने और नए समर्थकों को जोड़ने पर केंद्रित है, जो आगामी चुनावों में पार्टी के लिए फायदेमंद हो सकती है।

ये रहे मौजूद : के राजू का रांची में जोरदार स्वागत किया गया. जिसमें प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, दीपिका पांडेय सिंह, प्रदीप यादव, राजेश कच्छप, बंधु तिर्की सहित काफी संख्या में कांग्रेस नेता मौजूद थे. इससे पहले के राजू ने बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर, कर्पूरी ठाकुर, भगवान बिरसा मुंडा और अन्य की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।

25 तक टटोलेंगे झारखंड नब्ज : कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी के राजू 21 फरवरी से झारखंड दौरे पर रहेंगे।

गिरिडीह में पेड़ से टकराई बाइक, दो छात्रों की मौत

दबंग हिंद संवाददाता

गिरिडीह। शहर से धनबाद जाने वाली सड़क पर एक भयानक हादसा हो गया, जहां एक बाइक पेड़ से जा टकरा गई. इस घटना में दो छात्रों की मौत हो गई. मृतकों में ताराटांड थाना क्षेत्र निवासी 20 वर्षीय प्रियांशु सिंह और पीरटांड के पालगंज निवासी 19 वर्षीय मुरारी सिंह शामिल हैं। बताया जाता है कि शुक्रवार को दोनों छात्र पालगंज गए थे और फिर पालगंज से वापस ताराटांड की तरफ जा रहे थे. रास्ते में उसरी नदी पुल क्रॉस करने के बाद जैसे ही बड़कीटांड जंगल पहुंचे तो बाइक (जेएच 11 एपी 5687) अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकरायी. इस घटना में दोनों छात्रों की मौत हो गई. दूसरी तरफ घटना की सूचना पर ताराटांड थाना की पुलिस मौके पर पहुंची. दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पुलिस ने सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है. पुलिस ने बाइक को भी जब्त कर लिया है।

एसओयूएल लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का उद्घाटन, पीएम मोदी बोले-

विकसित भारत के लिए हर काई कर रहा दिन-रात काम

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बेहतरीन लीडर्स का विकास जरूरी है और समय की मांग है इसलिए 'स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' की स्थापना विकसित भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण और बड़ा कदम है। कुछ आयोजन ऐसे होते हैं जो हृदय के बहुत करीब होते हैं आज का कार्यक्रम भी ऐसा ही है। राष्ट्र निर्माण के लिए बेहतर नागरिकों का विकास जरूरी है। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण, 'जन से जगत', किसी भी ऊंचाई को प्राप्त करने के लिए आरंभ जन से ही होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का उद्घाटन किया। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे भी उनके साथ मौजूद रहे।

विचारशील नेताओं के लिए एक प्रमुख मंच : 21 से 22 फरवरी तक चलने वाले दो शेरिंग टोबगे गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे, जहां उनका स्वागत केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा ने किया। इस कार्यक्रम में उनका आना भारत-भूटान संबंधों में एक मील का पत्थर है, जो दोनों देशों के बीच घनिष्ठ राजनयिक संबंधों की बात करता है।

दिवसीय एसओयूएल लीडरशिप कॉन्क्लेव का उद्देश्य राजनीति, खेल, कला और मीडिया, अध्यात्म, सार्वजनिक नीति, व्यापार, सामाजिक क्षेत्र विभिन्न क्षेत्रों के प्रभावशाली नेताओं को एक साथ लाना है।

स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (एसओयूएल) गुजरात में एक भविष्य का नेतृत्व स्कूल है जो वास्तविक नेताओं को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है जो जनता की भलाई के लिए काम करेंगे। इसका उद्देश्य राजनीतिक वंशावली के बजाय सार्वजनिक सेवा के लिए योग्यता, समर्पण और उत्साह प्रदर्शित करने वाले व्यक्तियों को औपचारिक प्रशिक्षण और अवसर प्रदान करके भारत के राजनीतिक नेतृत्व पूल में विविधता लाना है।

हर सेक्टर्स में सर्वोत्तम लीडरशिप की जरूरत : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हर भारतीय 21वीं सदी के विकसित भारत के लिए दिन-रात काम कर रहा है. ऐसे में 140 करोड़ के देश में भी हर सेक्टर में, हर वर्टिकल में, जीवन के हर पहलू में हमें सर्वोत्तम लीडरशिप तैयार करनी है. उन्होंने कहा कि कुछ आयोजन ऐसे होते हैं, तो हृदय के बहुत करीब होते हैं. आज का ये कार्यक्रम भी ऐसा ही है।

डिप्लोमेसी से टेक इन्नोवेशन तक नई लीडरशिप

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी गुलामी से बाहर निकालकर भारत को एक मजबूत नेतृत्व वाला राष्ट्र बनाना चाहते थे. उनका विश्वास था कि अगर 100 लीडर उनके पास हों, तो वह भारत को आजादी ही नहीं, बल्कि दुनिया का नंबर वन देश बना सकते हैं. इसी मंत्र को लेकर हम सबको आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जब हम डिप्लोमेसी से टेक इन्नोवेशन तक एक नई लीडरशिप को आगे बढ़ाएंगे तो सभी सेक्टर्स में भारत का प्रभाव और भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

झारखंड बजट सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक

भाजपा की ओर से नहीं आया कोई प्रतिनिधि, स्पीकर और सीएम ने दी प्रतिक्रिया

दबंग हिंद संवाददाता

रांची। षष्ठम झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू होने जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने सदन को सुचारु रूप से चलाने को लेकर तैयार औपबंधिक कार्यक्रम पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक की. इसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, वित्त सह संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, जदयू विधायक सरयू राय, लोजपा (आर) के चतरा विधायक जनार्दन पासवान, देवघर से राजद विधायक सुरेश पासवान, जेएलकेएम विधायक जयराम कुमार महतो शामिल हुए. लेकिन मुख्य विपक्षी दल भाजपा की ओर से किसी भी प्रतिनिधि के शामिल नहीं होने का मसला चर्चा के केंद्र में

रहा। साथ ही आजसू और भाकपा माले की ओर से भी बैठक में कोई शामिल नहीं हुआ।

भाजपा की ओर से प्रतिनिधित्व नहीं होने के सवाल पर विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने कहा कि सदन तो सभी का है. सुचारू रूप से संचालन के लिए सभी का उत्तरदायित्व बनता है. इसलिए सबको हिस्सा लेना चाहिए. उन्होंने कहा कि किसी किसी के साथ व्यक्तिगत समस्या हो सकती है. लेकिन आसन सबके सहयोग की अपेक्षा करता है। स्पीकर ने यह भी कहा कि सदन के कुशल संचालन के लिए सदन के नेता और नेता प्रतिपक्ष गाड़ी के दो पहिए के समान होते हैं।

महाकुंभ के सेक्टर-25 में लगी आग

प्रयागराज। प्रयागराज उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ नगर के अरैल के सेक्टर-25 में वैदिक टेंट सिटी फायर स्टेशन के अंतर्गत गंगा संकुल में आग लग गई जिस पर दमकल विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए काबू पा लिया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (कुंभ) प्रमोद शर्मा ने बताया कि सेक्टर-25 में वैदिक टेंट सिटी फायर स्टेशन के अंतर्गत गंगा संकुल के शिविर में शुक्रवार को शाम करीब चार बजे आग लग गई, जिसमें दो टेंट जल गए। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

अमेरिका ने अवैध भारतीय प्रवासियों को भेजा पनामा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका से अवैध प्रवासियों को देश से बाहर भेजने का सिलसिला जारी है. अमेरिका ने 299 अवैध प्रवासियों को पनामा भेजा है. इनमें कुछ भारतीय प्रवासी भी बताए जा रहे हैं. पनामा की ओर से भारत को अमेरिका से निर्वासित भारतीयों के एक ग्रुप के सुरक्षित पहुंचने की जानकारी दी गई है. पनामा सरकार की जानकारी के बाद भारतीय मिशन ने भारतीय प्रवासियों की वापसी के लिए काम करना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को पनामा में अवैध भारतीय प्रवासियों की वापसी को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से सवाल पूछे गए.

उन्होंने कहा कि कुछ प्रवासियों को अमेरिका से पनामा लाया गया है. वहां पर इनको होटल में रखा गया है। उन्होंने कहा कि उसमें से कुछ लोग भारतीय नागरिक हो सकते हैं, लेकिन इसकी पुष्टि तभी हो सकती है, जब हम वेरिफिकेशन कर लेंगे. दूसरी ओर, कोस्टा रिका, पनामा और निकारागुआ में भारतीय दूतावास ने गुरुवार को जानकारी साझा करने के लिए एक्स से संपर्क किया, लेकिन पनामा पहुंचने वाले भारतीयों की संख्या के बारे में अभी तक सही जानकारी नहीं मिली है। पिछले सप्ताह तीन उड़ानों से इन प्रवासियों को पनामा लाया गया था।

सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने बॉन सेकोर्स स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम में की शिरकत

▶▶ विद्यार्थी देश का भविष्य हैं, और इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम उनके सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। शिक्षा के साथ संस्कार और आत्मविश्वास भी जरूरी हैं : प्रदीप प्रसाद

दबंग हिन्द,संवाददाता

हजारीबाग । सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने शुक्रवार को बॉन सेकोर्स स्कूल में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। विद्यालय परिवार ने उनका आत्मीय स्वागत किया और विशेष सम्मान प्रदान किया, जिसके लिए विधायक प्रदीप प्रसाद ने सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और प्रबंधन समिति का आभार व्यक्त किया। इस भव्य कार्यक्रम में छात्रों ने नृत्य, संगीत, नाट्य, भाषण और लोक संस्कृति से जुड़ी अनेक रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जो सभी के लिए आनंददायक और प्रेरणादायक रहीं। बच्चों की अद्भुत प्रतिभा और आत्मविश्वास देखकर विधायक ने उनकी सराहना की और कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं, और इस प्रकार के कार्यक्रम उनके सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यालय परिवार को इस आयोजन के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियां बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास में सहायक होती हैं। उन्होंने विद्यालय के शैक्षणिक और सांस्कृतिक उत्कृष्टता की प्रशंसा करते हुए विद्यालय परिवार को हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि संस्कार, अनुशासन और परिश्रम के साथ आगे बढ़ें, यही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, अभिभावकगण के साथ वरिष्ठ पत्रकार मुरारी सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी ने विधायक श्री प्रसाद की गरिमामयी उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया और भविष्य में भी इसी तरह सहयोग और मार्गदर्शन की अपेक्षा जताई।

प्रसाद साहू के हत्या में शामिल 6 अपराधियों में
एक पीएलएफआई के पूर्व एरिया कमांडर समेत चार गिरफ्तार

गुमला । अपराध कर्मियों द्वारा पिछले दिनों 36 वर्षीय प्रसाद साहू के हत्या मैं शामिल 6 में दो पुरुष दो महिला कुल चार हुए गिरफ्तार भेजे गए जेल ,1लाख के सुपारी पर किया गया था यह हत्या,गिरफ्तार अभियुक्त में एक अभियुक्त मोहन महली पूर्व में पीएलएफआई का एरिया कमांडर रह चुका है इस हत्या कांड में अभी भी 2 अपराधियों की तलाश जारी पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह के कार्यालय कक्ष चंडाली लोहरदगा रोड गुमला में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया गया कि रायडीह थाना अंतर्गत कांड संख्या 16/2025 दिनांक 10 फरवरी 2025 धारा-130(1)/3(5)b,n,s, दिनांक 18 फरवरी 2025 को प्रसाद साहू 36 वर्ष पिता स्वर्गीय सालिक साहू ग्राम पोगरा, थाना रायडीह जिला गुमला को अज्ञात अपराध कर्मियों के द्वारा धारदार हथियार से गला रेत कर निर्मम हत्या कर दिए जाने के आरोप में कांड दर्ज किया गया इसके बाद कांड का त्वरित उद्वेदन हेतु पुलिस अधीक्षक गुमला द्वारा मुख्यालय एवं पुलिस निरीक्षक चैनपुर के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया, छापामारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड का उद्वेदन किया गया उद्वेदन के क्रम में पता चला कि मृतक प्रसाद साहू की हत्या उनके ही गांव के दो परिवार के साथ पूर्व में भी मारपीट हो चुकी है एवं टेंपो जलने का प्रयास करने के शक में षड्यंत्र के तहत दोनों परिवारों द्वारा मिलकर मृतक साहू को हमेशा के लिए मौत के आगोश में ले जाने के लिए अपराध कर्मियों का सहारा लेकर तथा इस घिनौना कार्य को अंजाम देने के लिए अपराधियों को एक लाख 30 हजार रुपए देकर हत्या कराया गया । इस हत्या एवं षड्यंत्र में शामिल दो महिला सहित चार अभीकतों का गिरफ्तारी पुलिस द्वारा की गई, तथा अन्य दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु सघन पुलिस द्वारा छापामारी किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक ने बताया जल्द ही उन दोनों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी गिरफ्तार अभियुक्त में एक अभियुक्त मोहन महली पूर्व में पीएलएफआई का एरिया कमांडर रह चुका है।

एक नजर

युवा ब्लड डोनर ग्रुप भुरकुंडा का मदरसा गुलशन-ए-रजा में रक्तदान शिविर 23 को : मेराज अंसारी

भुरकुंडा (रामगढ़)। युवा ब्लड डोनर ग्रुप ऑफ भुरकुंडा के तत्वावधान में 23 फरवरी रविवार को सुबह 11 बजे से सिटी हॉस्पिटल ब्लड बैंक रामगढ़ के सौजन्य से मेन रोड भुरकुंडा स्थित मदरसा गुलशन-ए-रजा में रक्तदान शिविर लगाया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए ब्लड डोनर ग्रुप ऑफ भुरकुंडा रामगढ-झारखंड अध्यक्ष सह संस्थापक मेराज अंसारी ने बताया कि अस्पतालों में हो रही रक्त की कमी और मरीजों की परेशानी दूर करने को लेकर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उक्त शिविर में दर्जनों लोग रक्तदान करेंगे, ताकि इमेरजेंसी के समय जरूरतमंदों को रक्त मिल सके और इस इस कमी को पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि युवा ब्लड डोनर ग्रुप ऑफ भुरकुंडा ग्रुप का निर्माण लगभग 6 वर्ष पहले जिस उद्देश्य के साथ किया गया था वह पूरा होता दिख रहा है। इस ग्रूप के माध्यम से अब तक तीन हजार से ज्यादा जरूरतमंदों को रक्तदान का सहयोग किया गया है, जो आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने रक्तदान महादान का नारा बुलंद करते हुए भुरकुंडा में 23 को लगने वाले शिविर में ज्यादा से ज्यादा लोगों को रक्तदान करने का अपील की। बताते चलें कि इस ग्रुप के सचिव भुरकुंडा बाजार निवासी सचिव किशोर कुमार ने अब तक सबसे अधिक 37 बार, मांडू निवासी जितेंद्र कुमार 34 बार, भुरकुंडा निवासी जयशंकर गुप्ता 32 बार, हुरूमगढ़ा भुरकुंडा निवासी निर्मल साहु 26 बार, सुंदरनगर भुरकुंडा निवासी सह ग्रुप के अध्यक्ष मेराज अंसारी 23 बार और भदानीनगर कोल कम्पनी निवासी बबलू अंसारी ने 20 बार रक्तदान कर लोगों की जान बचाने में अपना सामाजिक दायित्व निभाया है। वहीं इस ग्रुप के कई सदस्यों ने भी रक्तदान किया है।

झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे जी कांग्रेस के पदाधिकारी ने गर्म जोशी से स्वागत किया गया

गुमला । मंत्री ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार का एक कार्यक्रम में मंत्री जी परिसदन भवन गुमला में कल विभागीय समीक्षा की तत्पश्चात गुमला जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चेतू उरांव के नेतृत्व में भारी संख्या में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी ने अपने प्रिय राजस्व मंत्री दीपिका पांडे का जोरदार स्वागत बुके और माला पहनकर किया गया उसके बाद डुमरी प्रखंड के कार्यक्रम में सम्मिलित होने चली गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चैतु उराव महामंत्री मोहम्मद खालिद तथा पीसीसी डेलीगेट, अग्रणी मोर्चा संगठन के जिला अध्यक्ष गण , जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी गण ,प्रखंड अध्यक्ष गण ,मंडल अध्यक्ष , पंचायत अध्यक्ष गण, तथा सभी कांग्रेस के सम्मानित साथी उपस्थित थे इस अवसर पर गुमला जिला में नेकलेस परियोजना के बारे में विस्तार से बात की गई तथा आज प्रभात खबर में इस परियोजना के बारे में छपा हुआ था मंत्री महोदय द्वारा संज्ञान लिया गया तथा इसके लिए इस परियोजना के बारे में विचार किया जाएगा इसका आश्वासन मंत्री महोदय द्वारा दिया गया है।

हजारीबाग बड़कागांव रोड़ में टीपी 5 के पास सब्जी लदा पिक अप पलटा , ड्राइवर हुआ चोटिल

हजारीबाग । हजारीबाग बड़कागांव रोड़ में टीपी 5 के पास एक सब्जी लदा पिक अप वैन तीखे मोड़ में पलट गई पिक अप बालू लदा ट्रैक्टर में टक्कर मार दिया एंव एक मोटरसाइकिल सवार भी चपेट में आ गया और मोटरसाइकिल सहित मोटरसाइकिल सवार झाड़ी में फेंका गया जिससे उसे भी चोट आई वहीं ट्रैक्टर को भी नुकसान हुआ ।इस घाटी व तीखे मोड़ में चालकों को सावधानी से व नियंत्रित गति में गाड़ी चलाने से ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता है।

सांसद निधि से निर्मित फाइबरब्लॉक पथ का शुभ उद्घाटन किया गया

विष्णुगढ़ । विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत बेड़ा हरियारा पंचायत के ग्राम रमुवा में शुक्रवार को सांसद निधि से निर्मित फाइबरब्लॉक पथ का शुभ उद्घाटन विधिवत रूप से नारियल फोड़ कर किया गया। बता दें कि फाइबरब्लॉक पथ का निर्माण छोटन साव के घर से कोमल साव के जमीन तक किया गया है। जिससे यह कार्यक्रम रविंद्र कुमार बरनवाल की गरिमामय उपस्थिति में विष्णुगढ़ प्रखंड के सम्मानित सभी कार्यकताओं की उपस्थिति में संपन्न किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष किशोर कुमार मंडल प्रभु प्रसाद विश्वकर्मा शंभू नाथ पांडेय अंजू देवी गायत्री देवी सुनील अकेला अनूप कसेरा राजू श्रीवास्तव गौतम भारती शशि लहकर अनुभव भारती सुखदेव प्रसाद मंडल राजेश सोनी कन्हैया यादव झल्लू पंडित गोवर्धन महतो द्वारका साव संतोष साव भीमा प्रसाद गुप्ता सुरेश बर्मन रतनलाल साहू संतोष कसेरा अरविंद लहकर प्रवीण कुमार महतो कुंदन कुमार वर्मा संदीप लहकर मुन्ना सिंह यदि दर्जनों कार्यकर्ता लोग उपस्थित हुए।

सिमडेगा ने दुमका को तीन विकेट से पराजित कर लगातार दूसरी जीत दर्ज किया

दबंग हिन्द,संवाददाता

गुमला । जिला मुख्यालय के शहीद तेलगा खड़िया स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में दुमका की टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते पूरी टीम महज 105रनो पर सिमट गयी. दुमका की ओर से अंकुश राउत ने सर्वाधिक51रनो की पारी खेली. ऋषि शर्मा ने 18व आयुष ने 10रनो का योगदान दिया. सिमडेगा की ओर से संजीत शर्मा ने चार ओवर में 13रन देकर तीन विकेट अर्जित किया. वहीं अविनाश ने तीन व तानिश शर्मा ने दो विकेट हासिल किये. लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिमडेगा की टीम ने 13.4ओवरो में सात विकेट गवा कर जीत दर्ज कर लिया. टीम की ओर से गुरुशरण ने 28 गेंद पर 46रनो की बेहतरीन पारी खेली. तानिश 17 व सचिन पाल ने 11रनो का योगदान किया. दुमका की ओर से प्रीत सिंह ने तीन व अंकित व आयुष ने दो -दो विकेट हासिल किये. उत्कृष्ट प्रदर्शन के बदलते सिमडेगा के संजीत शर्मा मैन ऑफ द मैच चुने गए. टी आर डी ओ अनवर मुस्तफा, अंपायर मनोरंजन कांजीलाल, ओ पी राय ने प्लेयर ऑफ द डे को 5000 कैश मनी व ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया. मौके पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव जितेंद्र सिंह, मनोज चौधरी, विमल कुमार, ज्ञान प्रकाश, सनी साहू, मधुसूदन उरांव, शशि प्रकाश, विनीत कुमार, सहित अन्य मौजूद थे. शनिवार को दुमका का मुकाबला खूंटी के साथ होगा।

अफीम खेत में चीरा लगाते टेबो पुलिस ने एक नाबालिक सहित तीन लोगों को किया गिरफ्तार

दबंग हिन्द,संवाददाता

चक्रधरपुर । पश्चिमी सिंहभूम जिले के टेबो थाना पुलिस ने सोंगरा के पास जंगल में अफीम के खेत में चीरा लगाते एक नाबालिक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से अफीम(पोस्ता) के फल में चीरा लगाने वाला चार पीस औजार और करीब दो सौ ग्राम वजन का अफीम बरामद किया है। एसपी आशुतोष शेखर ने यह जानकारी दी है। एसपी ने कहा कि पश्चिमी सिंहभूम जिले में अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत टेबो थाना पुलिस ने 19 फरवरी को सोंगरा गांव के पास हुये अवैध अफीम की खेती में चीरा लगाते हुये चार लोगों को देखा, पुलिस को देखते ही चारों भागने लगे, इसी दौरान पुलिस ने दो लोगों को खदेड़ कर पकड़ा। जिसमें खुंटी जिले के मुरहू थाना क्षेत्र का गुटिगढ़ा गांव निवासी सुनिल ओड़ेया पिता स्वर्गीय दारु ओड़ेया और एक नाबालिक करीब 16 साल शामिल था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी सुनिल ओड़िया को जेल भेज दिय.ा तथा नाबालिक को बाल सुधार गृह भेज दिया। इसी मामले में कार्रवाई करते हुये पुलिस ने 20 फरवरी को टेबो थाना क्षेत्र के सोंगरा गांव निवासी सुखराम कैता उर्फ सनिका कैता उर्फ सानिका कायता (22) को गिरफ्तार किया और उसे शुक्रवार को जेल भेज दिया है। एसपी ने कहा कि अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध अभियान जारी है। वहीं इस छापामारी अभियान में पुलिस उपादीक्षक चाईबासा कुमार विनोद, टेबो थाना प्रभारी बिक्रांत मुंडा, पुलिस अवर निरीक्षक सुभाष कुमार महतो, अनिल कुमार सिंह सहित टेबो थाना पुलिस और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

उत्क्रमित मध्य और प्राथमिक विद्यालय में स्कूली पोशाक का वितरण किया गया

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड के गैड़ा पंचायत के अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय डुंगो और उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को स्कूली पोशाक का वितरण किया गया। जिससे गैड़ा मुखिया आशा देवी के द्वारा लगभग 50 बच्चों के बीच पोशाक का वितरण किया गया। मुखिया आशा देवी ने कहा कि सरकार बच्चों को सभी तरह की पठन पठान की सामग्री मुफ्त में उपलब्ध कराई जा रही है अभिभावक प्रत्येक दिन अपने बच्चों को स्कूल भेजें.जब आपका बच्चा शिक्षित होगा तो निश्चित कामयाबी की शिकार पर पहुंचेगा। आप अपने बच्चों को जो सबसे बहुमूल्य चीज दे सकते हैं वो शिक्षा है।

डोमन महतो जय मां पंचबहनी पब्लिक स्कूल गेगदा में
धूमधाम से मना विद्यालय का 29वां स्थापना दिवस, कटी केक, बटी मिठाई

दबंग हिन्द,संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। डोमन महतो जय मां पंचबहनी पब्लिक स्कूल गेगदा में शुक्रवार को विद्यालय का 29वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के सचिव डोमन महतो ने केक काटकर किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने विचार रखते हुए विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। मौके पर सचिव डोमन महतो ने कहा कि सबों का सहयोग रहा तो आने वाले दिनों में विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनायेगी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास ही विद्यालय का उद्देश्य है। छात्र-छात्राओं को हर क्षेत्र में अव्वल बनाने के लिए विद्यालय प्रबंधन हर सार्थक कदम उठाते रहेगा। सचिव श्री महतो ने कहा कि हमारा विद्यालय बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी दे रहा है। इस अवसर पर सबों के बीच केक और मिठाई का वितरण किया गया। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य सुकरा महली, प्रशासक बिरेन्द्र कुमार प्रसाद, शिक्षक प्रह्लाद भट्टाचार्य, अवधेश मुंडा, दीपक मुंडा, रवि पाहन, गीता यादव, दिव्या कुमारी, लीलावती कुमारी, आरती कुमारी, कुमारी शिखा, प्रिया कुमारी, गीता कुमारी, प्रिया पंडित, रोजी परवीन सहित दर्जनों छात्र-छात्राएं मौजूद थें।

नशे की चपेट में युवा वर्ग,प्रखंड में बढ़ी चोरी की घटनाएं चिंता का विषय

विष्णुगढ़ । प्रखंड के कई गांव की युवा पीढ़ी तेजी से नशे की चपेट मे आ रही है। 12 से 30 साल के युवा तेजी से नशे की चपेट में आ रहे है ।युवा वर्ग गांजा व अन्य नशीला पदार्थ का सेवन कर अपना भविष्य चौपट कर रहे है ।ऐसे युवाओं की मानसिक स्थिति बिगड़ती जा रही है ।नशे की आदी होने के बाद क्षेत्र में चोरी की घटनाएं बढ़ी। वर्तमान में सात मिल क्षेत्र समेत प्रखंड के कई क्षेत्रों खुलेआम गांजा की बिक्री की जा रही है। जिससे सबसे ज्यादा रमुआ समेत आस पास छेत्र के युवा नशे की गिरफ्त में।

टेबो के दूधकुंडी में 2हजार फीट पीसीसी सड़क का हुआ शिलान्यास, ग्रामीणों में हर्ष

दबंग हिन्द,संवाददाता

चक्रधरपुर/बंदगांव । पश्चिम सिंहभूम जिला के अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र दूधकुंडी में विधायक सुखराम उरांव के सौजन्य से 2हजार फीट पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई ने नारियल फोड़कर एवं विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर किया. इस मौके पर मिथुन गागराई ने कहा कि यह सड़क ग्रामीणों की काफी पुरानी मांग थी. जिसको लेकर ग्रामीणों ने विधायक सुखराम उरांव से 2हजार फीट पीसीसी सड़क निर्माण का मांग किया था. ग्रामीणों की समस्या को जानकर विधायक ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया था कि यहां जल्द से जल्द 2000 फीट सड़क का निर्माण कर दी जाएगी. यह सड़क बनने से यहां के रहने वाले क्षेत्र के लोगों को आने-जाने एवं सामान लाने एवं जाने में काफी सहूलियत होगी .यह सड़क दूधकुंडी गांव की भौगोलिक दशा को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. उन्होंने कहा बरसात के दिनों में इस सड़क पर चलना काफी मुश्किल हो गया था. यहां बड़े-बड़े गड्ढे हो गए थे. जिससे बीमार पड़ने पर भी लोगों को लेकर आने-जाने में भी काफी दिक्कतें होती थी. अब ग्रामीणों को यहां किसी तरह की परेशानी यह सड़क बन जाने से नहीं होगी .उन्होंने कहा विधायक सुखराम उरांव इस क्षेत्र की समस्या से वाकिफ है. और गांव-गांव में विकास कार्य किया जा रहा है .इस अवसर पर अरूप चटर्जी, सुनील बोदरा, मंगरा मुंडा ,दाऊद बोदरा ,सानिका लोहार समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आगाज

▶▶ क्रिकेट, फुटबॉल, शतरंज, वॉलीबॉल, 100 मीटर दौड़, गोला फेंक, कैरम, बैडमिंटन, टेबल टेनिस सहित अन्य खेल प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

दबंग हिन्द,संवाददाता

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता की शुरूआत शुक्रवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक व कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद के हाथों मशाल प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा सहित कई प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं की भी मौजूदगी रही। बता दें कि यह प्रतियोगिता आगामी 25 फरवरी तक आयोजित की जाएगी। इस बीच क्रिकेट, फुटबॉल, शतरंज, वॉलीबॉल, 100 मीटर दौड़, गोला फेंक, कैरम, बैडमिंटन, टेबल टेनिस सहित अन्य खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। शुक्रवार को खेल शुरू होने से पूर्व कला विभाग के दो खिलाड़ी सोनू कुमार वर्मा व तुषार कुमार ने मशाल लेकर खेल मैदान का भ्रमण किया तो पूरा परिसर जोश और उत्साह से लबरेज हो गया। पहले दिन हुए फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला इंजिनियरिंग और कला विभाग के बीच खेला गया। खेले गए बेहद रोमांचक मुकाबले में पहले हाफ तक दोनों टीम बराबरी पर थी, पर दूसरे हाफ में कला विभाग ने आक्रामक खेल का मुजाहिरा करते हुए कमाल का डिफेंस और शानदार पासिंग के बलबूते राहुल के दागे दो गोल और हिमांशु के किए एक गोल से कला विभाग ने इंजिनियरिंग विभाग को 3-1 से शिकस्त देकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। वहीं 100 मीटर दौड़ के पुरुष वर्ग में बीसीए सेमेस्टर पांच के छात्र हरभजन कुमार, इंजिनियरिंग विभाग के अमित कुमार और बीसीए के राज सौरभ क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे जबकि महिला वर्ग में बीए भूगोल विभाग की छात्रा डॉली कुमारी ने बाजी मारी, वहीं बीए अंग्रेजी विभाग की छात्रा रिया व बीए भूगोल विभाग की छात्रा प्रियंका कुमारी क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। शतरंज खेल में विजेता का खिताब एमएससी मैथ्स के छात्र आकाश कुमार के नाम रहा, वहीं बीएससी मैथ्स के छात्र चिरंजीवी उपविजेता बने। बताते चलें कि शनिवार को क्रिकेट और गोला फेंक, सोमवार को वॉलीबॉल, बैडमिंटन और टेबल टेनिस जबकि मंगलवार को कबड्डी और कैरम प्रतियोगिता आयोजित किए जाएंगे। इस पूरे प्रतियोगिता को सफल बनाने में स्पोर्ट्स कमिटि के चेयरमैन उदय रंजन, समन्वयक राजेश रंजन, स्पोर्ट्स शिक्षक आदित्य कुमार, डॉ रितेश लाल, मुकेश कुमार, संजय दांगी, रविकांत कुमार, राहुल राजवार, हिमांशु चौधरी, यशवंत कुमार, रोहित लाल, अमित कुमार, प्रमोद कुमार, पंकज प्रज्ञा और कोमल पल्लवी भेंगरा का योगदान अहम है।

कुएं में एक महिला की लाश होने की सूचना स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बड़कागांव पुलिस दी गई

▶▶ पुलिस व मृतक परिजन के बीच हत्या की आंशका जताते हुए गिरफ्तारी की मांग को लेकर हुई तु -तु मैं -मैं

दबंग हिन्द,संवाददाता

बड़कागांव । बड़कागांव साढ़ पंचायत अंतर्गत बिरेनतरी में कुएं में एक महिला की लाश होने की सूचना स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बड़कागांव पुलिस दी गई ,पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया गया।इसी दौरान विश्रामपुर निवासी सोनिया देवी द्वारा 18 फरवरी को थाना में आवेदन देकर अपनी बेटी सविता कुमारी की लापाता होने और बेटी के घर व रिश्तेदारों पर हत्या कर शव को ठिकाने लगाने की बात कही गई थी। साढ़ में कुएं से एक महिला का शव मिलने की सुचना पर मृतक के परिजन थाना पहुंचे तब तक पोस्टमार्टम के लिए शव को गाड़ी में लाद कर हजारीबाग ले जाया जा रहा था तेरह माईल के पास मृतक के परिजन पहुंचे और शव की पहचान सविता कुमारी पिता कैलाश महतो उम्र- 18 वर्ष ग्राम विश्रामपुर के रूप में किया वही शव देखकर मारपीट कर हत्या कर कुएं में डाल देने की बात कहने लगे और हत्यारे को गिरफ्तारी की मांग करने लगे। वहीं मौके परजनप्रतिनिधि व समाजसेवी के पहल पर परिजनों को समझा -बुझा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने और परिजनों द्वारा मिले आवेदन पर पुलिस द्वारा जांच पड़ताल कर उचित कानूनी कार्रवाई करने के आश्वासन पर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेजा गया। वहीं परिजनों द्वारा थाने में दिए आवेदन में दहेज के लिए प्रताडित करने व मारपीट कर हत्या कर शव को कुएं में डाल देने का आरोप लगाते हुए सात -आठ लोगों को नामजद व अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज करवाई गई है। पुलिस मामले को गंभीरता से लिया और जांच पड़ताल में लग गई वहीं कहा कि इसमें जिसकी भी संलिप्तता होगी और दोषी पाए जाएंगे उसपर कड़ी कानूनी कारवाई की जाएगी । वहीं मृतक की मां सोनिया देवी ने ने बताया कि 18 फरवरी को बड़कागांव थाने में आवेदन देकर गुहार लगाया था कि मेरी बेटी सविता कुमारी की शादी मार्च 2024 में बड़कागांव के हुरलंगबागी में हिन्दू रिती रिवाज के साथ किए थे लेकिन एक महीने ससुराल में ठीक-ठाक रही उसके बाद विश्रामपुर निवासी अनिल प्रजापति पिता फागुन प्रजापति शादी की नियत से वहां से मेरी बेटी को बहला फुसलाकर कर भगा लाया और शादी कर लिया और शादी के बाद सात लाख व एक अपाची मोटरसाइकिल दहेज के रूप में मांग करने लगा। बेटी से संबंध टुट जाने से नाराज थे और दहेज नहीं दे पाए थें। और हमलोग ने अंतिम बार 16 फरवरी को विश्रामपुर में देखें थे तब से गायब थी इसी को लेकर थाना में आवेदन देकर सूचना देते हुए मेरी बेटी की हत्या होने आंशका जताए थे।

बंधु तिर्की की अगुवाई में अस्पताल प्रबंध समिति की बैठक हुई

दबंग हिन्द,संवाददाता

चान्हो। चान्हो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को अस्पताल प्रबंध समिति की बैठक पूर्व मंत्री बंधु तिर्की की अगुवाई में हुई। इस दौरान पिछली बैठक में पारित किए गए प्रस्ताव की समीक्षा की गई,साथ ही जरूरी निर्देश भी दिया गया।बंधु तिर्की ने चिकित्सा प्रभारी को समय समय पर अस्पताल के स्टाफ के साथ मीटिंग करने को लेकर निर्देशित किया और कहा कि ऐसा करने से तालमेल बना रहता है, और अच्छा काम होता है।बैठक में कमिटी का विस्तार करने,किसी भी नए काम को शुरू करने के पहले प्रबंध समिति से प्रस्ताव पारित कराने, अस्पताल के पहुंच पथ को दुरुस्त करने तथा मरीजों के लिए अस्पताल परिसर में ही खाना बनाने की बात कही गई।बैठक के बाद बंधु तिर्की ने अस्पताल परिसर का भ्रमण भी किया।इस दौरान साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्था को लेकर चिकित्सा प्रभारी और बीपीएम को जरूरी निर्देश भी दिया।मौके पर बीडीओ वरुण कुमार,चिकित्सा प्रभारी डा सरिता कच्छप, बीपीएम श्यामेंद्र कुमार अभिषेक, प्रमुख होलिका देवी मुखिया सीव उरांव, तजमूल अंसारी आदि मौजूद थे।

राज्य के शहरों के समेकित विकास की योजनाए बनायें : प्रधान सचिव

- एडीबी के साथ समेकित शहरी आधारभूत संरचना के विकास से संबंधित योजनायें बनाएं.
- शहरों की प्रसिद्धी के मुताबिक अन्य विभागों से तालमेल कर विकास के प्रोजेक्ट तैयार करें.
- रांची एवं धनबाद सीवरेज सिस्टम के लिए एडीबी राशि उपलब्ध कराएगी , योजना पर प्रधान सचिव से वार्ता.

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। राज्य के नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव सुनील कुमार ने कहा कि शहरीकरण से संबंधित दूसरे राज्यों में विकास की योजनाओं पर एशियन डेवलपमेंट बैंक द्वारा काम किया जा रहा है. उसका अध्यन कर परियोजनाए बनायी जाए. कुमार ने यह निर्देश जुडको के अधिकारियों को दिया. बता दें कि शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन सचिवालय में जुडको के साथ कार्य कर रही एशियन डेवलपमेंट बैंक के वरीय अधिकारियों ने प्रधान सचिव से मुलाकात की।

जुडको के साथ चल रही पेयजलापूर्ति की प्रगति पर चर्चा : प्रधान सचिव से मुलाकात के दौरान एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) की वरीय शहरीकरण विशेषज्ञ मोमोटो नीटा टाडा और वरीय परियोजना अधिकारी विशाल कुमार ने जुडको के साथ चल रही पेयजलापूर्ति एवं अन्य योजनाओ की प्रगति पर चर्चा की. एडीबी के प्रतिनिधियों ने प्रधान सचिव से कहा कि उनका बैंक रांची और धनबाद सीवरेज परियोजना पर कार्य करना चाह रहे है. इसके लिए सभी सभी जरूरी कार्य पूरे कर लिये गए हैं. डीपीआर भी बन कर तैयार है।

समेकित शहरी आधारभूत संरचन विकसित करने के लिए योजनायें बनायी जाए : प्रधान सचिव ने जुडको के उप परियोजना निदेशक उत्कर्ष मिश्र एवं एडीबी के प्रतिनिधियों से कहा कि समेकित शहरी आधारभूत संरचन विकसित करने के लिए योजनाये बनायी जाये. जिससे शहरों में रहने वालो को हर प्रकार की सुविधा मिल सके. उन्होंने कहा कि तेजी से शहरीकरन हो रहा है. इसलिए शहरीकरण के हिसाब से काम होना चाहिए और परियोजनाए बननी चाहिए . यही नहीं शहरों की प्रसिद्धि के अनुसार विकास का काम अन्य विभागों के साथ तालमेल बिठाकर प्रोजेक्ट बनने चाहिए. एडीबी द्वारा दूसरे राज्यों में किये जा रहे कार्यों का भी जुडको अध्यन कर रिपोर्ट तैयार करे. शहरों के विकास के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं।

एक नजर

राज्य के अन्नदाता कैसे समाज का भाग्यविधाता बने इसकी कोशिश होगी : शिल्पी नेहा तिर्की

दबंग हिन्द,रांची। सिद्धों कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड (सिद्धकोफेड) के राज्य स्तरीय कार्यशाला 2025 में शामिल होने का मौका मिला. कृषि एवं वनोपज आधारित ग्रामीण स्वरोजगार सृजन विषय पर इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था. कार्यशाला का विषय समय की मांग को दशार्ने के लिए काफी है. कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग का लक्ष्य किसानों के उत्पाद का सही मूल्य दिलाने के लिए बिचौलियां सिंडिकेट को खत्म करना है. राज्य के अन्नदाता कैसे समाज का भाग्यविधाता बने इसकी कोशिश होगी. इसके लिए राज्य के किसानों को भी सरकार के द्वारा उठाए जाने वाले कदम के साथ कदमताल करना होगा।

भाजपा की दुविधा: नेता प्रतिपक्ष का चयन क्यों हो रहा है मुश्किल ?

दबंग हिन्द,रांची। भारतीय जनता पार्टी के लिए झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का चयन करना मुश्किल हो गया है. विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू होने वाला है, लेकिन भाजपा ने अभी तक विधायक दल का नेता का चयन नहीं किया है. स्पीकर रवींद्र नाथ महतो द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भी भाजपा ने अपने को अलग रखा।

बाबूलाल मरांडी या सीपी सिंह: कौन बनेगा नेता प्रतिपक्ष? : भाजपा विधायक दल के नेता के लिए पूर्व मुख्यमंत्री सह प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी व सबसे वरीय विधायक सीपी सिंह का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है. इसके अलावा कोडरमा की विधायक नीरा यादव का नाम भी चर्चा में शामिल है।

भाजपा की दुविधा क्यों? : भाजपा की दुविधा का कारण यह है कि पार्टी को अपने कोर वोटर ओबीसी व सामान्य वर्ग के नेताओं पर भी अधिक फोकस करना है. इसके अलावा आदिवासी समुदाय के नेता को भी महत्वपूर्ण पद देना है. इसलिए दोनों पदों पर चयन के पहले राजनीतिक स्थिति व सामाजिक समीकरण का भी ध्यान रखा जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष का चयन जल्द होगा : भाजपा के सूत्रों के अनुसार, पार्टी जल्द ही विधायक दल का नेता का चयन करेगी. इसके लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति हो सकती है. विधायक दल के नेता के चयन के बाद ही नेता प्रतिपक्ष का नाम तय होगा।

कांग्रेस नेता मो० मोजीबुल्लाह ने किया अजमेर शरीफ का ज़ियारत, देश और राज्य की खुशहाली और अमन-शांति के लिए की दुआ

दबंग हिन्द,चान्हों। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मो० मोजीबुल्लाह आज अजमेर शरीफ दरगाह का जियारत कर जुमा की नमाज अदा किया और देश व राज्य की खुशहाली, तरक्की और अमन-शांति के लिए दुआ की और वो आशा करते हैं कि यहां की दुआ से देश और राज्य में शांति, समृद्धि और एकता का माहौल बना रहे।

धुर्वा में महिला से डेढ़ लाख की लूट, बेटी के एडमिशन के लिए बैंक से निकाले थे पैसे

दबंग हिन्द,रांची। राजधानी में इन दिनों हत्या, चोरी, डकैती और लूट की वारदतें बढ़ गयी है. ताजा मामला रांची के धुर्वा से सामने आ रहा है. यहां धुर्वा थाना क्षेत्र में एक महिला से डेढ़ लाख की लूट हुई है. महिला का नाम बिंदु देवी बताया जा रहा है. जानकारी के अनुसार, महिला अपने देवर के साथ धुर्वा स्थित एसबीआई बैंक गयी थी. उसे अपनी बेटी का नर्सिंग में एडमिशन करवाने के लिए पैसे निकालने थे. डेढ़ लाख निकालने के बाद वह घर जा रही थी, इसी दौरान पहले से घात लगाये बाइक सवार अपराधियों ने बिंदु देवी के पैसे लूटे और मौके से फरार हो गये।

पिया बर्मन बनी महिला प्रकोष्ठ की सचिव एवं राजीव रंजन मिश्रा बने वाइस प्रेजिडेंट आई.पी.जी.सी.

दबंग हिन्द,रांची। भारतीय प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत प्रकोष्ठ (आई.पी.जी.सी.)की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष सागरिका सरकार (वीणाश्री)के अनुमोदन पर पिया बर्मन को प्रदेश सचिव महिला प्रकोष्ठ एवं राजीव रंजन मिश्रा को वाइस प्रेसिडेंट के पद पर तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया गया है। विदित हो पिया बर्मन एवं राजीव रंजन मिश्रा मे सेवा की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है उन लोगों का एक ही सोच है गरीब जरूरतमंद के चेहरे पर हमेशा खुशियां छाई रहे।उन लोगों ने अपने सामाजिक दायित्व के तहत विगत दिनों एक लड़की की शादी में पलंग,अलमीरा आदि भेंटकर लड़की के परिवार में खुशियां लाई थी।पिया बर्मन,राजीव रंजन मिश्रा,जी छात्र क्लब पर्यावरण मंच,चिकित्सक मंच (यूनिट,छात्र क्लब ग्रुप),भगवा नारी सेना,संगीत सरिता आदि अनेक सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़ी हुई है।उन दोनों के सामाजिक सेवा भावना को देखते हुए नियुक्त किया गया है। दोनों को आई.पी.जी.सी.संस्था में महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किए जाने पर छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश,कुमारी प्रीति,नम्रता सोनी, सीमा प्रीति, आराधना झा,रीता सेन,कुमारी पूनम,ललिता,रवि मेहता,राजकिशोर राणा,सुबोध कुमार शर्मा,संदीप कुमार, आदि ने खुशियां मनाते हुए उन्हें बधाई दी साथ ही आई.पी.जी.सी के चेयरमैन रविरंजन कुमार,केंद्रीय सचिव राशिद हुसैन,स्टेट एडिशनल सेक्रेटरी सौरभ प्रसाद एवं महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष सागरिका सरकार के प्रति आभार जताई।

बेड़ो थाना में शांति समिति को लेकर बैठक की गई

दबंग हिन्द,बेड़ो। थाना परिसर में गुरुवार को पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार राम की अध्यक्षता मुखिया, वार्ड सदस्य, जन प्रतिनिधि एवं गण्यमान्य लोगों की उपस्थिति में शांति समिति सह मिलन को लेकर बैठक की गई। जहां नए थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान ने लोगों से परिचय प्राप्त कर क्षेत्र में शांति व्यवस्था रखने में सहयोग की अपील किया। मौके पर पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि लोग जागरूक बने। जनप्रतिनिधियों को डायन बिसाही पर भी जागरूकता लाने की अपील किया। साथ ही क्षेत्र में पोस्ते की खेती नहीं करने का अपील किया। वहीं उन्होंने इस तरह के नशे का व्यापार करने वालों पर कठोर कानूनी करने का निर्देश दिया। वहीं समाज के लोगों को कानून व्यवस्था व शांति व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने की बात कही। पुलिस आपकी सेवा में तत्पर है। मौके पर हिन्दू जागरण मंच के प्रदेश महामंत्री वाणी कुमार रॉय, नवल किशोर सिंह शमशाद आलम, पूर्व सैनिक मंगू लकड़ा, झारखंड आंदोलन कारी एतवा उरांव, प्रो करमा उरांव, भीखा उरांव, बसंती कुमारी, उमेरा खातून, दिलीप लोहरा, रविंद्र वर्मा समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के निर्देश पर शमसुल शेख के द्वारा मूंग के बीज का वितरण किया

दबंग हिन्द,मांडर। कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के निर्देश के आधार पर बरगडी पंचायत के किसानों के बीच युवा प्रखंड अध्यक्ष शमसुल शेख के द्वारा मूंग के बीज का वितरण किया। साथ में कृषि मित्र अमर मिंज, पंचायत अध्यक्ष एग्नेस एक्का,बेलस टोप्पो,सालीस अंसारी और सभी किसान बंधु उपस्थित रहे।

झारखंड साहित्य पुरस्कार से सम्मानित हुए नौ भाषाओं के कवि और लेखक

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। अखिल झारखंड साहित्य अकादमी की ओर से आयोजित झारखंड साहित्य पुरस्कार समारोह में नौ भाषाओं के लेखकों और कवियों को झारखंड साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इनमें जनजातीय भाषाएं मुंडारी, कुड़ुख, संथाली, हो, खड़िया और क्षेत्रीय भाषाएं पंचपरगणिया, कुरमाली, खोरठा और नागपुरी शामिल थीं. यह कार्यक्रम रांची प्रेस क्लब में आयोजित हुआ. इस दौरान लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान शिव शंकर महली को डॉ. रामदयाल मुंडा स्मृति सम्मान से नवाजा गया. रोज केरकेट्टा को डॉ. बीबी केसरी स्मृति सम्मान दिया गया. वहीं, नागपुरी भाषा से डॉ. सविता केसरी को पुस्तक नागपुरी कवि कंचन जीवन और साहित्य समाज पर साहित्य शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया.कुड़ुख भाषा से डॉ. हरि उरांव को पुस्तक कुड़ुख भाषा क्रियाओं का अध्याय पर सम्मानित किया गया. खोरठा भाषा से डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर को पुस्तक आब ना रहा पटाईल के लिए सम्मानित किया गया. मुंडारी भाषा से श्री मंगल सिंह मुंडा की पुस्तक छैला संदु के लिए सम्मानित किया गया.कुड़माली से रतन कुमार महतो सत्यार्थी की पुस्तक झलज मलआलअ के लिए सम्मान मिला.

हो भाषा से हयम सिविल दुरं को पुस्तक कोबरो बुड़ीउली के लिए पुरस्कार मिला. संथाली से चुंडा सोरेन सिपाही की पुस्तक हाप डाम खेवाक सावता जिमोन के लिए पुरस्कार मिला. पंचपरगणिया से प्रोफेसर परमानंद महतो को पुस्तक पुस पीठा कहानी संग्रह के लिए सम्मानित किया गया. खड़िया भाषा से डॉ. अनिल बिरेद्र कुल्लु की पुस्तक सोरेड खोड़ी (चट्टानी) के लिए पुरस्कार मिला।

मंत्रियों का आशियाना तैयार, बंग्ला आवंटित, तमाम आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। झारखंड के 11 मंत्रियों के लिए धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी में तैयार बंगलों का आवंटन कर दिया गया है. इन बंगलों का निर्माण लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है र. स्मार्ट सिटी के एक ही कैंपस में बनाए गए इन बंगलों में रहने वाले मंत्रियों के लिए तमाम आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

क्या हैं बंग्ले की खासियत : हर एक बंगले का क्षेत्रफल 16,321 वर्ग फीट है, जबकि बिल्टअप एरिया लगभग 8,000 वर्ग फीट है. इन बंगलों को दो हिस्सों में बांटा गया है, जिनमें पहला हिस्सा रेजिडेंशियल ब्लॉक है और दूसरा हिस्सा एनेक्स ब्लॉक है. एनेक्स ब्लॉक का निर्माण मंत्रियों के कामकाज की जरूरतों के हिसाब से किया गया है.

मंत्रियों को आवंटित बंगले : ▸▸ **बांग्ला नंबर 1:** नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च शिक्षा, पर्यटन एवं कला संस्कृति मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ▸▸ **बांग्ला नंबर 2:** कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ▸▸ **बांग्ला नंबर 3:** वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ▸▸ **बांग्ला नंबर 4:** स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण, खाद्य सार्वजनिक एवं उपभोक्ता मंत्री इरफान अंसारी ▸▸ **बांग्ला नंबर 5:** पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ▸▸ **बांग्ला नंबर 6:** जल संसाधन विभाग, अल्प संख्यक विभाग मंत्री हफीजुल हसन ▸▸ **बांग्ला नंबर 7:** कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ▸▸ **बांग्ला नंबर 8:** राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार, परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ▸▸ **बांग्ला नंबर 9:** ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडे सिंह ▸▸ **बांग्ला नंबर 10:** स्कूली, शिक्षा एवं साक्षरता विभाग मंत्री रामदास सोरेन ▸▸ **बांग्ला नंबर 11:** श्रम, नियोजन , प्रशिक्षण, उधोग मंत्री संजय प्रसाद यादव।

अनोखे अंदाज में 25 वर्षों का जश्न मना रहा स्कोडा ऑटो इंडिया

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची/मुंबई। स्कोडा ऑटो इंडिया अपने 25 वर्षों का जश्न अनोखे अंदाज में मना रहा है। अपनी पहली सब-4 मीटर एसयूवी काइलैक पेश करने के बाद एक और बड़ी घोषणा की है। कंपनी ने रणवीर सिंह को अपना पहला ब्रांड सुपरस्टार बनाया है। यह साझेदारी भारत में स्कोडा के विस्तार को बढ़ावा देने और नए ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए की गई है।स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर पेट्र जैनेबा ने कहा, हम भारत में 25 वर्षों का जश्न मना रहे हैं और अपने ग्राहकों से नए अंदाज में जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।रणवीर की ऊर्जा और व्यक्तित्व हमारे ब्रांड के मूल्यों से मेल खाते हैं। रणवीर सिंह जल्द ही काइलैक के साथ स्कोडा ऑटो इंडिया के पहले ब्लॉकबस्टर कैंपेन में नजर आएंगे। इसके बाद मार्च के अंत में एक विशेष फिल्म रिलीज होगी, जो प्रशंसकों और ग्राहकों को रणवीर सिंह और स्कोडा के प्रबंधन से मिलने का मौका देगी। रणवीर सिंह ने कहा, स्कोडा ऑटो इंडिया का पहला ब्रांड सुपरस्टार बनना मेरे लिए गर्व की बात है। स्कोडा के इनोवेटिव और स्टाइलिश कारें भारतीय बाजार में नया मानक स्थापित कर रही हैं। भारत स्कोडा ऑटो के लिए यूरोप के बाहर सबसे महत्वपूर्ण बाजार है। कंपनी 2026 तक सालाना 1 लाख कारें बेचने का लक्ष्य रख रही है और 2025 के अंत तक अपने सेल्स और सर्विस टचपॉइंट्स को 350 तक बढ़ाने की योजना बना रही है। रणवीर सिंह के साथ यह भागीदारी भारत में स्कोडा के विस्तार की एक नई शुरूआत होगी।

पोस्ते की खेती पर रोकथाम के लिए दो माह पहले दिये निर्देश पर हुई कार्रवाई की समीक्षा

पोस्ते की फसल पूर्णत: नष्ट करे: मुख्य सचिव

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी ने कहा है कि पोस्ते की खेती के खिलाफ अभियान का सकारात्मक परिणाम दीख रहा है, लेकिन पोस्ते की फसल की सौ फीसदी विनष्टीकरण सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभियान से जुड़े अधिकारी आपसी समन्वय को और मजबूत तथा कारगर करें। जितने कांड दर्ज हुए हैं, उससे कम गिरफ्तारी को इंगित करते हुए उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा गिरफ्तारी और उन्हें सजा दिलाने पर फोकस करें। उन्होंने विनष्टीकरण की प्रक्रिया में जरूरी संसाधनों का वास्तविक आकलन करने पर बल देते हुए कहा कि जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।कुछ जगहों पर अभी भी पोस्ते की फसल लगी होने की सूचना पर उन्होंने पोस्ते की खेती के खिलाफ अभियान को 15 मार्च तक जारी रखने का निर्देश दिया। वह शुक्रवार को पोस्ते की खेती के खिलाफ दो माह पहले अपनी अध्यक्षता में हुई बैठक में दिये गये निदेर्शों के अनुपालन की समीक्षा कर रही थीं।

19 हजार एकड़ से अधिक भूमि पर लगी पोस्ते की फसल की गई नष्ट : समीक्षा के दौरान बताया गया कि पोस्ते की खेती के खिलाफ अभियान के दौरान कुल 19,086 एकड़ में लगी फसल को नष्ट किया गया है, जो पिछले कुछ वर्षों से चार गुणा अधिक है। सबसे अधिक खूंटी में 10,520 एकड़ में लगी पोस्ते की फसल को नष्ट किया गया है। दूसरे स्थान पर रांची जिला है, जहां 4624 एकड़ में लगी पोस्ते की फसल नष्ट की गई है। सबसे कम पलामू में 396 एकड़ में लगे पोस्ते के पौधे को नष्ट किया गया है। बताया गया कि कुछ जगहों पर अभी भी पोस्ते की फसल को नष्ट करना बाकी है, जहां स्पेशल ड्राइव चलाकर कार्रवाई चल रही है। गौरतलब है कि पोस्ते की खेती से झारखंड के कुल आठ जिले चतरा, खूंटी, लातेहार, रांची, पलामू, चाईबासा, सरायकेला, और हजारीबाग प्रभावित हैं।

243 कांड किये गये दर्ज, 190 की हुई गिरफ्तारी : समीक्षा के दौरान बताया गया कि पोस्ते की फसल के विनष्टीकरण के दौरान कुल 283 कांड और 958 सनहा दर्ज किये गये है। इस संदर्भ में कुल 190 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान पुलिस प्रमुख श्री अनुराग गुप्ता ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे वन विभाग द्वारा पोस्ते की खेती को लेकर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट को आधार बना कर संबंधित लोगों पर एफआइआर दर्ज करें। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले में वन विभाग कानूनन सिर्फ अतिक्रमण का मामला दर्ज करता है, जो पोस्ते की खेती की गंभीरता को देखते हुए कमतर कार्रवाई होती है।

चान्हो की पूर्व बीडीओ शालिनी विजय की मां और भाई के साथ मिला शव

दबंग हिन्द,चान्हो। जेपीएससी-01 की टॉपर चान्हो की पूर्व बीडीओ शालिनी विजय उनकी मां शकुंतला और भाई मनीष विजय का शव केरल में मिला है। शालिनी विजय का भाई मनीष विजय केरल के ककनाड में कस्टम विभाग में अतिरिक्त आयुक्त के पद पर कार्यरत थे. शालिनी विजय जेपीएससी-वन की टॉपर रही थी और लंबे समय तक झारखंड में डिप्टी कलेक्टर रैंक में काम कर रही थी. दो साल पहले वह छुट्टी पर गई थी, उसके बाद ड्यूटी पर वापस नहीं लौटी। चान्हो प्रखंड से इनका पुराना और गहरा नाता रहा है ।

दुष्कर्म पीड़ित मुआवजा व मोटर वाहन दुर्घना के बारे में दी गयी जानकारी

लाभुकों को स्पॉन्सरशीप का लाभ दिलाता है डालसा : कपिलदेव प्रसाद केशरी

राष्ट्रीय लोक अदालत पर किया गया फोकस।

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। जस्टीस-ऑन-व्हील मोबाईल वैन टूर जागरूकता कायक्रम के ताहत आज दिनांक 21.02.2025 को सोनाहातू प्रखण्ड के हारीन पंचायत भवन में जागरूकता कार्यक्रम का अयोजन किया गया। इस अवसर पर पीएलवी कपिलदेव प्रसाद, रामेश्वर चौधरी, कुमारी इंदुबाला कुमारी, आशीकराज महतो, भोलानाथ माहतो, आरती कुमारी, रूपनारायण मुंडा व अन्य उपस्थित थे। पीएलवी रामेश्वर चौधरी और कपिलदेव प्रसाद केशरी ने लोगों को स्पॉन्सरशीप की जानकारी दी, किन्हे और कैसे स्पॉन्सरशीप का लाभ मिलता है ? इस पर फोकस किया गया। आशीकराज महतो और आरती कुमारी ने निःशुल्क विधिक सहायात प्राप्त करने व फॉर्म भरने के बारे में बताये। किसे विधिक सेवा मिलती है ? विधिक सेवा के हकदार कौन है ? एवं महिलाओं व बच्चों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची की ओर से किस प्रकार का सहायता मुहैया कराया जाता है ? इसकी जानकारी लोगों को दी गयी। रूपनारायण मुंडा और इंदुबाला कुमारी ने मोटर वाहन दुर्घटना में मुआवजा प्राप्त करने के बारे में जानकारी दी। बाल विवाह, बाल मजदूरी, शिक्षा के अधिकार और इसके प्रोविजन के बारे में चर्चा किया गया। रामेश्वर चौधरी के द्वारा दुष्कर्म पीड़िता को प्राप्त होनेवाले मुआवजा के बारे में जानकारी दी गयी। ज्ञात हो कि सभी पीएलवी ने आज आयोजित होनेवाले विवाह एवं चेक अनादरण से संबंधित विशेष लोक अदालत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिनांक 22.02.2025 को वादकारी व्यवहार न्यायालय, रांची में अपने वादों का निस्तारण निःशुल्क करा सकते है। आगामी 08 मार्च को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी लोगों को दी गयी। जगरूकता कार्यक्रम में पीएलवी के द्वारा कानूनी संबंधी पुस्तिका, पम्पलेट व लीफलेट का वितरण भी किया गया।

उग्रवाद उन्मूलन की दिशा में जगुआर ने बनायी अलग पहचान: डीजीपी

टेंडर ग्राम स्थित कैंप में झारखंड जगुआर का 17वां स्थापना दिवस मनाया गया

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। टेंडर ग्राम स्थित कैंप में झारखंड जगुआर का 17वां स्थापना दिवस शुक्रवार को मनाया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर डीजीपी अनुराग गुप्ता शामिल हुए. गौरतलब है कि झारखंड में वामपंथी उग्रवाद के उन्मूलन के लिए विशेष बल झारखंड जगुआर (एसटीएफ) का गठन साल 2008 में किया गया था. डीजीपी ने कहा कि एसटीएफ ने राज्य में उग्रवाद उन्मूलन की दिशा में सफलतापूर्वक कार्रवाई करते हुए पिछले 17 साल में एक नई बुलंदी हासिल की है. इन 17 वर्षों के सफर में कई वीर जवानों को खोया है. राज्य में शांति और उन्नति का माहौल बनाए रखने में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीद जवानों को डीजीपी ने अपनी ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की.

पिछले 17 साल में इस बल ने अनेक अभियानों में सफलताएं पाईं : आईजी अनुप बिरथरे ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड जगुआर के विगत 17 सालों में उग्रवाद उन्मूलन की दिशा में उपलब्धियों को साझा किया है. चाहे पारसनाथ की ऊंची पहाड़ियां हो या सारंडा के घने जंगल, चाहे बूढ़ा पहाड़ का दुरूह इलाका हो अथवा पारसनाथ पहाड़ का दुर्गम क्षेत्र, झारखंड जगुआर ने अपनी शौर्यपूर्ण उपस्थिति सभी जगह दर्ज कराई है. पिछले 17 वर्षों में इस बल नें अनेक अभियानों में सफलता हासिल की है. जिसमें झारखंड जगुआर के विभिन्न वर्गों द्वारा 297 नक्सलियों की गिरफ्तारी की गई है और विभिन्न अभियानों के दौरान 34 दुर्दान्त उग्रवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया है।

शहीद के परिजनों को सम्मान, रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन : स्थापना दिवस के इस अवसर पर झारखंड जगुआर के 23 शहीद पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों के शहादत को नमन करते हुए उनके गृह जिला जाकर उनके परिवारों को सम्मानित किया गया. साथ ही इस अवसर पर झारखंड जगुआर मुख्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

युवाओं के हक अधिकार के लिए कुछ भी करने को तैयार युवा लायंस फोर्स: देव शर्मा

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो । युवा लायंस फोर्स का सदस्यता अभियान के दौरान इलेक्ट्रोस्टील वेदांता फोरलेन पर स्थित मुँधनीया पंचायत के चिटाहीटाड पहुँचे फोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष सह युवा काँग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष देव शर्मा ने वहाँ के युवाओं को खेल सामग्री देते हुए कहा कि हमारे चास चंदनकियारी के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं हैं , कमी हैं तो सिर्फ.इन्हें तराशने की जो हम सभी नेता , समाजसेवी तथा वेदांता प्रबंधन का भी काम हैं ।, आज कहीं ना कहीं ल हजारों युवा जो सिर्फ.सही मार्गदर्शन ना मिलने के कारण मजबूरन अपने हुनर को छोड़ अपने परिवार के भरण पोषण के लिए या तो कोई छोटी मोटी नौकरी या तो दूसरे राज्य में पलायन कर जाते हैं , काँग्रेस नेता ने कहा राज्य में काँग्रेस और झामुमो की गांव की सरकार हैं , हम उन तमाम युवाओं से अनुरोध करते हैं की आप जिस छेत्र अच्छा कर सकते हैं , उसी छेत्र में लगातार मेहनत करते रहे ।कहा कि युवाओं के लिए जो करना होगा उसे करने में पीछे नहीं हटेंगे। काँग्रेस नेता देव ने वेदांता प्रबंधन को भी तलगड़िया रोड और अपने अगल बगल के गांवों के युवाओ को ज्यादा से ज्यादा नियोजन पर ध्यान देने की माँग की। मौके पर दर्जनों युवाओ ने युवा लायंस फोर्स का दामन थामा ।

सीखने व साझा करने के लिए दो दिवसीय एलईओ कार्यशाला का आयोजन

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो । मानव संसाधन के ज्ञान अर्जन एवं विकास विभाग में परियोजना निष्पादन में सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखने और साझा करने के लिए दो दिवसीय एल ई ओ कार्यशाला का शुभारंभ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक वित्त एवं लेखा सुरेश रंगनी अधिशासी निदेशक मानव संसाधन सुश्री राजश्री बनर्जी अधिशासी निदेशक सामग्री प्रबंधन सी आर मिश्रा अधिशासी निदेशक अनीश सेनगुप्ता के साथ वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित है कार्यशाला में डीएसपी आईएसपी बीएसपी आरएसपी कार्पोरेट कार्यालय और बीएसएल सहित सेल की विभिन्न इकाइयों के कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया कार्यशाला में संकाय के प्रतिभागियों ने भाग लिया कार्यशाला में संकाय के रूप में आईएसपी के पूर्व अधिशासी निदेशक परियोजना एक के दास गुप्ता ने अपने परियोजना निष्पादन के अनुभव को प्रतिभागियों के साथ साझा किया वहीं मुख्य महाप्रबंधक मनीष जलोटा ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में विस्तृत जानकारी दी तत्पश्चात अधिशासी निदेशक परियोजना अनीश सेन गुप्ता ने कहा कि पूरे सेल में बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण का काम प्रस्तावित है एसएमएस कार्यशाला के आयोजन से पूरे संगठन को लाभ होगा अधिशासी निदेशक श्री मिश्रा ने कार्यशाला को उपयोगी बताया वही अधिशासी निदेशक सुश्री राजश्री बनर्जी ने ऐसे विषय पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए ज्ञान अर्जन एवं विकास विभाग को बधाई दी और सभी को इसका लाभ उठाने का आह्वान किया अधिशासी निदेशक वित्त एवं लेखा श्री रंगनी ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों से कराधान मामलों डीपी एम एस एवं अन्य विषयों पर विचार मंथन करने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम का संबंध बयान राजेश कुमार उप महाप्रबंधक के द्वारा किया गया।

पानी की समस्या का नही हुआ समाधान तो नगर निगम मे होगा तालाबंदी: बर्मन

दबंग हिन्द,संवाददाता

चास। शक्ति सेना प्रमुख प्रदीप बर्मन के नेतृत्व में चास नगर निगम क्षेत्र में सप्लाई पानी फेस 2 जल्द से जल्द शुरू करने की मांग को लेकर चास नगर निगम कार्यालय में हल्ला बोल प्रदर्शन किया गया जबकि कैलाश नगर की जनता पानी का एक-एक बूंद के लिए मोहताज है स्थानीय जनता द्वारा दूर-दराज से पानी लाकर अपने घरों में काम चला रहे हैं जबकि नगर निगम के अधिकारी के द्वारा होल्डिंग टैक्स के नाम पर कानूनी कार्रवाई करने की बात कही जा रही है यह बिल्कुल गलत है नगर निगम द्वारा किसी प्रकार का सुविधा जनता को नहीं मिल पा रहा है फिर भी होल्डिंग टैक्स के नाम पर रंगदारी लिया जा रहा है प्रदीप बर्मन ने कहा कि पानी की समस्या का समाधान जल्द से जल्द नहीं हुआ तो चास नगर नगर निगम में तालाबंदी करने का काम करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाग लिए राजकिशोर ठाकुर आजाद ठाकुर शिवनारायण प्रसाद बैजनाथ प्रसाद मनोज कुमार सिंह सेवक राम रेखा देवी रीना देवी धन देवी पूजा कुमारी रीता देवी आदि शामिल थे।

जेईई मेंस मे असफलता के बाद युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या पॉकेट में मिला सुसाइड नोट

दबंग हिन्द,संवाददाता

पिण्ड्राजोरा । पिण्ड्राजोरा थाना क्षेत्र के पिण्ड्राजोरा गांव के 18 वर्ष से युवक ने अपने ही घर के दो मंजिला छत की एक कमरे में रस्सी को फंदा बनाकर गुरुवार की देर रात आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को रस्सी को फंदा बनाकर अपने घर के पंखा का कुंडी मे रस्सी को फंदा बनाकर 18 वर्षीय युवक करण कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण युवक ने खुद एक सुसाइड नोट पर जेईई मेंस में असफलता तथा अच्छे अंक नहीं आने को कारण बताया है। मृतक करण कुमार महतो के पॉकेट सुसाइड नोट बरामद हुए है। जिस सुसाइड नोट में लिखा है की मां पापा मुझे माफ कर देना जेईई मेंस अच्छा नहीं गया है, इस लिए नंबर भी कम आया है। प्लीज आप लोग रोना मत, वही मृतक युवक का बड़ा भाई 20 वर्षिय आकाश कुमार महतो पिता मनोज कुमार महतो ने पुलिस को बताया की मृतक करण कुमार महतो प्रतिदिन की भांति आज की रात भी खाना खाने के पश्चात अपने कमरे में सोने के लिए चला गया। सुबह 8 बजे तक सो कर नहीं उठने पर उसके कमरे के समक्ष जाकर आवाज दी गई उसके तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर दरवाजा को पीटने लगे उसके बावजूद भी कोई जवाब नहीं मिला। इसकी खबर अपने पिताजी और मां को दिया। आवाज सुनकर पड़ोस के अन्य कई लोग इकठ्ठा हो गये, अंत में दरवाजा तोड़ दिया गया। अंदर जाने के बाद देखा गया की करण पंखा लगाये जाने वाला हुक पर फंदा डालकर फांसी लगा लिया है। झुलता शव को देखकर माता फलाली देवी पिता मनोज कुमार महतो बड़े भाई आकाश कुमार महतो का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। वही करियर काउंसलिंग कर रहे पिण्ड्राजोरा निवासी डॉ. जयदेव कुमार ने कहा कि युवक करण कुमार द्वारा उठाया गया कदम गलत है। हर कर जीवन समाप्त कर लेना ही उसका हल नहीं है। कोई भी एक बार में अपनी सफलता को प्राप्त नहीं करता है, उसके लिए संघर्ष करना पड़ता है। मौके पर पूर्व मुखिया गोरा चांद महतो, पंचायत समिति सदस्य किशोर कुमार महतो, डॉ. जयदेव कुमार महतो, उप मुखिया राजकुमार गोप, वार्ड सदस्य सरोज कुमार तिवारी, संतोष कुमार महतो आदि लोग उपस्थित थे।

दुर्घटना में मृतक की पत्नी को मुआवजा व इलाज के लिए हुआ समझौता

बेरमो। डीवीसी के बोकारो थर्मल के प्रतिष्ठा का 1 2 3 नंबर इकाई का डिस्मेंटलिंग कर रही हैदराबाद की कंपनी मेसर्स राधा स्मेल्टर्स के कार्य स्थल में हुई दुर्घटना में मृत्यु ठेका श्रमिक भोला सिंह और घायल करण कुमार को मुआवजा देने के लिए डीवीसी प्रबंधन राधा स्मेल्टर्स और मृतक के प्रतिनिधियों के बीच देर रात तक चली समझौता वार्ता में मृतक के पत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी के बैंक खाते में 48 घंटे के अंदर 25 लाख रुपए मुआवजा के रूप में स्थानांतरित करने आश्रित को तत्काल एएमसी में डीवीसी के द्वारा नियोजित करने तथा सप्लाई मजदूर के रूप में नियोजन के लिए डीवीसी मुख्यालय में अनुमोदन हेतु अनुशंसा करने जब तक कंपनी का काम यहां चल रहा है तब तक 20हजार प्रतिमाह कंपनी के द्वारा भुगतान करने घायल करण कुमार को दो लाख तत्काल मुआवजा बेहतर इलाज करने जब तक कंपनी का कार्य चल रहा है तब तक पूर्ण वेतन भुगतान करने और अगर किसी प्रकार की अपंगता होगी ।

मांगों के समर्थन में यूनाइटेड फॉर्म ऑफ बैंक यूनियंस ने बैंक ऑफ इंडिया के समक्ष किया विशाल प्रदर्शन

मांगे नहीं मानी गई तो 24 एवं 25 फरवरी को होगा देशव्यापी हड़ताल

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो । यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस जिसमें बैंकों में कार्यरत सभी यूनियन एआईबीए एआईबीओसी एनसीबीई बीई एफआई एआईबीओए आईएनबीईएफ आईएनबीओसी संगठन शामिल है के बैनर चले शुक्रवार को चास बोकारो के सभी बैंक कर्मचारी एवं अधिकारियों ने सैकड़ो की संख्या में उपस्थित होकर बैंक ऑफ इंडिया बोकारो शाखा सेक्टर 4 के समक्ष विशाल प्रदर्शन किया यह प्रदर्शन आगामी 24 एवं 25 फरवरी को घोषित दो दिवसीय अखिल भारतीय बैंक हड़ताल के आलोक में आंदोलन आत्मक कार्यक्रम की कड़ी में किया गया प्रदर्शन के माध्यम से बैंक कर्मियों ने भारत सरकार से इंडियन बैंक एसोसिएशन के माध्यम से या मांग किया गया कि बैंकों में ग्राहक सेवा में निरंतर हो रहे गिरावट एवं ग्राहकों को हो रही अत्यधिक परेशानियों से बचने के लिए अभिलंब सभी बैंकों में सभी संवर्गों में बहाली की जाए तथा इंडियन बैंक एसोसिएशन से यह मांग किया गया की यूएफबीयू के साथ हुई वार्ता में लंबित मुद्दों को जिसे सुलझाने की बात कही गई थी उन सभी मुद्दों पर सकारात्मक पहल किया जाए पांच दिवसीय बैंकिंग को भी बैंकों में लागू किया जाए इन्हीं मांगों से संदर्भित तारों के साथ बैंक कर्मियों ने अपनी आवाज बुलंद किया प्रदर्शन में महिला बैंक कर्मियों की उपस्थिति भी सराहनीय रही इस अवसर पर यूएफबीयू के जिला उपसंयोजक राघव कुमार सिंह ने अपने संबोधन में सरकार को या चेतावनी दी कि यदि उपरोक्त मांगों पर जल्द से जल्द ध्यान नहीं दिया गया तथा डीएफएस के द्वारा बैंकों में हस्ताक्षार्प को बंद नहीं किया गया एवं द्विपक्षीय समझौता का उल्लंघन करना बंद नहीं किया गया तो 24 एवं 25 मार्च को दो दिवसी है हड़ताल होगा इसके बावजूद भी यदि अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में भारत सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि आज सभी बैंक कर्मी दो तरफ मार्ग झेल रहे हैं एक तरफ काम के अत्याधिक बोझ से जहां तनाव ग्रस्त एवं अवसाद से ग्रसित होते जा रहे हैं वहीं ग्राहकों की असंतुष्टि भी बढ़ती जा रही है।

जीएम आफिस के ओएस वाहन के चकमे से बाइक से गिरकर दुर्घटनाग्रस्त

कथारा । कथारा फुसरो मुख्य मार्ग पर जारंगडीह के समीप अपने ही बाइक से गिरकर सीसीएल कथारा महाप्रबंधक कार्यालय के कार्मिक विभाग मे कार्यरत आफिस सुपरिटेंडेंट मायनाक बनर्जी गंभीर रूप से घायल हो गये घटना के बाद उपस्थित लोगो ने घायल बनर्जी को वाहन से धोरी स्थित केंद्रीय अस्पताल ले गया जहां प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए धनबाद भेज दिया गया। चिकित्स्कों के अनुसार घायल बनर्जी की स्थिति गंभीर है। जानकारी के अनुसार मयांक बनर्जी अपने घर कुरपनिया से अपने कार्य स्थल कथारा महाप्रबंधक कार्यालय जा रहे थे इसी दौरान घटना घटी।

डीवीसी सेवानिवृत्त कार्यपालक अभियंता के आवास में चोरी

दबंग हिन्द,संवाददाता

बेरमो । बोकारो थर्मल डीवीसी के जीएम कॉलोनी स्थित वैष्णो माता मंदिर के पास मंगलवार देर रात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया चोरों ने डीवीसी से सेवानिवृत कार्यपालक अभियंता आनंद प्रकाश मेहता के आवास आवास 19/ए से लगभग 6 लाख रुपए के जेवरात सहित 80 हजार नगद चुरा लिए घटना के समय आनंद प्रकाश मेहता अपने पूरे परिवार के साथ एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए बाहर गए हुए थे इसी दौरान चोरों ने तीन कमरों में ताले तोड़कर घर में प्रवेश किया और सिर्फ नगदी व जेवरात पर हाथ साफ किया जबकि अन्य कीमती सामान को नहीं छुआ बुधवार की सुबह पड़ोसियों ने घर के टूटे दरवाजे देखें इसके बाद उन्होंने आनंद प्रकाश मेहता को फोन कर चोरी की जानकारी दी मेहता ने गुरुवार को बोकारो थर्मल लौटकर मामले की सूचना बोकारो थर्मल थाना प्रभारी सह पुलिस इंस्पेक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह को दी सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की मेहता ने बताया कि वे परिवार सहित रिश्तेदार के यहां गए थे इसी दौरान चोरों ने घर को निशाना लगा बनाया।

बाहरी भीतरी का हवा फैलाने बाले को कर्मचारी दे रहे मुंहतोड जबाब: चौधरी

दबंग हिन्द,संवाददाता

बोकारो । झारखंड मुक्ति मोर्चा का राष्ट्रीय स्तर पर 19 जनबरी 25 से चलाए जा रहे सदस्यता अभियान कार्यक्रम के तहत बोकारो जिला मे चल रहे कार्यक्रम मे हजारों-हजार आम नागरिक बड़े हर्षोल्लास के साथ झामुमो का सदस्य बन रहा जो पार्टी के लिए बड़े हीं खुशी की बात है ।उसी कड़ी मे झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बी के चौधरी के नेतृत्व मे 21 जनबरी से बोकारो स्टील प्लांट मे कार्यरत इस्पातकर्मी और ठेकाकमीर्यों के हर बिभाग मे चलाए जा रहे सदस्यता अभियान का 17 वें दिन कोल्ड रोलिंग मिल के दिलीप केन्टीन मे चलाया गया जहां हर सेक्सन से कमीर्यों ने स्वेच्छापूर्वक सदस्यता ग्रहण कर फार्म मे पूरा डाटा भरते हुए हस्ताक्षर करता रहा ।बिपक्षीयों द्वारा फैलाये गये कि झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी बाहरी भीतरी का फिलिंग रखता है को पूरे प्लांट के मजदूरों ने उनका हवा निकालने का काम कर रहा है क्योंकि देश के सभी राज्यों से आकर काम कर रहे कर्मचारीयों मे झामुमो का सदस्यता लेने को एक होड सा दिख रहा है ।अपने संक्षिप्त संम्बोधन मे बि के चौधरी ने कहा कि झारखंड राज्य अलग हुए 24 बर्ष हो गया जिसमे 19 बर्ष भारतीय जनता पार्टी की सरकार रही और उनके कार्यकाल मे बिकाश के जगह सिर्फ अपने उद्योगपतियों के द्वारा राज्य को लूटने खसोटने का काम किया लेकिन इन 6 बर्षों मे हेमन्त सोरेन के नेतृत्व मे राज्य का चहुंओर बिकाश दिखाई दे रहा है चाहे रोजगार सृजन होया सड़क पूल पुलीया या गरीब असहाय जरूरतमंद माताऐं बहनो के लिये चलाए जा रहे म?ईया सम्मान योजना सहित लगभग 86 योजना जो जनता को समर्पित किये गये से लाखो जरूरत मन्दो को सहारा हो जिसके कारण हेमन्त सोरेन जी के कार्यक्रम के चलते जहां भी सदस्यता अभियान कार्यक्रम हो रहा है लोग बढ़चढ़कर सदस्यता ग्रहण कर रहा है ।आज के कार्यक्रम मे युनियन के संयुक्त महामंत्री एन के सिंह, आई अहमद, राजेन्द्र प्रसाद, मानिक चन्द्र साह, देवेन्द्र गोराई, ओ पी चौहान, एन के सिंह, सहित दर्जनो बिभागीय युनियन नेताओ ने सदस्य बनाने मे अहम भूमिका निभाया ।यह कार्यक्रम और बचे हुए कुछ बिभागों मे चलाया जायगा जिसे सदस्यता अभियान के अन्तिम तारीख 28 फरबरी तक चलेगा ।यह जानकारी कार्यालय मंत्री आर बी चौधरी ने दी ।

आयशा कंपलेक्स के निर्माण कार्य को सीओ ने रोका

दबंग हिन्द,संवाददाता

कथारा । गोमिया फुसरो मुख्य मार्ग पर कथारा मोड़ स्थित आयशा कंपलेक्स मार्केट में निर्माण कार्य को शुक्रवार को बेरमो के अंचल अधिकारी संजीत कुमार सिंह ने रोक दिया सीओ ने वैध दस्तावेज लेकर अंचल कार्यालय पहुंचने का निर्देश कंपलेक्स मालिक को दिया अन्यथा मार्केट सील करने की बात कही ।बताया जाता है कि क्षेत्र भ्रमण करने के क्रम में सीओ आयशा काम्प्लेक्स जाने के लिए सड़क से सटे सीढ़ी बनाए जाने पर आपत्ति जताया। दावेदार मोहम्मद इलियास द्वारा जवाब नहीं मिलने के बाद सीओ ने काम रूकवाते हुए वैध दस्तावेज लेकर अंचल कार्यालय पहुंचने का निर्देश दिया ।सूत्र बताते हैं कि स्थानीय निवासियों द्वारा इससे संबंधित शिकायत बोकारो थर्मल पुलिस से की गई थी तथा निर्माण कार्य स्थल को सरकारी भूमि बताते हुए काम रोकने का आग्रह किया गया था इसके आलोक में थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह द्वारा सीओ से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की गई थी।

एक नजर

घुंनपोका साहित्य पत्रिका ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

बोकारो । खुदीराम बोस चौक पर घुंनपोका साहित्य पत्रिका के सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया इस दौरान गाना और कविता पाठ किया गया इस अवसर पर इस बार का थीम है सिल्वर जुबली समारोह ।वक्ताओं ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस का बांग्ला भाषा को हटाकर उर्दू भाषा लागू करने जा रहा था पाकिस्तान सरकार जिसके विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया ।कहा कि बांग्लादेशियों ने 1952 के 21 फरवरी को ढाका विश्वविद्यालय में प्रदर्शन करने वालों पर गोलियां चलाई और पांच छात्रों को मार डाला था इसी को लेकर यूनेस्को द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने का फैसला लिया और साल 2000 से पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है साहित्य पत्रिका की ओर से इस मौके पर दिलीप वैराग्य जयंत मलिक पूलक घोष पार्थो सरकार स्वप्न सरकार फाल्गुनी भट्टाचार्य ज्योतिर्मय डे कल्पना पैतन्डी समीर पैतन्डी विमल मुखर्जी मथुरा मोदक तारक घोषाल समीर कुमार दास महेश प्रसाद वर्मा अरुणा देवी सनत कुमार राय सहित अन्य उपस्थित थे।

वन प्रमंडल पदाधिकारी से मिला दामोदर बचाओ आंदोलन का प्रतिनिधि मंडल

चास । बोकारो जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार से दामोदर बचाओ आंदोलन के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर जल और वायु प्रदूषण के रोकथाम को लेकर मुलाकात किया तथा कहा की सिंगरी जोरिया और गर्ग नदी दोनों दामोदर नदी की सहायक नदी है परंतु नगर निगम के आवासीय कॉलोनी का गंदा पानी तथा बोकारो का गंदा पानी इस नदी में प्रवाहित किया जाता है जिसके कारण नमामि गंगे योजना में शामिल होने के बावजूद इसकी स्थिति दयनीय है प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि दोनों नदियों के किनारे अतिक्रमणकारियों द्वारा जमीन का अतिक्रमण कर उसका गलत तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा है वन प्रमंडल पदाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल की बातें सुनकर नदी को अतिक्रमण मुक्त करने की बात कही उन्होंने कहा कि इन नदियों के किनारे से अतिक्रमण हटाकर पेड़ पौधा लगाया जाएगा प्रतिनिधि मंडल में दामोदर बचाओ आंदोलन के जिला संयोजक सुरेंद्र प्रसाद विक्रम कुमार महतो करमचंद गोप ललित सिन्हा सहित अन्य उपस्थित थे।

अर्जक संघ ने किया अमर शहीद जगदेव प्रसाद जागरण अभियान रथ का स्वागत

बोकारो । सेक्टर 8 स्थित अर्जक संघ के जिला कार्यालय में संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने अमर शहीद जगदेव प्रसाद जागरण अभियान रथ का स्वागत किया यह रथ बिहार के पटना से चलकर झारखंड के कई जिलों से गुजरते हुए बोकारो पहुंचा इस मौके पर रथ के साथ आए दो संत कुमार सिंह तथा दीनदयाल सिंह कुशवाहा ने कहा कि शहीद जगदेव प्रसाद दलित पिछड़ों के अधिकार के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया उन्होंने कहा कि झारखंड और बिहार में अमर शहीद जगदेव प्रसाद ने हमेशा इन लोगों की आवाज उठाने का काम किया इस मौके पर संघ की अध्यक्ष उषा सिंह ने कहा कि अमर शहीद जगदेव प्रसाद शोषित पीड़ित के मसीहा थे एक अन्य समाचार के मुताबिक जागरण रथ का स्वागत चैस कुशवाहा भवन में भी किया गया या उपस्थित लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा उनके बताएं रास्ते पर चलने का संकल्प लिया इस मौके पर रामदुलारी देवी सुरेश बैठा प्रेम कुमार सुरेश प्रसाद रविंद्र प्रसाद सिंह रामानंद प्रसाद मालती अर्जक सहित दर्जनों उपस्थित थे ।

मौसम ने बदला मिजाज दिनभर आसमान में छाया रहा बादल

बोकारो । मौसम का अचानक मिजाज बदल ने और दिनभर आसमान में बादल छाए रहने की वजह से तापमान में थोड़ी गिरावट आई है जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है मालूम हो कि गुरुवार की रात रुक-रुक कर जमकर बारिश हुई और ओले पड़े इससे किसानों की परेशानी बढ़ गई फसल को भी नुकसान हुआ खासकर इस मौसम में सब्जी को काफी नुकसान हुआ किसानों का कहना है कि मौसम में आए अचानक बदलाव के कारण खेतों में पड़ी सब्जियां और फसलों को बरसात तथा ओले पड़ने से नुकसान हुआ है मालूम हो कि हाल के दिनों मे सर्द मौसम के बाद गर्मी के मौसम के आगमन से बाजार में सब्जियों की कीमत में गिरावट आई है जिससे लोगों को महंगाई से थोड़ी राहत मिली है परंतु ऐसा माना जा रहा है कि बरसात और ओला पड़ने के कारण जिस प्रकार का नुकसान अनाज और सब्जियों को हुआ है निश्चित रूप से एक बार फिर सब्जियों के कीमतों में उछाल आ सकता है। इधर गुरुवार की रात हुई बरसात के बाद नगर निगम के सफाई की भी पोल खुल गई गंदे नालों का पानी सड़क पर चढ़ गया जिससे लोगों को आवाजही में काफी परेशानी हुई। चास नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में सड़कों पर गंदगियों का अंबार लग गया सफाई कर्मी के द्वारा गंदगी को नहीं हटाए जाने का कारण कई वार्डों में लोगों का सड़कों पर चलना दूभर हो गया है वहीं दूसरी ओर नगर निगम प्रशासन द्वारा सफाई के नाम पर बड़ी-बड़ी बातें कही जाती है परंतु हकीकत यह है कि वार्ड का निरीक्षण करने से या स्पष्ट हो जाएगा की नगर निगम के दावे में कितनी सच्चाई है।

रेड बुक्स डे पर सीटू कार्यालय मे संगोष्ठी आयोजित

बोकारो । रेड बुक्स डे पर सीटू कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी मे शामिल उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेता बी डी प्रसाद ने कहा कि समाज में दो ही वर्ग है, एक शोषक वर्ग और दूसरा शोषित वर्ग। आज शोषण करने का चरित्र बदल गया है। पूंजीवादी व्यवस्था में कारपोरेट घरानों का दबदबा कायम हो गया है। नतीजतन शोषित वर्ग की एक बहुत बड़ी आबादी को जीवन जीने लायक मजदरी भी नहीं मिल पाता है। इसलिए आज जरूरत है किसान मजदूर एकता कायम कर आंदोलन की गति को तेज करना ।इस अवसर पर मार्क्सवादी साहित्य का सामुहिक पाठ किया गया। आज की गोष्ठी को सचिव राज कुमार गोराई, आर बी सिन्हा, आर के पी वर्मा, एस एन प्रसाद , जनार्दन प्रसाद एस के राय ने भी संबोधित किया।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व विचार गोष्ठी आयोजित

जारंगडीह। बांगला विभाग, हिंदी विभाग एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में प्राचार्य लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता में जंतु शास्त्र सभागार में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी मनाया गया। प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने कहा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस हमें याद दिलाता है कि भाषा केवल संचार का माध्यम ही नहीं बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति और इतिहास का हिस्सा है।डा प्रभाकर कुमार ने कहा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस दुनिया भर के लोगों के बीच बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है छात्र छात्राओं से निबंध, पोस्टर, कविता, गीत, नृत्य प्रतियोगिता आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान बनाने वाले प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन का कार्य डा अरुण रंजन धन्यवाद ज्ञापन प्रो अमीत कुमार रवि ने किया। मौके पर प्राचार्य लक्ष्मीनारायण , तमाम कालेज कमीर्यों व छात्र छात्राएं की उपस्थिति रही।

बोडिया उत्तरी पंचायत में विशेष राजस्व शिविर का आयोजन

कथारा। बेरमो प्रखंड के बोडीया उत्तरी पंचायत सचिवालय परिसर में शुक्रवार को विशेष राजस्व शिविर का आयोजन किया गया शिविर में लगभग 8 भूमि संबंधित विवाद का निष्पादन विभिन्न अंचल के हलका क्षेत्र में अंचलाधिकारी के द्वारा उक्त विशेष शिविर लगाया जा रहा है इसी के तहत बोडिया उत्तरी पंचायत सचिवालय में भी शिविर आयोजित किया गया इस अवसर पर बेरमो के अंचल अधिकारी संजीत कुमार सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में भूमि संबंधी विवाद तथा राजस्व वसूली, रैयत विवाद, लगान आदि से जुड़े मामलों को लेकर उनके द्वारा सुनवाई की गई जिसमें विभिन्न प्रकार के कुल आठ आवेदनों पर नियम संगत सुनवाई की गई उन्होंने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य भूमि संबंधी विवाद कागजों का व्यवस्थित रूप देना तथा घोषित उत्तराधिकारी के नामित भूमि का बंटवारा करना है साथ ही लगान वसूली को लेकर यहां मशीन भी उपलब्ध है जिसके तहत ऑनलाइन लगान रसीद काटी जा रही है ।मौके पर पंचायत के मुखिया कामेश्वर महतो सहित दर्जनों महिला पुरुष उपस्थित थे।

ऑफिसर क्लब कथारा मे स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

कथारा । सीसीएल कथारा क्षेत्र सीएसआर तथा क्षेत्रीय अस्पताल के सौजन्य से शुक्रवार को ऑफिसर क्लब कथारा में स्वास्थ्य जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया शिविर में लगभग पांच दर्जन मरीजों का स्वास्थ्य जांच के बाद उन्हें आवश्यक दवाइयां दी । शिविर में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, पीलिया, हाइपरटेंशन आदि की जांच कर मरीजों को आवश्यक दवाई दिया गया।

इसीआरकेयू ने मनाया अखिल भारतीय मांग दिवस

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के आह्वान और ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के दिशा निर्देश पर आज ईस्ट सेंटर रेलवे कर्मचारी यूनियन धनबाद लाइन शाखा द्वारा अखिल भारतीय मांग दिवस मनाया इसके तहत धनबाद के कैरेज एंड वैगन डिपो के मैन गेट पर सुबह 10:00 बजे से एक गेट मीटिंग आयोजन किया गया इसमें बारी-बारी से सभी वक्ताओं ने अपना वक्तव्य रखें। इस मांग दिवस का मुख्य मांगे रेलवे के खाली पदों को अभिलंब भर जाए, रेलवे में निजीकरण निगम करण एवं आउटसोर्सिंग पर रोक लगाया जाए, रेलवे में जर्जर कॉलोनी की जगह पर नया आवास का निर्माण एवं रेलवे कॉलोनी में सुविधा का व्यवस्था किया जाए, यूपीएस का कर्मियों को अभिलंब सुधार आ जाए, सभी रेल कर्मचारियों को 8 घंटा से ज्यादा काम ना लिया जाए आदि शामिल है और सभा का अंत में डिपो इंचार्ज अभय मेहता को मांग पत्र सोंपा गया। आज का इस अखिल भारतीय मांग दिवस में नेताजी सुभाष, जितेंद्र कुमार साव, एन के खवास, प्रशांत बनर्जी, विमान मंडल,सुरेंद्र चौहान, दिलीप कुमार, संतोष कुमार गोंड, एनसी राय,गुलाबचंद पंडित, विकास गोराई, ददइअंसारी, सौरभ कुमार, सीडी हजम, रुचि कुमारी, बिंदु देवी, बबीता कुमारी, प्रीति देवी, लक्ष्मी एवं अन्य रेलकर्मी साथी उपस्थित रहे।

झारखंड में कुपोषण की स्थिति भयावह, सुधारने के लिए इमानदार प्रयास जरूरी

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। झारखंड, देश के उन राज्यों में से एक है जहां कुपोषण की वजह से बच्चों का पूर्ण रूप से मानसिक एवं शारीरिक विकास नहीं हो पाता है, साथ ही उनमें मृत्यु का खतरा सामान्य बच्चों से 11% अधिक रहता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 5 के अनुसार झारखंड के सरायकेला खरसावां में सबसे अधिक गंभीर कुपोषित बच्चे 23% हैं। वहीं खूंटी, रांची, पूर्वी सिंहभूम में 16.8% हैं। गिरिडीह में 14.5%, पश्चिमी सिंहभूम में 12.9%, गोड्डा में 11.2%, दुमका में 11%, और लोहरदगा में 10% बच्चे अति गंभीर रूप से कुपोषित हैं।अति गंभीर कुपोषित बच्चों के मामले में रिपोर्ट के अनुसार झारखंड में 5 बर्ष तक के कुल बच्चों में 9.1% अति गंभीर कुपोषण के शिकार हैं जो अन्य राज्यों की तुलना में अधिक है, और यह झारखंड सरकार के लिए कुपोषण से मुक्ति पाना गंभीर चिंता का विषय एवं चुनौती भरा कार्य है। ऐसा मानना है वरिष्ठ नागरिक व समाजसेवी हरे राम पंडित का।

राज्य में 5 बर्ष से कम उम्र वाले 36 लाख 64 हजार बच्चों में कुल 42%

यानी 15 लाख से अधिक बच्चे कुपोषित हैं और कुल बच्चे का 9.1% यानी 3 लाख के करीब बच्चे अति गंभीर कुपोषण के शिकार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण एवं आदिवासी बहुल इलाकों में 15 से 19 बर्ष की किशोरियां भी कुपोषण की शिकार हैं। करीब 65.8% किशोरियां एनेमिक हैं यानी शरीर में आयरन की कमी।

झारखंड में एनेमिक महिलाओं की स्थिति गंभीर है और नतीजतन प्रसव के दौरान मृत्यु, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट देखने को मिलता है। कुपोषित माताओं से उत्पन्न बच्चे भी कुपोषण के शिकार रहते हैं।

आदिवासी बहुल इलाकों में खास कर कोल्हान और संथाल परगना प्रमंडल में स्थिति ज्यादा ही गंभीर है। कुपोषण के कारण करीब 38% महिलाएं व 32% पुरुष बाडी मास इंडेक्स(बी एम आई) के मुताबिक या तो बहुत दुबले हैं या फिर अधिक मोटे। इसी तरह 5 साल से कम के कुपोषित बच्चे जो करीब 45% हैं वे ऊंचाई में छोटे/ बौने तथा करीब 22% बच्चे बहुत पतले हैं।

राज्य सरकार ने कुपोषण से मुक्ति व महिला एवं बाल कल्याण के लिए 2022-23 के बजट में 6679.27 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा था। 2023-24 वित्तीय वर्ष में 7171.68 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में 8021 करोड़ का बजट में प्रावधान किया है जो कि 23-24 की तुलना में करीब 11.9% अधिक है।

बच्चों को छह माह तक केवल मां का दूध पिलाना, जच्चा-बच्चा का समय से नियमित टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं के खान पान का विशेष ध्यान रखना और नियमित कांउंसिलिंग करने से कुपोषण से बचाव किया जा सकता है।

झारखंड सरकार ने राज्य में 96 (एम टी सी) मालन्युट्रेशन ट्रीटमेंट सेन्टर, जहां अति गंभीर कुपोषित बच्चों को दो सप्ताह तक रख कर इलाज किया जाता है, पौष्टिक आहार दिया जाता है। लेकिन दुर्भाग्यवश अधिकांश केन्द्रों पर डायटिशियन की पोस्टिंग नहीं है। नर्स ही इलाज करती है।

सरकार की योजनाओं में बाल संरक्षण एवं प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना प्रमुख हैं। दोनों योजना आंगनबाड़ी केंद्र की मदद से चलाया जाता है। छह माह से लेकर छह साल तक के बच्चों, कुपोषित बच्चों सहित एवं गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को (बच्चे के जन्म से छह माह तक)पोषाहार आंगनबाड़ी केंद्र से एवं पोषाहार भत्ता के रूप में केंद्र सरकार के तरफ से कुल पांच हजार रुपए तीन किस्तों में सीधे एकाउंट में ट्रांसफर कर दिया जाता है ताकि पौष्टिक आहार लिया जा सके। इतना पैसा खर्च करने के बाद भी राज्य में कुपोषण की स्थिति में सुधार नहीं दिखाई देता है, तो सरकार को अपनी इच्छा शक्ति बढाना होगा, इमानदार प्रयास करना होगा,विभागीय समीक्षा बैठक करके अधिकारियों को जगाना होगा साथ ही लाभार्थियों को कुपोषण के प्रति जागरूक करना होगा।

संत मैथ्यूज हाई स्कूल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

राजगंज। संत मैथ्यूज हाई स्कूल राजगंज में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के छात्रों विभिन्न राज्यों की पारंपरिक पोशाकें पहनकर अपनी संस्कृति का प्रदर्शित किया। प्राचार्य राहुल कुमार ने छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के महत्व के बारे में बताया और उन्हें अपनी मातृभाषा को संरक्षित करने और उसका सम्मान करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का इतिहास बांग्लादेश के भाषा आन्दोलन दिवस से जुड़ा हुआ है। यह दिवस हमें अपनी मातृभाषा के महत्व को समझने और उसका सम्मान करने के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के छात्रों का बहुत बड़ा योगदान रहा, जिनमें अंतरा, अंजलि, तृप्ती, रितिका, राज, तृषा, अनिकेत, रामदेव, डालूराम, संदीप आदि थे। मंच का संचालन कक्षा नौवीं की छात्रा प्राची कुमारी ने किया।

भुईफोड़ शिव मंदिर, धनबाद में बाल विवाह मुक्त भारत पर चलाया गया जागरूकता अभियान

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण की सहयोगी संस्था झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन द्वारा भुईफोड़ शिव मन्दिर, धनबाद में बाल विवाह रोक को लेकर सघन जागरूकता अभियान चलाया गया। मन्दिर के पुजारियों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी दिया गया। मन्दिर प्रांगण में ट्रस्ट द्वारा मंदिर परिसर में बाल विवाह नहीं होती है का बैनर एवं पोस्टर लगाया गया। झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के फील्ड कॉर्डिनेटर दीपा रवानी एवं चंदा कुमारी ने बताया कि बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण के लिए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा पिछले दो वर्षों से धनबाद जिला में सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा जिसके तहत मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर पंडित, पुजारी, मौलवी के साथ शपथ कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। मंदिर के मुख्य पुजारी को बताया गया कि विवाह के लिए उम्र के लिए आधार कार्ड मान्य नहीं है, उम्र के लिए जन्म प्रमाण पत्र या स्कूल प्रमाण पत्र को ही मान्य माना जाय। साथ बाल विवाह होने पर कानूनी प्रावधानों को भी बताया गया। भूइफोड शिव मंदिर में काफी संख्या में शादी होती है आज मन्दिर के सभी पुजारी को बाल विवाह रोक पर जागरूक किया गया। मौके पर पंडित हिमांशु बनर्जी, सुबोध पंडित, अक्षय कुमार आचार्य आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

आदिवासी विधवा महिला को लापता बता कर एग्यारकुंड प्रखंड ने विधवा पेंशन रोका

दबंग हिन्द,संवाददाता

मैथन। 7 सालों से अपना पता लेकर एग्यारकुंड प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगा रही विधवा का अब तक पेंशन नहीं हुआ चालू। वो कहते हैं ना जब सिस्टम अपना काम ठीक तरीके से नहीं करता है तो इसका असर समाज पर बुरा पड़ता है और सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव ग्रामीण क्षेत्र के गरीब लोगों पर पड़ता है जिससे समाज का आक्रोश सिस्टम के प्रति बढ़ जाता है। कुछ ऐसा ही मामला एग्यारकुंड प्रखंड के कलिमाटी गांव के रहने वाली होपनी मंझी आइन के साथ हुआ है। होपनी पिछले 7 सालों से अब तक एग्यारकुंड प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगा लगाकर थक गई है और अब उन्हें सिस्टम से काफी शिकायतें हैं। उनका कहना है कि 21 सितंबर 2017 से 24 सितंबर 2018 तक मेरे बैंक ऑफ इंडिया के चिरकुंडा शाखा खाता संख्या 4725 101 10013800 में ?600 करके प्रति माह विधवा पेंशन आ रहा था जिसे अचानक अक्टूबर 2018 में बंद कर दिया गया। जिसको लेकर मैं कई बार प्रखंड कार्यालय गई तो वहां मुझे तरह-तरह के बहाने बनाकर

वापस भेज दिया गया लेकिन मेरा पेंशन चालू नहीं हो पाया प्रखंड के पदाधिकारी के आश्वासन एवं पेंशन नहीं आने के कारण से निराश होकर 24 फरवरी 2021 को पुनः विधवा पेंशन के लिए आवेदन किया जिसके बाद प्रखंड कार्यालय से कहा गया कि आप पहले से ही पेंशनधारी हैं इसलिए आपका नया आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा और आश्वासन दिया गया कि उनका पेंशन पुराने आवेदन पर ही खाते में चला जाएगा लेकिन 2018 से अब तक एक भी पैसा विधवा पेंशन के रूप में नहीं आया इस दौरान पेंशन के लिए प्रखंड के बाबू से लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी तक इसकी शिकायत किया गया लेकिन कहीं कोई कारवायी नहीं हुआ। आज भी पथराई आंखों से वृद्धा आदिवासी महिला कोशिश कर ही रही है।

वहीं इस मामले पर झामुमो के प्रखंड संयोजक रामनाथन सोरेन ने कहा कि होपनी गरीब आदिवासी महिला है इन्हें 2017 से 18 तक पेंशन मिलता रहा लेकिन 2018 प्रखंड के कर्मचारियों के लापरवाही के कारण बिना जांच किए ही प्रखंड के सचिव ने उन्हें लापता घोषित कर दिया और नाम विधवा पेंशन से काट दिया इससे पता चलता है कि प्रखंड के कर्मचारी कितने गैर जिम्मेदार से काम करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रखंड में और कई ऐसे मामले हैं जिन्हें प्रखंड के कर्मचारियों की लापरवाही से उनका वृद्ध एवं विधवा पेंशन बंद हो गया है जो प्रखंड के गैर जिम्मेदार कार्य शैली को दशार्ता है उन्होंने कहा कि विधवा और वृद्धा पेंशन में इस तरह के गड़बड़ियों को लेकर वे प्रखंड विकास पदाधिकारी को पत्र लिखे हैं और जल्द ही जिला उपायुक्त से मिलकर प्रखंड के कार्यशैली की शिकायत करेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर डीएवी बनियाहीर के छात्रों ने निकाली जागरूकता रैली

दबंग हिन्द,संवाददाता

जोड़ापोखर। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर बीसीसीएल लोदना क्षेत्र संख्या 10 के सौजन्य से डीएवी बनियाहीर के छात्रों द्वारा मातृभाषा के प्रति निष्ठा और प्रेम को दशार्ती हुई जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली मे छात्रों के साथ विद्यालय के प्राचार्य एजाज अहमद, बहिंदी शिक्षिका अंकिता तिवारी, मीना लाला, शिक्षक राकेश धर, संदीप चटर्जी और अरविन्द कुमार उपाध्याय सम्मिलित हुए। यह जागरूकता रैली लोदना मोड़ स्थित बीसीसीएल क्षेत्रिय कार्यालय लोदना क्षेत्र संख्या 10 तक गई। इस रैली मे लोदना क्षेत्रीय कार्यालय प्रबंधक दीपक कुमार सिंह, सौरव कुमार सिंह नोडल अधिकारी राजभाषा, विश्वनाथ धीवर वरीय लिपिक, राजभाषा विभाग अनुवादक रोशन कुमार शर्मा तथा लालटू राजवार मौजूद रहे। हिंदी शिक्षक राकेश धर ने कहा कि मातृभाषा विचार की अभिव्यक्ति का सबसे सरल व सशक्त माध्यम है। वहीं शिक्षिका अंकिता तिवारी ने इस रैली के आयोजन के लक्ष्य के विषय मे अपना विचार व्यक्त किया और कहा कि विविधता मे एकता ही हमारी संस्कृति की विशेषता है। प्राचार्य एजाज अहमद ने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए और इसके अधिकाधिक प्रयोग के लिए लोगों को भी जागरूक करना चाहिए।

निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने मैथन डैम में स्पीड बोट का किया उद्घाटन

दबंग हिन्द,संवाददाता

मैथन। मैथन डैम में इस साल नौकाविहार को सुगम बनाने के लिए नई स्पीड बोट की व्यवस्था की गई है। निरसा के लोकप्रिय विधायक कमङ्ग अरूप चटर्जी जी व मैथन के मुखिया बबलू चौधरी जी निरसा के समाज सेबी गुरमीत सिंह डांग जी कालीमाटी पंचायत मुखिया प्रतिनिधि मोती हेम्ब्रम जी ने शुक्रवार को मैथन डैम के काली घाट पर नई स्पीड बोट का उद्घाटन किया। इससे पूर्व काली घाट के संचालक ने विधायक का स्वागत गुलदस्ता भेंटकर किया। इसके बाद विधायक समेत अन्य लोगों ने स्पीड बोट पर सवार होकर मैथन डैम में नौकाविहार का लुफ्त उठाया। श्री चटर्जी जी ने कहा की काली घाट के संचालकों द्वारा नई बोट लाकर सैलानियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में सकारात्मक पहल की है। इस नई स्पीड वोट के आ जाने से सैलानियों को वोटिंग व नौकाविहार करने में काफी आनंद आएगा। लोग गोवा और आइलैंड जैसा आनंद मैथन डैम में ही उठा सकेंगे। मौके पर- बबलू मरांडी, काजल मरांडी, शैलेंद्र मरांडी, हेमलाल टुडू, दिलीप मरांडी, गणेश हेंब्रम, विष्णु बाउरी, काफी संख्या में पर्यटक एवं अन्य लोग मौजूद थे।

विद्यार्थी ने की बिना कारण बताए स्कूल से निष्कासित करने की शिकायत

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित जनता दरबार में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्री पीयूष सिन्हा ने विभिन्न लोगों की शिकायतें सुनी। इसमें एक छात्र ने आवेदन देकर बताया कि उसे बिना कोई कारण बताएं या चेतावनी दिए स्कूल से निष्कासित कर दिया है। मामले पर संज्ञान लेते हुए एडीएम ने जिला शिक्षा अधीक्षक को दोनों पक्षों को बुलाकर बात करने और वस्तु स्थिति से अवगत कराने का निर्देश दिया। केंदुआ बाजार हनुमानगढ़ी से आए व्यक्ति ने उनके पैतृक जमीन पर जबरन कब्जा करने, रास्ता बंद कर देने एवं रंगदारी मांगने की शिकायत की। गोविंदपुर के दामकड़ा बरवा, बड़ा जमुआ से आई महिलाओं ने 15वें वित्त आयोग मद से बनने वाले नाली निर्माण में कुछ लोगों द्वारा बाधा पहुंचाने, महुबनी 2 गोविंदपुर से आए व्यक्ति ने अबुआ आवास एवं पीएम आवास योजना में अनियमितता बरतने की शिकायत की।

जनता दरबार में धारजोरी मौजा में चल रहे अवैध निर्माण कार्य को बंद कराने, पड़ोसी के उपद्रव एवं उत्पात से मुक्ति दिलाने, राशन कार्ड में नाम जोड़ने सहित अन्य शिकायत से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्री पीयूष सिन्हा ने आवेदनों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा श्री नियाज अहमद, जन शिकायत कोषांग के श्री नंदकिशोर कुशवाहा व अन्य लोग मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में एमडीएम स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग कमिटी की बैठक सम्पन्न

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। तय मानकों के अनुरूप बच्चों को एमडीएम उपलब्ध हो रही है या नही इसकी निरंतर जांच करें- उपायुक्त। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में एमडीएम स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग कमिटी की बैठक समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई।

इस दौरान पी.एम. पोषण योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पर विचार विमर्श कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके अलावा पी.एम. पोषण योजनान्तर्गत कार्यरत रसोईया का मानदेय भुगतान, स्कूल स्टेप डिलिवरी के तहत विद्यालय तक खाद्यान्न का उठाव, वित्तीय वर्ष 2024-25 में विद्यालय में उपलब्ध कुकिंग कॉस्ट मद राशि का आय-व्यय, वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिला/ विद्यालय में उपलब्ध फल/ अण्डा मद राशि का आय-व्यय, वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिला/ विद्यालय में उपलब्ध रागी (मडुआ) मद राशि का आय-व्यय एवं पी.एम. पोषण योजनान्तर्गत विद्यालय द्वारा भेजें जा रहे रटर की समीक्षा की गई। उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा ने एमडीएम की औचक निरीक्षण करने हेतु जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर विद्यालयों में मिल रहे एमडीएम का औचक जांच कर यह सुनिश्चित करें कि तय मानकों के अनुरूप बच्चों को एमडीएम मिले। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि तय समय पर सभी प्रखंडो में एमडीएम की राशन पहुँचे और वहां से सभी स्कूलों में समय पर राशन उपलब्ध कराएं।

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनिता कुजूर, जिला शिक्षा अधीक्षक श्री आयुष कुमार, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी श्रीमती साधना कुमारी, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी समेत अन्य मौजूद रहें।

रागिनी सिंह से मिले चांदमारी क्षेत्र के लोग समस्या को लेकर सौंपा आवेदन

दबंग हिन्द,संवाददाता

धनबाद। आज शुक्रवार को झरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चांदमारी के रहने वाले ग्राम वासियों ने झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें चांदमारी कोलियरी वर्क शॉप के पीछे नीलकंठ मंदिर के समीप चल रहे बस्ता कोला परियोजना में भयंकर ब्लास्टिंग होने से हो रही परेशानियों से अवगत कराया जहा ग्रामीणों ने बताया कि हेवी ब्लास्टिंग होने के कारण आए दिन वहां रह रहे ग्रामीणों के घर पर पत्थर उड़ने से और घरों में दरार होने के कारण लोगों में दहशत का माहौल है और वहां कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है और जान माल का नुकसान हो सकता है और परियोजना में कार्य डी जी एम एस रेगुलेशन के विपरीत जबरन सौ मीटर परिधि के अंदर ही किया जा रहा है जो नियमाविरुद्ध है जिसकी शिकायत कई बार परियोजना पदाधिकारी को दी जा चुकी है वही असमय बिजली पानी काट कर प्रबंधन उन्हें वहां से बिना किसी समुचित व्यवस्था के

महाप्रबंधक द्वारा साजिश के तहत हटाने को प्रयासरत है।

ग्रामीणों ने विधायक श्रीमती रागिनी सिंह से इस संबंध में उनका ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि बस्ता कोला डंप से बि एन आर साइडिंग तक ट्रांसपोर्टिंग घनी आबादी में चलने से क्षेत्र में रहने वाले महिलाओं बच्चों समेत बुजुर्गों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं से जूझना पड़ता है जिसपर विधायक श्रीमती सिंह ने उनकी बातों पर अपनी सहमति जताते हुए सभी विषयों पर बीसीसीएल प्रबंधन और आला अधिकारियों से गंभीरतापूर्वक विचार कर समस्याओं के निदान होने को आश्वस्त किया। इस दौरान मुख्य रूप से श्री रवि मिश्रा श्री सतेंद्र कुमार श्री कमलेश तिवारी सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

लियाफी आमसभा सह चुनाव में झरिया विधायक रागिनी सिंह को किया आमंत्रित

झरिया। इंश्योरेंस एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया हजारीबाग डिविजन द्वारा आगामी 23 फरवरी को धनबाद बेकारबांध स्थित ब्लेसिंग हॉल में आयोजित लियाफी आमसभा सह चुनाव किया जाएगा। इसी आलोक में आज फेडरेशन के सदस्यों ने झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह से कतरास मोड स्थित भाजपा कार्यालय में शिष्टाचार भेंट किया। इस दौरान फेडरेशन के सदस्यों द्वारा झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह को उक्त कार्यक्रम में आमंत्रित किया। इस दौरान मुख्य रूप से सूर्यकांत सिंह, ओमेश्वर कुमार सिंह, गणेश सिंह, शत्रुघ्न मिश्रा, रूप कुमार नायक, राजेंद्र प्रसाद सिंह, बाल गोविंद शाह, विष्णु कांत तिवारी, विजय कुमार सिंह, राजेश कुमार, विनोद कुमार दुबे आदि मौजूद रहे।

एक नजर

सेवा संकल्प, संस्थान ने श्राद्धकर्म में किया गरीब की मदद

धनबाद। एक ऐसी भी संस्था जो धनबाद में लोगों की जरूरत पर पिछले 7 वर्षों से सेवा में विलीन है और आज नावाडीह निवासी नरेश ठाकुर के पिता- संजय ठाकुर का स्वर्गवास बिगत कुछ दिन पहले ब्रेन हेमरेज की वजह से हो गया था। नरेश ठाकुर काफी गरीब परिवार से होने के कारण, क्रियाकर्म करने मे असमर्थ थे। तभी सेवा संकल्प के सक्रिय सदस्य मंजीत मंडल के संपर्क से, सेवा संकल्प धनबाद संस्था के सदस्यों द्वारा 2 बोरा आटा, 2 बोरा आलू, 1 टीना तेल, कुछ पैकेट नमक और कुछ नगद राशि मुहैया कराया गया ताकि संजय ठाकुर का श्राद्धकर्म अच्छे से हो सके। साथ में सेवा संकल्प के अध्यक्ष आकाश कुमार मंडल, कार्यकारिणी अध्यक्ष मुकेश महतो, केंद्रीय सदस्य शुभम सिंह, गौरव महतो एवं मनजीत मंडल। सेवा संकल्प के सभी सदस्यों का हमेशा से सभी कार्यों में सहयोग रहा है और आगे भी रहेगा।

धनबाद बार एसोसिएशन में आज होगा सब सिंह द्वार का उद्घाटन

धनबाद। दिनांक 22 फरवरी 2025 को सब सिंह द्वारा का उद्घाटन धनबाद बार एसोसिएशन में दिन के 11:00 बजे किया जाएगा जिसमें झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जस्टिस रोंगन मुखोपाध्याय तथा स्वर्गीय जस्टिस एसपी सिंह की पत्नी उत्पला सिन्हा शामिल रहेंगी। साथ ही बार एसोसिएशन 50 वर्ष से प्रैक्टिस कर रहे अधिवक्ताओं तथा कोविड काल में अहम भूमिका निभाने वाले समाजसेवी तथा अधिवक्ता लिपिक को भी सम्मानित करेगी।

बाइक सवार बदमाशों ने स्कूटी सवार से छीनी चेन

धनबाद। सदर थाना क्षेत्र में चेन स्नैचिंग की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शुक्रवार को लुबी सर्कुलर रोड स्थित गोल्फ ग्राउंड के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने एक स्कूटी सवार से चेन छीन ली। पीड़ित कमलेश सिंह स्कूटी से घर जा रहे थे। इसी दौरान दो अज्ञात बदमाशों ने पीछे से आकर उनके गले से सोने की चेन छीन ली। चेन की कीमत करीब 2 लाख रुपए है। कमलेश ने बदमाशों का पीछा किया, लेकिन वे फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर बदमाशों की तलाश कर रही है। यह एक सप्ताह में चेन स्नैचिंग की दूसरी घटना है।

हस्तशिल्प एवं संस्कृति की जागरुकता अभियान के तहत तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन का आयोजन

गोविंदपुर (धनबाद)। वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार अन्तर्गत विकास आयुक्त हस्तशिल्प कार्यालय देवघर द्वारा एकलव्य माध्यमिक विद्यालय, सहराज, गोविंदपुर में तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रथम दिवस आयोजन का उद्घाटन मुख्य अतिथि सहायक निदेशक हस्तशिल्प भुवन भास्कर, चेतना महाविद्यालय के संरक्षक शैलेंद्र एवं अन्य द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए सहायक निदेशक हस्तशिल्प भुवन भास्कर ने कहा कि हस्तशिल्प संस्कृति की पहचान है और ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से निश्चित ही बच्चों के बीच झारखंड के सभ्यता और संस्कृति के प्रति रुझान बढ़ेगा। आधुनिकीकरण के दौर में भी हस्तशिल्प एवं हथकरघा के उत्पादों के प्रति बढ़ते रुझान से पता चलता है कि संस्कृति हमारी जीवन का अभिन्न अंग है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत हस्तशिल्प की विधा को शामिल करना है ताकि बच्चों में क्षेत्रीय हस्तशिल्प एवं अन्य संस्कृति गतिविधि की जानकारी मिल सके। निश्चित ही यह तीन दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम बच्चों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा और अपने उद्देश्य में सफल होगा। साथ ही, विभाग द्वारा हस्तशिल्प के क्षेत्र में किए जा रहे योजनाओं की जानकारी साझा किया। चेतना महाविद्यालय के संरक्षक शैलेंद्र ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यालय में प्रति वर्ष आयोजित किए जाने चाहिए ताकि हमारे बच्चों में कला और संस्कृति कि सही समझ हो सके। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए ऐसे कार्यक्रम स्वरोजगार के भी अवसर उपलब्ध कराने में सहायक होंगे। शिल्प प्रदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य है कि विद्यालय में अध्ययनरत वर्ग 4 से 9 तक के सभी छात्र छात्रा झारखण्ड के चार हस्तशिल्प यथा बांस शिल्प, टेराकोटा, सोहराय लोकचित्रकला, और डॉल एवं टॉयज के हस्तशिल्पियों द्वारा बारीकी को समझे एवं भारत के समृद्ध हस्तशिल्प विरासत के प्रति जागरूक हो। मौके पर 150 से अधिक बच्चों संग प्राचार्य हेनालाल हेम्ब्रम शिक्षकगण अनिल मुर्मू, रविंद्र टुडू, पंकज, सुनीता, गणेश, रुपलाल एवं अन्य मौजूद रहे।

लगभग दर्जनों की संख्या में छात्र पहुंचे, माले नेता राजेश सिन्हा के आवास

गिरिडिह। माले नेता राजेश सिन्हा ने उपायुक्त कार्यालय में बात कर सभी को आश्वस्त किया कि 24 फरवरी को विभाग की बैठक है, उसमें सकारात्मक बातें होनी तय है, किन्हीं के बहकाने पर अभी कोई आंदोलन नहीं करें, कार्य नहीं होने पर खुद मै आपके साथ खड़ा मिलूंगा, बातों से संतुष्ट होकर सभी छात्र अपने अपने घर गए लगभग दर्जनों की संख्या में चौकीदार परीक्षा और दौड़ में सफल होने वाले छात्र माले नेता राजेश सिन्हा के आवास पर पहुंच गए, सिन्हा उस समय पचंबा में पार्टी के ज्वाइनिंग का काम कर रहे थे, उसको छोड़ कर सिन्हा तुरंत घर पहुंचे उनलोग के साथ जमीन पर बैठ कर मोटिवेट किया कि जिला प्रशासन पर भरोसा रखा जाय आपलोग के साथ न्याय होगा, सिन्हा ने तुरंत संज्ञान लिया डीसी कार्यालय, अनुमंडल पदाधिकारी और विभाग के कई अफसरों से बात की, विभाग की और से कहा गया कि दो दिन पहले तक कई प्रक्रिया हो रही थी इसलिए देर हुई है 24 फरवरी को विभाग की बैठक है, सभी को सकारात्मक रिजल्ट दिखेगा। सिन्हा ने कहा कि आपलोग ज्यादा परेशान नहीं हो क्योंकि मैं खुद 1998 से गिरिडीह के पहला कोचिंग सेंटर करियर कैंपस के माध्यम से हजारों लोगों को गाईड कर सरकारी जॉब तक पहुंचा चुका हूं मुझे आपकी परेशानी पता है, किसी के बहकावे में आंदोलन मोड में नहीं जाना है यदि इस महीने आपका रिजल्ट नहीं होता है तो भाकपा माले आपके आंदोलन में खुद कूद जाएगा और जब तक आपकी ज्वाइनिंग नहीं होती दिन रात आपके ही साथ खड़ा मिलूंगा, सिन्हा ने सभी को समझा बुझाकर सभी छात्र को घर जाने को कहा, सिन्हा ने कहा कि आप सब मेरे घर आए है कुछ नाश्ता पानी पीकर घर लौट जाए, नकारात्मक बात मत सोचे सिन्हा ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि गिरिडीह से मंत्री भी है, जाहिर है मंत्री जी और उपायुक्त महोदय के साथ अनुमंडल पदाधिकारी के अलावे विभाग भी संज्ञान में लेंगे, छात्र ने बताया कि कुछ का बैक से इंट्री हो रहा है, सिन्हा ने कहा कि ऐसा कोई प्रमाण है तो मैं इसको उजागर करूंगा किन्तु अभी आप नकारात्मक बात मत सोचे, सिन्हा ने जब सभी को रिलेक्स की बात की तो सभी छात्र खुश होकर अपने घर की और प्रस्थान किए, छात्रों को समझने और समझाने में माले के किशन सिन्हा भी मौजूद थे।

गिरिडीह में चाइना मोड़ पर ड्राइवर से लूट, मारपीट कर छीने 20,500 रूपए

गिरिडीह। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के चाइना मोड़ पर लूट की घटना सामने आई है, जहां दबंगों ने एक ड्राइवर को निशाना बनाया। पीड़ित, मोहम्मद ताज हुसैन, सिमरियाडोरा निवासी हैं। जानकारी के अनुसार, ताज हुसैन काम से लौट रहे थे, जब अचानक कुछ युवकों ने उन पर हमला कर दिया। आरोपियों ने थम्सअप की बोतल से उनके सिर पर वार किया और 20,500 रुपये लूट लिए। पीड़ित ने बताया कि वह आरोपियों को नहीं जानते थे और उनसे कोई पूर्व विवाद भी नहीं था। घटना की शिकायत मुफ्फसिल थाना में दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एमएसएमई धनबाद द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना का आयोजन लोगो को किया जागरूक

झरिया। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत कारीगरों एवं शिल्पकारो को सशक्त बनाने के लिए आज भारत सरकार एमएसएमई मंत्रालय के तत्वाधान में शाखा एमएसएमई विकास कार्यालय धनबाद द्वारा अग्रवाल धर्मशाला झरिया मे एक जागरूकता कार्यकम का आयोजन किया गया। एमएसएमई विकास कार्यालय धनबाद के सहायक निदेशक सुजीत कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इसमें 18 ट्रेड जैसे कारपेंटर, सुनार, धोबी, नाई, दर्जी, राजमिस्त्री, खिलोना बनाने वाले, लोहार, मुर्तिकार, ताला बनाने वाले, अस्त्रकार, पत्थर तोड़ने वाले, मोची नाव निमार्ता, हथोड़ा व टुलकिट निमार्ता, मछली का जाल बनाने वाले इत्यादि के लिए पंजीकरण किया जा सकता है। इसके तहत कारीगरो को 03 लाख रुपए तक का बिना जमानत लोन मिलेगा और प्रशिक्षण के दौरान रुपए 500 प्रतिदिन तथा 15 हजार रुपए तक उपकरण अनुदान भी प्रदान किया जाएगा। योजना का उद्देश्य पूरे भारत में 30 लाख कारीगरो को जोड़ने का है। इस कार्यकम में लगभग 90 प्रतिभागीयो ने भाग लिया तथा दो दर्जन से अधिक लोगो ने पंजीकरण कराया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राजेन्द्र प्रसाद महाप्रबंधक जिला उघोग केन्द्र धनबाद ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य परम्परागत व्यवसाय करने वाले आर्थिक रूप से कमजोर और हुनरमंद कारीगरों को सशक्त बनाना है। योजना राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वरोजगार हेतु विभिन्न योजनाओं पर विस्तुत प्रकाश डाला एवं स्वरोजगार से जुड़ने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अतिथि अमित कुमार अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया ने योजना के पात्रता संबंधी दिशा-निर्देश दिए। कार्यकम में राजकुमार अग्रवाल अध्यक्ष मारवाड़ी समाज झरिया, मो. अंजर जिला प्रबंधक सी.एस.सी. सेंटर, रमेश महतो, तारक नाथ पॉल ब्लॉक कारडीनेंटर तथा आदित्य चौधरी यू.डी.बी. मैनेजर जिला उघोग केन्द्र धनबाद मौजुद रहें।

छत्तीसगढ़ में शहीद हुए पलामू के सपूत महिमानंद को दी गई आखिरी सलामी

दबंग हिन्द,संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में शहीद हुए पलामू के सपूत महिमानंद शुक्ला के लिए पूरा इलाका अमर रहे के नारों से गूंज उठा। महिमानंद शुक्ला सीआरपीएफ में थे और नक्सल विरोधी अभियान में तैनात थे।11 फरवरी को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में वे बारूदी सुरंग विस्फोट की चपेट में आ गए। इस घटना में उनके दोनों पैर उड़ गए, उन्हें गंभीर हालत में रायपुर में भर्ती कराया गया जहां महिमानंद शुक्ला शहीद हो गए। महिमानंद शुक्ला का पार्थिव शरीर गुरुवार की देर रात पलामू के लेस्लीगंज स्थित उनके पैतृक गांव कमलकेड़िया पहुंचा। पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचने के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया और महिमानंद शुक्ला के लिए पूरा इलाका अमर रहे के नारों से गूंज उठा।महिमानंद शुक्ला का एक बेटा और एक बेटी है। वे पिछले कुछ सालों से दंतेवाड़ा में नक्सल विरोधी अभियान में तैनात थे। छत्तीसगढ़ में शहीद हुए महिमानंद शुक्ला का पलामू के लेस्लीगंज के कमलकेड़िया में अमानत नदी के तट पर अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले चतरा सांसद कालीचरण सिंह, विधायक डॉ. शशि भूषण मेहता, सीआरपीएफ झारखंड सेक्टर आईजी साकेत सिंह, पलामू डीआईजी वाईएस रमेश, सीआरपीएफ डीआईजी पंकज कुमार समेत पलामू के कई पुलिस अधिकारियों ने सलामी दी। साथ ही सीआरपीएफ आईजी समेत अन्य अधिकारियों ने शहीद जवान को कंधा भी दिया। महिमानंद शुक्ला का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस दौरान सीआरपीएफ की टुकड़ी ने उन्हें सलामी दी।सीआरपीएफ आईजी साकेत कुमार सिंह ने परिजनों से बात की और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

नहर निर्माण को लेकर ग्रामीणों का विरोध, पुलिया निर्माण की मांग

दबंग हिन्द,संवाददाता

गढ़वा। कांडी प्रखंड के हरिहरपुर ओपी क्षेत्र अंतर्गत मांझीगावा गांव के महूडढ़ टोला में अर्णव प्रोजेक्ट लिमिटेड द्वारा कराए जा रहे नहर निर्माण का ग्रामीणों ने विरोध किया। ग्रामीणों का कहना है कि नहर निर्माण कार्य के चलते उनकी कनेक्टिविटी पूरी तरह खत्म हो गई है, जिससे आवागमन में भारी परेशानी हो रही है।ग्रामीणों के अनुसार, पिछले दो वर्षों से नहर निर्माण कार्य चल रहा है। शुरूआत में विभागीय अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि आवश्यक स्थानों पर पुलिया बनाई जाएगी, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।इस बीच, घटिया निर्माण कार्य और मिट्टी भराव में गड़बड़ी के चलते नहर के आसपास दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि निजी जमीन का भी अतिक्रमण किया जा रहा है और जब वे नहर विभाग से शिकायत करते हैं, तो उन्हें टालमटोल जवाब मिलता है।ग्रामीणों ने बताया कि नहर निर्माण कार्य फुलवार से लेकर रतनगढ़ तक किया जा रहा है, जिसमें महूडढ़ टोला से गुजरने वाले हिस्से में पुलिया की अत्यधिक आवश्यकता है। बावजूद इसके, विभाग और ठेकेदार उनकी मांगों को नजरअंदाज कर रहे हैं। इस मामले में पहले भी गढ़वा एसडीओ को आवेदन दिया गया था, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यदि कोई बड़ी दुर्घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा।इस मामले में नहर निर्माण का कार्य देख रहे ठेकेदार मनोज सिंह ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा तीन स्थानों पर पुलिया की मांग की गई थी, जिनमें से तीनों का निर्माण पूरा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक्वाडक्ट (विशेष प्रकार की पुलिया) के लिए विभागीय अधिकारियों से चर्चा की जा रही है और उच्च अधिकारियों से मंजूरी मिलने के बाद ही इस पर कोई निर्णय लिया जाएगा।ग्रामीणों द्वारा विरोध किए जाने के कारण निर्माण कार्य रुक गया है। ठेकेदार ने बताया कि एसडीओ के निर्देश पर कुछ स्थानों पर पाइप डालकर मिट्टी भर दी गई है, लेकिन जब तक ग्रामीणों की सहमति नहीं मिलेगी, तब तक ढलाई का कार्य नहीं हो सकेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि ग्रामीण निर्माण कार्य को आगे बढ़ने दें, तो दो दिनों के भीतर समस्या का समाधान निकाल लिया जाएगा। वहीं, एक्वाडक्ट निर्माण के मुद्दे पर भी उच्च अधिकारियों से चर्चा जारी है।ग्रामीणों का कहना है कि जब तक पुलिया नहीं बनाई जाएगी, वे निर्माण कार्य नहीं होने देंगे। अब देखना होगा कि प्रशासन इस विवाद को कैसे सुलझाता है।

कौलेश्वरी मंदिर परिसर की हुई साफ-सफाई

दबंग हिन्द,संवाददाता

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय स्थित कौलेश्वरी मंदिर परिसर की साफ-सफाई शुक्रवार को की गई। साफ-सफाई मंदिर प्रबंधन समिति के सचिव निरंजन दांगी के नेतृत्व में किया गया।इस दौरान सचिव ने बताया कि शिव रात्रि के मौके पर मंदिर परिसर में लगने वाले दस दिवसीय पशु मेला व महाशिव रात्रि को लेकर पुरे परीसर की साफ-सफाई की जा रही है। क्योंकी की मंदिर परिसर में काफी खर पतवार उग आए थे। साथ ही मंदिर का रंग-रोगन भी किया जा रहा है। मौके पर प्रणाथ दांगी, कृष्णा दांगी, राजेश कुमार दांगी, हितनारायण दांगी, आशीष कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

रामचरितमानस ग्रंथ के मूल्यों को पढ़कर समझने की जरूरत

दबंग हिन्द,संवाददाता

मेदिनीनगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव शह डालटेनगंज के पूर्व विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी ने सदर अंचल के ग्राम जोड़ में श्री रामचरितमानस यज्ञ के 38 वें अधिवेशन में मुख्य रूप से उपस्थित हुआ और उन्होंने कहा कि ग्राम जोड़ की इस पावन धरती में आज 38 वर्षों से श्री रामचरितमानस नवाह पारायण पाठ महायज्ञ हो रहा है। जिसमें मुझे शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ भगवान श्री राम को मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम कहा गया है जिसका वर्णन श्री रामचरितमानस में किया गया। जरूरत है युवा पीढ़ी एवं नौजवानों को इसे अपने जीवन में उतारने की एवं श्री रामचरितमानस पढ़ने की तभी वह अपने जीवन में उसे उतार पाएंगे। प्रभु श्री राम ने मानव जाति ही नहीं अपितु पशु पक्षी वानर भालू सहित दूसरे जीव जंतु एवं प्राणियों से भी प्रेम करने एवं साथ रहने का मार्ग प्रशस्त किया है। तभी तो वह गिद्धराज जटायु जैसे पक्षी को लकड़ियों के साथ अंतिम संस्कार करते हैं वहीं वानर भूलों के साथ रावण से युद्ध करते हैं। दूसरी ओर पिता एवं माता के कर्तव्य का पालन के लिए 14 वर्ष तक वनवास रहते हैं और जाति-पाति के भेदभाव से ऊपर उठकर के बरसों से इंतजार कर रही एक दलित महिला शबरी का झूठा बेर खाकर दुनिया को भी एक सूत्र में बांधने का काम मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम ने किया है। हमें उनके मूल्यों की समझने की जरूरत है उसे अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है।मौके पर संचालन करता कमलेश तिवारी, अध्यक्ष अनुज मिश्रा उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, मुकेश तिवारी, रामराज तिवारी, चंद्रशेखर तिवारी, मृत्युंजय तिवारी, आलोक कुमार तिवारी, रणजीत राम, अरविंद सिंह, सुमेर मिश्रा सहित कई लोग थे।

बेटियों को बचाना और उन्हें सही दिशा देकर पढ़ाना पूरे समाज का दायित्व

दबंग हिन्द,संवाददाता

- 22 जनवरी से 08 मार्च तक चलाया जा रहा है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान
- सदर प्रखंड के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं को किया प्रेरित

पलामू। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत आज सदर प्रखंड के पोखराहा में अवस्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के बारे में शपथ ग्रहण कराकर किया गया। साथ ही सभी छात्राओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने बेटियों के प्रति चल रहे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया।उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर, पालनागृह, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या, लिंग भेद आदि कुप्रथा जैसी गंभीर मुद्दों पर छात्राओं के साथ बातचीत की।लीगल-सह- प्रोवेसनरी ऑफिसर दिव्या रश्मि ने छात्रों के बीच पोक्सो एक्ट के विषय में विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने बताया कि किसी प्रकार के यौन शोषण एवं हिंसा से पीड़ित होने पर लीगल सेल की मदद लेने संबंधी जानकारी दी। साथ ही 1098 (टोल फ्री नंबर) पर गोपनीय रूप से शिकायत दर्ज कराये जाने संबंधित विस्तृत चर्चा की। नई संस्कृति सोसाइटी के सचिव अजीत कुमार पाठक ने छात्राओं एवं महिलाओं को अदम्य साहस एवं व्यक्तित्व निर्माण एवं समाज में व्याप्त कुरीतियों से लड़ने के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में चंदा झा, एलएस शहरी पुष्पा कुमारी, एलएस ग्रामीण आरती कुमारी, विद्यालय की वार्डन अर्चना सिंह सहित विद्यालय की सभी शिक्षिकाएं एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मनातू डबल मर्डर: पूर्व माओवादी था दिनेश यादव

दबंग हिन्द,संवाददाता

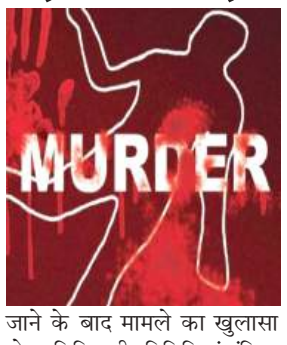

मेदिनीनगर। पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के राजखेता में हुए दोहरे हत्याकांड में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पूरे मामले में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। गुरुवार को मृतक दिनेश यादव व एक अज्ञात शव का पोस्टमार्टम कराया गया। दूसरे मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। मृतक दिनेश यादव 2017 में माओवादी दस्ते का सदस्य था, बाद में उसने दस्ता छोड़ दिया था। मृतक दिनेश यादव के भाई दीपक कुमार यादव ने बताया कि दिनेश 29 जनवरी को चेन्नई से लौटा था। सोमवार को वह गांव के ही रिश्ते के चाचा विपिन यादव के साथ घर से निकला था। दोनों को बिहार के गया स्थित इमामगंज के नबीगढ़ अपने रिश्तेदार के घर जाना था। दोनों को आखिरी बार मंगलवार को बिहार के सलैया में देखा गया था। दीपक यादव ने बताया कि विपिन यादव के पकड़े जाने के बाद मामले का खुलासा होगा। विपिन की गतिविधियां संदिग्ध रही हैं, वह नक्सल संगठन से जुड़ा था। विपिन यादव मनातू थाना क्षेत्र के नवाचुंका का रहने वाला है। मनातू थाना प्रभारी निर्मल उरांव ने बताया कि हत्या मामले में पुलिस को अहम जानकारी मिली है, जल्द ही हत्या की गुत्थी सुलझा ली जाएगी। अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। दूसरे मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के थानों से संपर्क किया गया है।

सड़क दुर्घटना में 25 वर्षीय युवक की मौत

दबंग हिन्द,संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्रामपुर थाना क्षेत्र के सोरडीहा पुल के पास बीती रात सड़क दुर्घटना में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान पाटन थाना क्षेत्र के कुड़वा गांव निवासी रंजीत चौधरी उम्र लगभग 25 वर्ष के रूप में की गई है। जानकारी के अनुशार मृतक रंजीत चौधरी गुरुवार की रात बाइक पर सवार होकर अपना घर पाटन कुड़वा गांव जा रहा था। इसी बीच रास्ते में उसकी बाइक अनियंत्रित होकर एक खड़े ट्रक से टक्कर हो गई। जिसमें घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा इस घटना की जानकारी विश्रामपुर थाना की पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलने पर विश्रामपुर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। वही पुलिस के द्वारा इस घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है। जानकारी मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

विधायक शशिभूषण मेहता ने प्रखंड कर्मी और अंचल कर्मी के साथ समीक्षा बैठक की

दबंग हिन्द,संवाददाता

मेदिनीनगर/पलामू। पांकी प्रखंड सभागार मे शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने प्रखंड कर्मी एवं अंचल कर्मी के साथ -साथ पंचायत सचिव रोजगार सेवक के साथ समीक्षा बैठक की और आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक मे केंद्र सरकार द्वारा पिएम आवास मे नाम जोड़ने संबंधित सभी पंचायत सेवकों से बारी बारी से जानकारी प्राप्त किया। जिसमे पिएम आवास और अबुवा आवास मे भारी गड़बड़ी का मामला सामने आया। पंचायत सचिव के माध्यम से दलालो द्वारा अवैध उगाही की जा रही है जिसे विधायक ने कड़ी फटकार लगाया एवं कार्यशैली मे सुधार लाने को कहा। साथ ही अंचल कर्मी के साथ केवला म्यूटेशन और रशीद काटने संबंधित जानकारी प्राप्त कर जल्द से जल्द समस्या समाधान करने का कहा। साथ ही झारखण्ड सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई। मौके पर बीडीओ ललित प्रसाद सिंह, प्रो बचन ठाकुर सरोज चटर्जी, विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र यादव, मिंटी वर्मा, रोशन सिंह, रीमा शर्मा, विजय मेहता, डॉ रामचरित्र सिंह, मुखिया सुनील प्रजापति, सहित प्रखंड कर्मी और अंचल कर्मी आदि उपस्थित थे।

महोत्सव के दूसरी शाम स्थानीय व बॉलीवुड कलाकारों ने देर रात तक जमाया रंग

दबंग हिन्द,संवाददाता

इटखोरी(चतरा)। इटखोरी प्रखंड स्थित माता भद्रकाली मंदिर परिसर में आयोजित तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव के दूसरी संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक बॉलीवुड और स्थानिय कलाकारों ने अपनी गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुति से लोगों का मन मोहा। इस दौरान सुप्रिया कुमारी एंड ग्रुप द्वारा योग पर आधारित लघु नाट्य प्रस्तुत कर योगासन, अनुलोम-विलोम और प्राणायाम के माध्यम से लोगों को स्वस्थ और निरोग रहने के लिए योग करने की सलाह दी गई। ग्रुप के कलाकार जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड अंतर्गत सिंघानी के हैं।उसके बाद साक्षी प्रिया दुबे ने एक से बढ़कर एक भक्ति भजन एवं गीत की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में समां बांधा। उन्होंने भक्ति भजन से कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके बाद कजरा रे कजरा रे तेरी काली काली नैना...., पनिया के जहाज से पलटनिया बनीं अईहा पिया, ले-लेअईहा हो पिया सेंनुरा बंगाल से....., गीत गाकर दर्शकों का खूब मनोरंजन की। मुख्य अतिथियों ने साक्षी प्रिया के पर्फोर्मेंस की जमकर सराहना करने के साथ उज्जवल भविष्य की कामना की।ज्ञात हो कि पहली बार महोत्सव के बड़े मंच से स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने सुनहरा मौका मिला। इसके बाद नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्कूल चतरा के बच्चों द्वारा हनुमान चालीसा पाठ के श्री गुरु चरण सरोज रज.. निज मनु मुकुर सुधार श्लोक पर वीर बजरंगबली का रूप धारण कर मंच के ऊपर और नीचे खूब उछल कूदकर धार्मिक नृत्य की प्रस्तुति दी। वहीं मानभूम सांस्कृतिक समिति सरायकेला द्वारा पाईका नृत्य की प्रस्तुति दी गई।साथ ही पीपहीं की आवाज पर आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति देकर लोगों को अपनी कला संस्कृति का परिचय दिया। इसके बाद रवि त्रिपाठी एंड ग्रुप मुंबई द्वारा बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। बॉलीवुड सिंगर रवि त्रिपाठी ने अपनी सुरीली आवाजों से गुलाबी आंखें जो तेरी देखी शराबी आंखें यह दिल हो गया जैसे दर्जनों गाने गाकर महफिल लुटी। अंतिम में जॉली मुखर्जी के सहयोगी द्वारा हमसे सनम क्या पर्दा जैसे गाने गाकर महफिल सजा दी। देर रात जॉली मुखर्जी ने रंग बरसे भीगे चुनरवाली, सुनो हसीना काजल वाली रे आदि गाने की प्रस्तुति देकर आए सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। अंत में पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता, पूर्व सांसद सुनिल कुमार सिंह, उपायुक्त रमेश घोलप, एसपी विकाश कुमार पांडेय, जिप अध्यक्ष ममता देवी, जिप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी आदि ने कलाकारों को मंच पर आमंत्रित कर मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

5 रुपए में एक बोतल पानी व महा प्रसाद करा रहे उपलब्ध

दबंग हिन्द,संवाददाता

इटखोरी(चतरा)। तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव में मां भद्रकाली पहुंचे श्रद्धालुओं के लिए संकट मोचन सेवा समिति पुराना अखाड़ा कृषि फार्म इटखोरी के द्वारा पेयजल (मिनरल वाटर) व महाप्रसाद का वितरण मात्र 5 रुपए में किया जा रहा है। समिति के सदस्य देव कुमार सिंह, लखन राम, भागीरथी गुप्ता, टून्नी सिंह, जनार्दन सिंह, अरुण राय, जय सिंह, विजय सिंह, प्रकाश केशरी, राजू केशरी समेत अन्य सदस्यों के अथक प्रयास से लगातार कई वर्षों से महोत्सव समेत कई धार्मिक व सामाजिक कार्यों में आगे बढ़कर सहयोग करते आ रहे है। इस महोत्सव में सस्ते मूल्य पर पानी उपलब्ध होने से श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिल रही है। समिति के लोग रात-दिन शिविर में रहकर पानी व महाप्रसाद का वितरण कर रहे हैं। ज्ञात हो कि इसीं समिति द्वारा कृषि फार्म में संकट मोचन मंदिर का भी निर्माण कराया का रहा है।

एक नजर

भूपेंद् सुपर मार्केट का उद्घाटन 24 को

डाल्टनगंज। शिवाजी मैदान में भूपेंद्र सुपर मार्केट का चार मॉल का भव्य उद्घाटन के अवसर पर भोजपुरी फिल्म अभिनेता सह गायक अरविंद अकेला उर्फ कल्लू जी का रंगारंग भोजपुरी कार्यक्रम चलेगा। यह कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश एवं पलामू वासियों को प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से कंपनी के डायरेक्टर भूपेंद्र चौधरी ने निमंत्रण दिया एवं आगामी होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा तथा कंपनी के फैसिलिटी से रूबरू किया आगे बता दे की प्रेस कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित कंपनी के डायरेक्टर भूपेंद्र चौधरी थे तथा कंपनी का जनरल मैनेजर जयंत कुमार, कंपनी बोर्ड ऑफ मेंबर गिरेंद्र कुमार सिंह एवं छत्तीसगढ़ स्टेट कोऑर्डिनेटर राबिया खातून तथा एजीएम अनामिका देवी, आशा सिंह, आशा कुमारी, ममता कुमारी, अर्चना गुप्ता, खुशबू कुमारी, अंजुम खातून, वाणी फातमा, नीरा देवी, रंजू कुमारी। चतरा जिला कोऑर्डिनेटर कांति देवी तथा पलामू जिला कोऑर्डिनेटर वंदना तिवारी सहित सैकड़ो पदाधिकारी उपस्थित थे।

खुदाई में निकले प्राचीन अवशेष दे रहे हैं सूर्य कुंड होने का ऐतिहासिक सबूत

पलामू। हाल ही में कुंदा प्रखंड के उक्त क्षेत्र के खुदाई के दौरान प्राचीन अवशेष मिले हैं, जो यहां स्थित सूर्य मंदिर के होने का सबूत दे रहे हैं। ये अवशेष इतने प्राचीन हैं कि वे इस क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर को उजागर कर रहे हैं।खुदाई के दौरान मिले अवशेषों में प्राचीन मंदिर के अवशेष, मंदिर का पिलर और अन्य प्राचीन अवशेष शामिल हैं। ये अवशेष इस बात के सबूत दे रहे हैं कि यहां एक समय में सूर्य मंदिर हुआ करता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां की प्राचीन धरोहर को संरक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने पर्यटक विभाग से सूर्यकुंड व मंदिर के जीर्णोद्धार कर महादेव मठ की ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए कदम उठाने की मांक की है। स्थानीय लोगों ने कहा है की यह प्राचीन धरोहर को समझने और संरक्षित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

पूर्व सांसद व महोत्सव के शुरुवातकर्ता सुनील कुमार सिंह हुए शामिल, लिया कार्यक्रमों का आनंद

इटखोरी(चतरा)। पूर्व सांसद व महोत्सव के प्रारंभकर्ता सुनील कुमार सिंह तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव के दुसरी संध्या सांसकृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए। ज्ञात हो कि पूर्व सांसद श्री सिंह के द्वारा साल 2015 में इटखोरी महोत्सव का आयोजन कर शुरूवात की गई। वहीं इस महोत्सव को 2016 में झारखंड सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर राज्य मेले के रूप में मान्यता दी गई। इसके बाद से कोवीड काल को छोड़कर नियमित रुप से इस तीन दिवसीय इटखोरी महोत्सव का 2016 लगातार इस महोत्सव का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। वहीं सांसद श्री सिंह भी इस महोत्सव के आयोजन में अपना सहयोग देते रहे हैं। हलांकी इस वर्ष लोकसभा चुनाव में श्री सिंह के स्थान पर भाजपा के टीकट पर चतरा निवासी कालीचरण सिंह ने जीत दर्ज की। लेकिन इस वर्ष महोत्सव में पहला मौका रहा की सांसद व विधायक की दुर रहे। इसके मायने तो कई तरह से निकाले जा रहे हैं। इस बीच पूर्व सांसद व इसके शुरूवातकर्ता सुनील कुमार सिंह ने महोत्सव के दुसरी संध्या के सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होकर कलाकोरों के कार्यकमों का आनंद लेने के साथ सभी का मनोबल बढ़ाया। साथ ही प्रशासन के साथ कलाकारों को सममानित भी किया। श्री सिंह के महोत्सव में शामिल होकर एक नए चर्च को जरुर जन्म दे दिसा है।

17वीं सदी मे धवस्त सूर्य कुंड का अखंड हरी कीर्तन के साथ किया जाएगा जीर्णोद्धार

खुदाई में निकले प्राचीन अवशेष दे रहे हैं मंदिर व कुंड होने का ऐतिहासिक सबूत

कुंदा(चतरा)। 17वीं सदी में ध्वस्त कुंदा प्रखंड के सूर्य कुंड का जीर्णोद्धार अखंड हरी कीर्तन के साथ किया जाएगा। यह सूर्य कुंड 17वीं सदी से पूर्व राजतंत्र के दौरान बनाया गया था। वहीं बुजुर्गो की माने तो मुगल साम्राज्य के राजा औरंगजेब के सूबेदार दाउद खां ने 17वीं सदी में चढ़ाई कर इसे ध्वस्त कर दिया था। इस पवित्र स्थल के जीर्णोद्धार के लिए सूर्यकुंड नवनिर्माण समिति के अध्यक्ष मनोज यादव, सचिव लवकुश गुप्ता व कोषाध्यक्ष अनुज गुप्ता के नेतृत्व में अखंड हरी कीर्तन का आयोजन 25 फरवरी प्रातः सात बजे कलश यात्रा के साथ किया जाएगा। आयोजन सूर्य कुंड के पुर्नस्थापन के लिए किया जा रहा है, जो महादेव मठ का महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहर है। इस आयोजन में स्थानीय लोगों के साथ अन्य धर्मिक और सांस्कृतिक संगठनों के लोग भी भाग लेंगे। यह आयोजन न केवल सूर्य कुंड के जीर्णोद्धार के लिए किया जा रहा है, बल्कि यहां के स्थानीय समुदाय के लिए भी एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा।

बिरसा हरित चेतना अभियान के तहत चलाया गया जागरुकता अभियान

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर प्रखंड के द्वारी व गंगापुर में बिरसा हरित चेतना अभियान के तहत वन विभाग दक्षिणी प्रमंडल द्वारा वन संरक्षण को लेकर शुक्रवार को जागरूकता अभियान चलाया गया। जागरूकता अभियान पंचायत के मुखिया जगदीश यादव के नेतृत्व में चलाया गया। इसके सफलता को लेकर ग्रामीणों के साथ बैठक भी किया गया। बैठक में जंगल को आग से बचाने तथा मूड बोझिया से जंगल से बचाने की बात कही गई। बैठक में सागर मुंडा सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

नव चयनित सहिया को दिया जा रहा प्रशिक्षण

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नव चयनित जिला स्तरीय सहिया का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार को प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण में जिला समन्वयक उदय कुमार मुख्य रूप से मौजूद थे। वहीं प्रशिक्षक सुचिता देवी व रेना देवी ने नवचयनित सहिया को सहिया एप, कुष्ठ रोग के रोकथाम, मुख्यमंत्री सारथी योजना, सहिया एप में डेटा अपलोड करने आदि की जानकारी पहले दिन दी। प्रशिक्षण में जिले भर के सभी नवचयनित सहिया शामिल थे।

अवैध गांजा के साथ तीन युवक गिरफ्तार, भेजे गये जेल

प्रतापपुर (चतरा)। गुरुवार को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर प्रतापपुर थाना क्षेत्र से तीन युवकों को 2 किलो 300 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस संदर्भ में थाना प्रभारी कासिम अंसारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पांडेय को मिली गुप्त सूचना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चतरा संदीप सुमन के द्वारा छापामारी टीम का गठन किया गया और छापामारी टीम ने त्वरीत कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के हुमाजांग-घोरीघाटघाट रोड के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जिसमें एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों को एक सफेद रंग के बोरे में रखे अवैध गांजा के साथ पाया गया। पूछताछ के बाद इन लोगों ने बताया कि प्रतापपुर थाना क्षेत्र के मथुरापुर के रहने वाले सुनील कुमार पाठक के घर से गांजा खरीद कर होली के अवसर पर पीने व बेचने के लिए ले जा रहे थे। आगे बताया कि प्रतापपुर थाना क्षेत्र के लिप्ता निवासी गजेंद्र सिंह के 21 वर्षीय पुत्र मुरारी सिंह, लिपता निवासी जोगेंद्र सिंह के 19 वर्षीय पुत्र प्रदीप सिंह और मथुरापुर निवासी 20 वर्षीय सुनील कुमार पाठक को अवैध गांजा के खरीद बिक्री करने को लेकर गिरफ्तार किया गया है। 2 किलो 300 ग्राम अवैध गांजा के साथ होंडा 02 बीपी 8340 बाइक भी जप्त किया गया है। गठित छापामारी टीम में अंचलाधिकारी विकास कुमार टुडू, पुलिस अवर निरीक्षक प्रेम कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक जुबेल गुड़िया, सहायक अवर निरीक्षक दुर्गा चरण बीरूवा तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

भारत-नेपाल सीमा पर 52वीं वाहिनी और एपीएफ नेपाल द्वारा संयुक्त गश्ती अभियान का सफल संचालन

▸▸ सीमा सुरक्षा में समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के जवानों ने मिलकर किया प्रभावी गश्ती अभियान

दबंग हिन्द,संवाददाता

अररिया । 20 फरवरी 2025 को 52वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, अररिया के कमांडेंट महेंद्र प्रताप के नेतृत्व में भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक महत्वपूर्ण संयुक्त गश्ती अभियान चलाया गया। इस अभियान में 52वीं वाहिनी के जवानों ने एपीएफ नेपाल के साथ मिलकर बॉर्डर पीलर संख्या 164/1 से 165 तक गश्त की, जो सीमा पर सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण था। पार्टी कमांडर निरीक्षक मदन लाल ने बताया कि यह गश्ती अभियान नियमित रूप से दोनों देशों के बीच आपसी समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह अभियान पगडंडियों, सड़कों और सीमावर्ती रास्तों से होते हुए सीमा पर अवैध गतिविधियों, तस्करी और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण लगाने में मदद करता है। इसके अलावा, यह दोनों देशों के जवानों के बीच साझा जानकारी और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहयोग को बढ़ावा देता है। इस गश्ती अभियान में एसएसबी की ओर से मु०आ० संजय मुर्मू, मु०आ० शनील, के०सी० शोभनाथ, आ० चावललित पाँगवांक, रवि शंकर कुमार और राज कुमार छेत्री सहित अन्य जवान शामिल थे, वहीं एपीएफ नेपाल की ओर से निरीक्षक नारंग उपरीती, सा०उप०नि० उमेश मंडल, मु०आ० कृष्णा साही, मु०आ० नवीन गारी, आ० हरका भुजल, आ० संजय चौधरी और आ० शिव कुमार यादव सहित अन्य कार्मिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस सफल संयुक्त गश्ती अभियान से दोनों देशों के बीच सीमा सुरक्षा में और अधिक मजबूती आएगी। साथ ही, इससे दोनों देशों के जवानों के बीच आपसी विश्वास, सहयोग और समन्वय को भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

पूर्व विधायक जयप्रकाश भाई पटेल होसीर गांव में शादी समारोह में शामिल हुए

डाड़ी । होसीर निवासी सह इंटर महाविद्यालय होसीर के व्याख्याता दीपचंद महतो की पुत्री हेमलता कुमारी की शादी समारोह में मांडू विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सह पूर्व मंत्री जयप्रकाश भाई पटेल शामिल होकर हेमलता कुमारी को शुभकामनाएं दी व उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर पूर्व विधायक प्रतिनिधि सेवालाल महतो, कनकी पंचायत के पूर्व मुखिया प्रमोद कुमार महतो एवं इनके परिवार के सदस्य गण मुख्य रूप से मौजूद थे।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्री अभिषेक आनंद की मौजूदगी में

दबंग हिन्द,संवाददाता

चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम जिला उपायुक्त के निदेर्शानुसार खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 का अनुपालन सुनिश्चित कराने के तहत आज सदर अस्पताल चाईबासा के परिसर से सिविल सर्जन डॉ.सुशांतो माझी एवं अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के द्वारा खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्री अभिषेक आनंद की मौजूदगी में एक प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त वाहन के माध्यम से आगामी सोमवार, 24 फरवरी 2025 से मधु बाजार स्थित खाद्य सुरक्षा कार्यालय में आयोजित होने वाले फूड लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन कैंप के बारे में आम जनों को अवगत करवाया जाएगा। इस अवसर पर बताया गया कि सभी खाद्य कारोबारी को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम-2006 के अंतर्गत फूड लाइसेंस लेना अनिवार्य है। खाने-पीने की सामग्री बेचने वाले सभी होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, डिस्ट्रीब्यूटर/होलसेलर/रीटेलर, आरओ वाटर प्लांट, बेकरी दुकान, किराना दुकान, फल-सब्जी विक्रेता एवं गन्ना जूस/फल जूस विक्रेता, अंडा/चिकन/मिट/मछली विक्रेता व सभी फास्ट फूड ठेला खोमचा को फूड लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन प्राप्त करना आवश्यक है। बताया गया कि फूड लाइसेंस रजिस्ट्रेशन बनवाने के लिए दस्तावेज के तौर पर आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, बिजली बिल या रेंट एग्रीमेंट का फोटो कॉपी आवश्यक है, साथ ही मीट एवं चिकन दुकान के लिए पंचायत/नगरपरिषद अथवा नगरनिगम से अनापत्ति प्रमाण पत्र भी अनिवार्य है। जांच के दौरान फूड लाइसेंस के बिना खाद्य कारोबार करने वालों व्यक्तियों पर विधि सम्मत कार्यवाही एवं अर्थदंड अधिरोपित किया जा सकता है, जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेवार होंगे।

पटना के रास्ते चलेगी रांची-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस, 3 ट्रेनें रद्द

दबंग हिन्द,संवाददाता

रांची। रांची-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन 21 फरवरी को बदले मार्ग से चलेगी. 3 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है. वहीं, कुछ ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है. दक्षिण पूर्व रेलवे रांची मंडल की ओर से यह जानकारी दी गयी है. रांची मंडल के सीपीआरओ ने कहा है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के कष्ठा स्टेशन पर यार्ड के विकास कार्य की वजह से 20887 रांची-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन 21 फरवरी 2025 को अपने निर्धारित मार्ग गया, सासाराम, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गया, पटना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के रास्ते चलेगी।

इन ट्रेनों को कर दिया गया है रद्द:

▸▸ 12874 आनंद विहार टर्मिनल-हटिया झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस ट्रेन 25 फरवरी 2025 और 26 फरवरी 2025 को रद्द रहेगी।

▸▸ 12826 आनंद विहार टर्मिनल-रांची संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन 26 फरवरी 2025 को रद्द रहेगी।

▸▸ 18309 संबलपुर-जम्मू तवी एक्सप्रेस ट्रेन 25 फरवरी 2025 को रद्द रहेगी. बदले समय से प्रस्थान करेंगी ये ट्रेनें।

▸▸ रांची मंडल के हटिया-नुआगां रेलखंड के टाटी स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य की वजह से निम्नांकित ट्रेनों के प्रस्थान समय में परिवर्तन किया गया है।

▸▸ 15027 संबलपुर-गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस 21 फरवरी 2025 और 22 फरवरी 2025 को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर 2 घंटे विलंब से संबलपुर से प्रस्थान करेगी।

▸▸ 18451 हटिया-पुरी तपस्विनी एक्सप्रेस 21 फरवरी 2025 एवं 22 फरवरी 2025 को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर 1 घंटे विलंब से हटिया से प्रस्थान करेगी।

यू आर कॉलेज रोसड़ा में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन

शिक्षा और संस्कृति के संरक्षण पर हुई चर्चा: डा. घनश्याम राय

दबंग हिन्द,संवाददाता

रोसड़ा। उदयनाचार्य रोसड़ा महाविद्यालय, रोसड़ा, समस्तीपुर में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. घनश्याम राय की अध्यक्षता में विचार-विमर्श का आयोजन किया गया। डॉ. राय ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान में दुनिया की लगभग 40 प्रतिशत आबादी अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने से वंचित है, और यह आंकड़ा कुछ क्षेत्रों में तो 90 प्रतिशत से भी अधिक है। उन्होंने यह भी बताया कि मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने से न केवल शैक्षिक परिणाम बेहतर होते हैं, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में भी मददगार साबित होती है। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के मैथिली विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवीण कुमार प्रभंजन ने एक प्रभावशाली आशु कविता का पाठ किया, जिसमें उन्होंने मातृभाषा और मातृभूमि के प्रति अपनी गहरी निष्ठा व्यक्त की। कविता का एक अंश थाः हे हमर मातृभूमि, हे हमर मातृभाषा। अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. सौरभ कुमार झा ने अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यूनेस्को ने 21 फरवरी 1999 को इस दिन को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में घोषित किया था, और 2000 में पहला अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस साल इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है, जो मातृभाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में डॉ. जाकिर हुसैन, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. अमरेश कुमार सिंह, डॉ. अनुराग कुमार, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. बिरेंद्र कुमार, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. कुमार सौरव, डॉ. श्याम सुंदर शर्मा के साथ-साथ प्रधान सहायक हेमकांत ठाकुर, मनोज कुमार, विकेश कुमार, और सुष्मिता कुमारी ने भी अपने विचार साझा किए। सभी ने मातृभाषा के संरक्षण, इसके महत्व और शिक्षा में इसके योगदान पर चर्चा की।

शिक्षा व पूंजी है जिसे आपसे कोई छीन नहीं सकता है :हेमंत

दबंग हिन्द,संवाददाता

गुमला । सांता पब्लिक स्कूल, शास्त्री नगर गुमला के स्कूली बच्चे ओरमांझी पार्क शैक्षणिक भर्मण के लिए निकले, मोके पर स्कूल के डायरेक्टर हेमंत कुमार, पूर्व वनपाल अन्थोनी लकड़ा, स्कूल की कोषाध्यक्ष जयमंती एक्का ने स्कूली,बच्चों को रवाना किया, मौके पर स्कूल के डायरेक्टर हेमंत कुमार ने कहा हमें आउटिंग करनी चाहिए हम जब आउटिंग करते हैं तो हम बाहर के वातावरण से बहुत कुछ सीखते हैं, एक जगह रहने से मन बोझिल हो जाता है, इसलिए घूमना चाहिए, घूमने से भी हम सीखते हैं, हर दिन सीखते हैं, इसलिए सांता पब्लिक स्कूल अपने बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण करती है, आज और मांझी पार्क में कई जानवरों से मुलाकात हुई, और बच्चे रूबरू हुए, शेरों की गड़गड़ाहट, हरे भरे पेड़, बच्चों ने कई जानकारियां प्राप्त की, पूर्व वनपाल एंथोनी लकड़ा ने कहा हम जब तक जीवित है सीखते रहते हैं, शिक्षा एक पूंजी है जिसे कोई छीन नहीं सकता है, उन्होंने स्कूल के प्रयास को सरहाया, जहां पर हर टपके के बच्चों को देखभाल की जाती है, ट्रेजर जयंमती एक्का ने कहा एजुकेशन टूर से शारीरिक मानसिक और बौद्धिक विकास होता है, जब हम घर से बाहर निकलते हैं तब हम सीखने लगते हैं, हम प्रत्येक चीजों से सीख सकते हैं चाहे वह जानवर हो चाह ए पेड़ पौधा क्यों ना हो, तुमने स्कूली बच्चों को कहा मन लगाकर पढ़ाई करो, मौके पर एजुकेशन टूर में टीचर्स हिमा कुमारी एजुकेशनल टूर के माध्यम से बच्चों में प्रकृति को लेकर जागरूक करना हैं, ताकि बच्चें किताबों में पढ़े ज्ञान और अच्छे से गहन कर सकें, जसिंता बेक ने कहा किताबी ज्ञान के अलावा हमें प्रैक्टिकल ज्ञान बहुत जरूरी है, इसलिए स्कूल के द्वारा एजुकेशन टूट कराया जाता है, का विकास हो सके, तो के बच्चे हैं देश का भविष्य है, मोके पर स्कूली बच्चों के अलावा, टीचर्स रजनी सिन्हा, वीणा, मुस्कान, सुनीता एक्का, अंकिता कुमारी, नेहा, स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. विनय कुमार चौधरी को डॉ. सुधांशु शेखर ने भेंट की अपनी पुस्तकें

मधेपुरा । अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुधांशु शेखर ने अपने दो महत्वपूर्ण कृतियों सामाजिक न्याय : अंबेडकर-विचार और आधुनिक संदर्भ (2014) और गांधी-विमर्श (2015) को महाविद्यालय के मानविकी संकाय के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार चौधरी को भेंट किया। इस मौके पर हिंदी विभाग, पीजी सेंटर, सहरसा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सिद्धेश्वर काश्यप भी उपस्थित रहे। प्रो. विनय कुमार चौधरी ने डॉ. शेखर को बधाई दी और उनसे लेखकीय सक्रियता बनाए रखने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अकादमिक योगदान समाज में सोच और समझ को नया दिशा प्रदान करते हैं। डॉ. सुधांशु शेखर ने बताया कि इन दोनों पुस्तकों के अलावा उनकी दो अन्य पुस्तकें भूमंडलीकरण और मानवाधिकार (2017) और गांधी, अंबेडकर और मानवाधिकार (2024) भी प्रकाशित हो चुकी हैं।

विधायक सुखराम उरांव ने अनुमंडल अस्पताल में एक्स-रे सुविधा का किया उद्घाटन

दबंग हिन्द,संवाददाता

चक्रधरपुर । अनुमंडल अस्पताल में एक्स-रे की सुविधा शुरू हो गई है, जिसका उद्घाटन शुक्रवार को विधायक सुखराम उरांव ने किया है। इस सुविधा से अब मरीजों को एक्स-रे कराने के लिए कहीं और नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। विधायक सुखराम उरांव ने उद्घाटन समारोह में कहा कि यह सुविधा चक्रधरपुर के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात है। काफी दिनों से हमलोग इस कार्य में लगे हुए थे। अनुमंडल अस्पताल में एक्स - रे की सुविधा उपलब्ध हो जाने से मरीजों को कहीं और नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। यह सुविधा न केवल चक्रधरपुर के लोगों के लिए बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए भी उपयोगी होगी। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उद्घाटन समारोह में अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी अंशुमान शर्मा, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी झामुमो नेता दिनेश जेना, वेद प्रकाश, कुमार विवेक, डिक्की मंडल और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीसीएल प्रबंधन एवं विस्थापित प्रभावित संघर्ष समिति की महाप्रबंधक कार्यालय में हुई द्विपक्षीय वार्ता

दबंग हिन्द,संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। महाप्रबंधक कार्यालय बरका-सयाल में शुक्रवार को सीसीएल प्रबंधन एवं विस्थापित प्रभावित संघर्ष समिति के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। बैठक में बरका-सयाल महाप्रबंधक अजय कुमार सिंह, भुरकुंडा परियोजना पदाधिकारी राकेश कुमार सत्यार्थी, प्रबंधक अविनाश चंद्रा तथा समिति की ओर से गिरधारी गोप, रामदास बेदिया, कार्तिक मुंडा, संतोष यादव, प्रेम कुमार साहू, मनोज मांझी, जयदेव सिंह, राजदेव मुंडा, गणेश बेदिया, राजन तुरी, ताराचंद करमाली, धनेश्वर मुंडा, शिवलाल बेदिया, दिनेश बेदिया, रघुनाथ सिंह, कालेश्वर बेदिया, इंद्रदेव मुंडा, शिवचरण बेदिया मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में सीसीएल प्रबंधन ने समिति द्वारा सौंपे गए 12 सूत्री मांगों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। साथ ही प्रबंधन ने समिति को आश्वास्त किया कि समस्या के समाधान हेतु साकारात्मक कदम उठाया जाएगा। इस दौरान प्रबंधन ने एक सप्ताह में समिति को लिखित मिनिट्स भी उपलब्ध कराने की बात कही। जिस पर समिति ने लिखित मिनिट्स का अध्यन एवं समीक्षा करने के बाद अगली कदम उठाने की बात कही। बैठक में महाप्रबंधक ने खास तौर पर वैकल्पिक रोजगार, रोड सेल, सीएसआर, पेयजल, चिकित्सा, सौर ऊर्जा कार्यों को प्राथमिकता देने का निर्देश अपने अधीनस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को दी। साथ ही 15 दिनों के अंदर पुनः प्रबंधन और समिति के सदस्यों के बीच वार्ता करने की बात कही। प्रबंधन ने भुरकुंडा कोलियरी से प्रभावित कुरसे, देवरिया, बलकुदरा, दुंदुवा सहित अगल-बगल के दर्जनों गांवों में युद्ध स्तर पर सीएसआर कार्यों को धरातल पर उतरने की भी बात कही।

विस्थापित प्रभावित संघर्ष समिति की 12 सूत्री मांगों में ये है शामिल: विस्थापित प्रभावित संघर्ष समिति की 12 सूत्री मांगों में भुरकुंडा कोलियरी अंतर्गत बलकुदरा खुली खदान से उत्पादित कोयला का 75 प्रतिशत आवंटन रोड सेल में देने, रोड सेल चालू कर विस्थामित-प्रभावित गांव के रैयतों/ग्रामीणो और स्थानीय बेरोजगारों को वैकल्पिक रोजगार देने, बलकुदरा खुली खदान में प्रबंधन द्वारा दिये गये आश्वासन के आलोक में पीएसएमई कम्पनी में विस्थापित-प्रभावित संघर्ष समिति द्वारा सौंपे गये सूची के अनुसार बीस लोगों को अविलंब रोजगार देने, भुरकुंडा कोलियरी अन्तर्गत खाली भूमि/अनुपयोगी भूमि को प्राथमिकता के आधार पर स्वरोजगार/वैकल्पिक रोजगार के साधान हेतू विस्थापित प्रभावित गाव (देवरिया, कुरसे, दुंदुवा, बलकुदरा के रैयतों को आवंटित करने, भुरकुंडा कोलियरी रोड सेल में पेलोडर लोडिंग की जगह मैनुअल लोडिंग की व्यवस्था करने, भुरकुंडा कोलियरी से विस्थापित-प्रभावित गांव में सीसीएल प्रबंधन द्वारा निःशुल्क पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, भुरकुंडा आर्दश क्षेत्रीय अस्पताल में निःशुल्क समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, भुरकुंडा कोलियरी से विस्थापित/प्रभावित गांव के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा, तकनीकि शिक्षा हेतू आवश्यक पर्याप्त अनुदान देने, सीसीएल बरका-सयाल क्षेत्र में स्थापित/सचालित डीएभी स्कूल में रैयतों/ग्रामीणों के बच्चो को नामांकन में प्राथमिकता एवं शिक्षण शुल्क में रियायत देने, भुरकुंडा कोलियरी में पूर्व स्थापित केन्द्रीय विद्यालय (सेन्ट्रल स्कूल) को क्षेत्रहित/जनहित में भुरकुंडा क्षेत्र में ही पुनः स्थापित करने, भुरकुण्डा कोलियरी अन्तर्गत ऑफिसर्स क्लब को वैवाहिक, सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यों हेतू प्राथमिकता के आधार पर विस्थापित/प्रभावित गांव के रैयतों/ग्रामवासियों को आवंटन सुनिश्चित करने एवं भुरकुंडा कोलियरी अंतर्गत भुरकुण्डा थाना स्थित मैदान का सुन्दरीकरण कर स्टेडियम के रूप में विकसित करने और थाना मैदान में होने वाले खेल-कूद और अन्य आयोजनो में प्रभावित गांवों के रैयतों की सहमति, स्वीकृति/भागीदारी सुनिश्चित करने, बलकुदरा खुली खदान में कायेला उत्पादन हेतू हैवी ब्लॉस्टिंग से होने वाले समस्याओं का निराकरण हेतू आवश्यक कदम उठाने, विस्थापित प्रभावित गांव में सीएसआर मद से समुचित विकास कार्य कराने, सीएसआर कार्यों में प्रभावित गांवों को प्राथमिकता देने आदि मांगे शामिल है।

एक नजर

प्राथमिक विद्यालय गोनमेर के छात्र-छात्राओं ने जिला विज्ञान केंद्र, गुमला का किया दौरा

गुमला। जिले के पालकोट प्रखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय गोनमेर के छात्र-छात्राओं ने शिक्षिका गीता देवी, विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्य मुन्ना खड़िया, संयोजिका प्रतिमा टेटे एवं अभिभावक अभिषेक के नेतृत्व में जिला विज्ञान केंद्र, गुमला का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। इस अवसर पर बीपीओ दिलदार सिंह के समन्वय में विज्ञान केंद्र की कॉर्डिनेटर कुमारी अंकिता विनायक, आकांक्षा सिन्हा एवं बिपाशा प्रसाद द्वारा विद्यार्थियों को विज्ञान के विभिन्न प्रयोगों और तकनीकी नवाचारों की जानकारी दी गई। छात्रों को थ्रीडी प्रिंटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सौरमंडल, अंतरिक्ष अनुसंधान एवं विज्ञान के अन्य क्षेत्रों के बारे में रोचक जानकारी प्राप्त की। विज्ञान को मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को उच्च कक्षाओं में विज्ञान शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

नालियों का गंदा पानीमामूली बारिश में ही आकररामगढ़ अनुमंडल कार्यालय परिसर में जमा हो जाता है

रामगढ़। अनुमंडल कार्यालय के कर्मियों ने नाम नहीं छापने कि शत पर शुक्रवार को दिन के एक बजे जानकारी दी। रामगढ़ अनुमंडल कार्यालय परिसर में मामूली बारिश में ही नालियों का गंदा पानी जाकर परिसर मेंजमा हो जाता है।पूरा अनुमंडल कार्यालय परिसर में फैल जाता है जिससे गंदगी पूरे अनुमंडल कार्यालय में देखने को मिलता है मालूम हो कि बीते रात्रि बारिश हुई थी जिससे पुरा अनुमंडल कार्यालय परिसर में गंदा पानी भर गया । इसे अनुमंडल कार्यालय भूमि सुधार उपसमाहता कार्यालय रामगढ़ अंचल कार्यालय रामगढ़ प्रखंड कार्यालयआने वाले लोगों को भारी परेशानी होती हैवहीं सूत्रों का कहना हैकिइससेपूर्व के अनुमंडल पदाधिकारी आशिष गंगवार के द्वारारामगढ़ अनुमंडल कार्यालय परिसर स्थित नाली को बनाने के लिएजिले के उपायुकत से मांग की गई थी लेकिन आज भी स्थिति जस की तस है। वहीं नाली का निर्माण ठीक से करने की मांग जिले के उपायुकत से की है जिससे नाली का गंदा पानीसही सेबाहर निकले।

अत्यंत दुःखद घटना : हजारीबाग क्षेत्र से महाकुंभ स्नान के लिए निकले 7 श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत

कटकमसांडी । कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत ग्राम कण्डसार से 16 फरवरी 2025 को महाकुंभ स्नान के लिए 10 श्रद्धालुगण टाटा सुमो विक्टा खल02अ1652 पर सवार होकर निकले थे। प्रयागराज संगम स्थान से स्नान कर अयोध्या पहुंचे। जहां प्रभु श्री रामचंद्र जी का दर्शन कर 19 फरवरी 2025 दिन बुधवार को रात्रि 08:30 बजे बनारस के लिए रवाना हुए। प्रातः कालीन से पूर्व जिला जौनपुर थाना बदलापुर अंतर्गत ग्राम सुलेखापुर के पास विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात वाहन के साथ भीषण दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसमें टाटा सूमो पर सवार पांच यात्रियों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक (1) रंजीत यादव पिता श्री बंशी यादव (2) अनुराग कुमार यादव पिता मृतक रंजीत यादव (3) मतिया देवी पति स्वङ्ग रामखेलावन सिंह सभी ग्राम कण्डसार, थाना कटकमसांडी हजारीबाग (4) केसिया देवी पति श्री गिरधारी यादव ग्राम नवादा (कण्डसार) एवं (5) बेबी देवी पति श्री दिनेश यादव वर्तमान पता ग्राम शंकरपुर हजारीबाग और पांच लोग शेष सभी गंभीर अवस्था में घायल हो गए। (1) धनवा देवी पति श्री बंशी यादव (2) मुनिया देवी पति स्वङ्ग सोहन यादव (3) कांति देवी पति शम्भू सिंह सभी ग्राम कण्डसार (4) पवन कुमार यादव पिता महेन्द्र यादव ग्राम सिलवार हजारीबाग एवं (5) ड्राइवर नितीश राणा घटना के बाद चिख पुकार की आवाज सुनकर क्षेत्रीय लोग एकत्रित हुए। जहाँ बदलापुर थाना के प्रशासन द्वारा सभी घायल श्रद्धालुओं को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बनारस बीएचयू ट्रामा सेंटर के लिए भेज दिया गया। जहाँ इलाज उपरांत पवन कुमार यादव एवं ड्राइवर नितीश राणा की भी मृत्यु हो गई। इस घटना की जानकारी प्रशासन द्वारा जैसे ही घर परिजन को मिला। तो परिजन चीख पुकार करने लगे। यह घटना जानकर पूरा गाँव शोक की लहर मे डूब गया। मृतक व घायल परिवार के परिजन घटना के ही दिन देर शाम तक घटनास्थल व अस्पताल तक पहुंचे। देर शाम होने की वजह से मृतक प्राणी का अंत्यपरीक्षण नहीं हो पाया। कल दिनांक 21 फरवरी को अंत्यपरीक्षण करवाकर सभी मृतक श्रद्धालुओं को घर लाया जायेगा जहाँ अंतिम संस्कार किया जायेगा। भगवान मृतक प्राणी की आत्मा को शांति प्रदान कर अपने चरणों मे स्थान दें।

फैक्टनेब ने अपनी मांगों के समर्थन में शिक्षा मंत्री और उच्च शिक्षा निदेशक को ज्ञापन सौंपा

पटना। बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ (फैक्टनेब) का एक शिष्टमंडल शुक्रवार को शिक्षा मंत्री और उच्च शिक्षा निदेशक के कार्यालय में मुलाकात करने गया। शिष्टमंडल ने शिक्षाकर्मियों के लिए नियमित वेतन भुगतान, बकाया अनुदान राशि का एकमुश्त भुगतान, अनुदान राशि की अधिकतम सीमा की बाध्यता समाप्त करने, चयन समिति गठित करने के लिए विश्वविद्यालयों को निर्देश देने, और 2017 का अनुदान राशि विमुक्त करने जैसी महत्वपूर्ण मांगों के समर्थन में ज्ञापन सौंपा। शिक्षा मंत्री और उच्च शिक्षा निदेशक ने सभी बिंदुओं पर विचार करने के बाद शीघ्र कार्रवाई करने का सकारात्मक आश्वासन दिया। फैक्टनेब के मीडिया प्रभारी प्रो. अरुण गौतम ने बताया कि महासंघ के अध्यक्ष डॉ. शंभुनाथ प्रसाद सिन्हा के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपने वाले शिष्टमंडल में प्रो. अरुण गौतम, डॉ. राम नरेश प्रसाद, प्रो. श्रवण कुमार, प्रो. नसीम रेजा खान, डॉ. राजनाथ सिंह, डॉ. यादवेन्द्र कुमार और प्रो. सत्येन्द्र शर्मा शामिल थे।

मातृभाषा को मात्र भाषा होने से बचाएं, सांस्कृतिक और क्षेत्रीय उत्थान के लिए मातृभाषा जरूरी : डॉ० शैलेश

जयनगर। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी मातृ भाषाओं के संरक्षण के माध्यम से आगे बढ़ते हैं, साथ ही वह पारंपरिक ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत को आगे भी बढ़ाते हैं। उक्त उद्गार भोजपुरी साहित्य विकास मंच के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह युवा शिक्षाविद डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के 25वीं वर्षगांठ पर डी०बी० कॉलेज, जयनगर के वाणिज्य विभाग एवं आर०एस० एजुकेशनल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित आभाषी संगोष्ठी में व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आवाहन किया कि, मातृभाषा को मात्र भाषा होने से बचाएं, सांस्कृतिक और क्षेत्रीय उत्थान के लिए मातृभाषा जरूरी। इस अवसर पर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य डॉ० नंद कुमार ने कहा कि, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर 40 फीसदी आबादी के पास अपनी मातृ भाषा में शिक्षा उपलब्ध नहीं है। यह आंकड़ा कुछ क्षेत्रों में 90 फीसद से अधिक है। मातृभाषा में शिक्षा और शोध के बेहतर परिणाम होते हैं, इससे एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में शिक्षा और संस्कृति का प्रसार होता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के युवा शिक्षाविद डॉ० अखिलेश श्रीवास्तव ने 'हे राम! तुम्हारी कैसी यह माया है फिर आज एकता पर संकट छाया है भाई से भाई जाता टकराया है हे राम तुम्हारी कैसी यह माया है' कविता पाठ किया। रामनरेश सिंह एजुकेशनल फाउंडेशन के संगोष्ठी समन्वयक डॉ जमील हसन अंसारी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मानने का उद्देश्य क्षेत्रीय स्तर पर भाषाओं को बढ़ावा देने की जरूरत है ताकि संस्कृति और सभ्यता को बचाया जा सके।

RNI NO. JHAHIN/2013/54377 मुद्रक एवं प्रकाशक अजय कुमार मिश्रा द्वारा ''मिश्रा प्रकाशन'' गौरीशंकर नगर ,नया बस्ती ,कडरू ,रांची , पिन कोड -834002 से मुद्रित एवं कार्यालय हिन्दी दैनिक ''दबंग हिन्द'', गौरी शंकर नगर, नया बस्ती, कडरू, रांची-834002 से प्रकाशित।
संपादक : अब्दुल कुद्दुस*, पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिये उत्तरदायी। फोन नं : 0651-2480574, 9905737601, E-mail : dabanghind@gmail.com

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां

ललित गर्ग

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था।

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता

पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है।

निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्रराज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गईं हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का।

रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन बाहरी चुनौतियों के साथ ही पार्टी के भीतर वो नेता जिनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, उनके भीतरघात से भी सजग रहने व निपटने की चुनौती होगी। हालांकि, मौजूदा भाजपा नेतृत्व के दौर में भीतरघात बहुत असरदार नहीं बचा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं की ही एक जमात उन्हें विफल होते भी देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री को उन पर भी नजर रखनी होगी। आखिरी सबसे बड़ी चुनौती नौकरशाही पर सार्थक नियंत्रण और उसे जनोन्मुखी बनाने की होगी। साथ ही दिल्ली के सभी वर्गों समूहों और क्षेत्रों में संतुलन साधते हुए विकास करने की होगी। दिल्ली देश की राजधानी और केंद्र के सीधे नियंत्रण में है, इसलिए उनके हर काम पर देश एवं दुनिया के मीडिया के साथ-साथ केन्द्र की नजर रहेगी, इसलिए उन्हें फूंक फूंक कर कदम रखने होंगे।

दिल्ली का विकास केजरीवाल सरकार के दौर में अवरुद्ध रहा है। जीत के बाद विजयी भाषण में प्रधनमंत्री मोदी ने यमुना को लेकर कई बड़े वादे किए हैं, जिनपर रेखा गुप्ता सरकार को खरा उतरना होगा। तय डेडलाइन पर यमुना का जीर्णोद्धार हो पाए इसका इंतजार दिल्ली की जनता कर रही है। दिल्ली की जनता यमुना नदी को अहमदाबाद की साबरमती नदी की तर्ज पर सौन्दर्यकरण के साथ विकसित होते हुए देखने को उतावली है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में इस वक्त सड़क कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसके अलावा दिल्ली में कई स्थानों पर सड़कों का बुरा हाल है। इन सड़कों को दुरुस्त कराना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। दिल्ली में पूर्ववर्ती आप सरकार ने चार अस्पताल बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसे पूरा नहीं किया जा सकता है। वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर से जुड़ी योजना भी लागू करना होगा।

दिल्ली में जिस प्रकार सार्वजनिक परिवहन की जरूरत बढ़ती जा रही है, उस अनुरूप बसों की संख्या बढ़ानी होगी। दिल्ली में कूड़े के पहाड़ और वायु प्रदूषण बड़ी समस्या रही है। भाजपा इन मुद्दों पर आप पर हमलावर रही है लेकिन अब जब खुद भाजपा सत्ता में आ गई है तो इसके लिए कोई बहाना दिल्ली की जनता को रास नहीं आएगा। वायु प्रदूषण के कारण ना केवल लोगों के स्वास्थ्य प्रभावित हो रहे हैं बल्कि बच्चों के स्कूल बीच सेशन बंद भी कराने पड़ते हैं। भाजपा ने चुनाव के वक्त अपनी पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। रेखा गुप्ता अपनी टीम की छवि कितनी साफ, अहंकारमुक्त एवं पारदर्शी रख पाती हैं, यह भी उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। वहीं, आप सरकार में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच कराना भी इसकी जिम्मेदारी होगी। महिलाओं एवं युवाओं के मुद्दों को लेकर भी उन्हें संवेदनशीलता दिखानी होगी। निश्चित ही मुख्यमंत्री का ताज फूलों से ज्यादा कांटोंभरा ताज है, लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रयोगशाला में तपकर निकली रेखा गुप्ता दिल्ली के शासन को एक नई आभा देकर सभी चुनौतियों से पार पायेगी, इसमें सन्देह नहीं है।

संपादकीय

कर्म क्षेत्र का प्रारंभ

अततः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, संघ और भाजपा में विभिन्न पदों पर सक्रिय रहीं शालीमार बाग से पहली बार विधायक बनी, वैश्य समुदाय से आतीं रेखा गुप्ता ने दिल्ली की 9वीं और चौथी महिला मुख्यमंत्री पद की शपथ ले लीं। 10 साल पहले अरविंद केजरीवाल ने हो-हल्ले, भारी ताम-झाम और मोटे-तगड़े वादों के साथ जिन बदलावकारी राजनीति का सपना दिखाया था, वह आधिकारिक तौर पर वह फिलवक्त दिल्ली में समाप्त हो गया। अब देखना यह होगा कि सत्ता के मद में अनेकानेक अवांछित स्थितियों को पैदा करतीं रहने वाली आम आदमी पार्टी विपक्ष में कैसी भूमिका निभाएगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि अपने गिरेबान में झांकेगी, अपनी गलतियों से सबक लेगी और अपने कार्यों और विचारों में तदनुसार परिवर्तन करेगी। बहरहाल, अब वास्तविक चुनौती भाजपा सरकार के सामने है। दिल्ली में ही नहीं दिल्ली से लगते उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भी अब डबल इंजन की सरकार है। पिछले 10 वर्षों में भाजपा की एक ही रट रही है कि दिल्ली के जो भी तात्कालिक संकट हैं, वे आम आदमी पार्टी की गलत नीतियों, भ्रष्ट गतिविधियों और अनावश्यक तौर पर अन्य पर आक्षेप लगाने के कारण है। अब भाजपा की यह ढाल टूट गई है। वह सीधे-सीधे दिल्ली की संकटों की मार में है। सबसे पहले तो उसे अपने मुफ्त के वादे पूरे करने पड़ेंगे जो मोदी की गारंटी के तौर पर उसने किए थे। यानी महिलाओं के लिए 8 मार्च को ही उनके खाते में सम्मान राशि के साथ हर महीने ढाई हजार रुपये और गर्भवती महिलाओं के लिए 21000 रुपये मातृ सुरक्षा वंदना के तहत दिए जाएंगे। उसे तात्कालिक तौर पर बिजली, पानी, सड़क, सीवर , प्रदूषण और कूड़े.जैसी समस्याओं के वादानुसार ठोस हल निकालने पड़ेंगे। यमुना की सफाई वह चुनौती होगी जिस पर उसे तुरंत काम शुरू करना होगा। यह एक भगीरथ कार्य है जो समय भी लेगा, अकूत धन और इच्छाशक्ति भी। एक तरफ अपराधों पर लगाम लगाने की समस्या होगी तो दूसरी तरफ अभ्रष्ट प्रशासन देने की भी। कुल मिलाकर, ये वे समस्याएं हैं जिनके उन्मूलन की बात भाजपा ने की है। अब उसके लिए वाक क्षेत्र से कर्म क्षेत्र में उतरने का काल शुरू हो गया है। इस महाकार्य की सफलता पर केवल दिल्ली का ही नहीं भाजपा का भविष्य भी तय होगा। अन्यथा आप की पैनी तलवार भाजपा पर घातक प्रहार करने से नहीं चूकेगी।

चिंतन-मनन

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थय भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है।

उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है।

ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके।

प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। आहार-विहार का ध्यान रखने से स्वास्थ्य रक्षा की समस्या हल हो जाती है। आहार प्रमुख पक्ष है, जिसे स्वास्थ्य अनुशासन का पूर्वार्ध कहा जा कसता है। उत्तरार्ध में विहार आता है, जिसका तात्पर्य है नित्य कर्म, शौच, स्नान, शयन, परिश्रम, संतोष आदि। शरीर रूपी मन्दिर

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

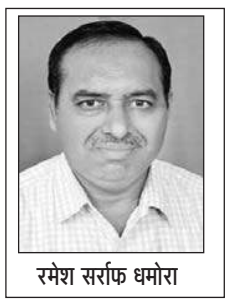

रमेश सर्राफ धमोरा

हम देश में आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 30 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नईदिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है।

देश में भगदड़ से होने वाली मौतों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता या अभाव की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। यह प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो ह्यफोर्सेज का ट्रांसमिशनह्न यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है। ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी. ।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी। 13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी। हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन व प्रयागराज के महाकुंभ में भी जो भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है उसमें प्रशासनिक चूक रही है। एक स्थान पर अधिक भीड़ इकट्ठी होने पर यदि प्रशासन के अधिकारी सतर्कता बढ़ाते तो ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता था। आगे भी सरकार को चाहिए कि ऐसे किसी भी बड़े आयोजनों के लिए और अधिक पुख्ता व्यवस्था करें। देश में आपदा राहत बल को भी अधिक सशक्त किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

महाकुंभ : आयोजन का श्रेय बनाम कुप्रबंधन की जिम्मेदारी

निर्मल रानी

भारतवर्ष में आयोजित होने वाले सबसे विशाल एवं विराट धार्मिक समागम को कुंभ मेला के नाम से जाना जाता है। यह आयोजन प्रयाग व हरिद्वार में पवित्र गंगा नदी के तट पर, उज्जैन में शिप्रा नदी तथा नासिक में गोदावरी नदी के किनारे किया जाता है। देश दुनिया से आने वाले लाखों श्रद्धालु इन पवित्र नदियों में पौष पूर्णिमा व मकर संक्रान्ति जैसे पावन अवसरों पर स्नान करते हैं। यदि हम आयोजन स्थल की बात करें तो वार्षिक माघ मेला हो या 6 वर्षों के अंतराल में पड़ने वाले अर्ध कुंभ या फिर 12 वर्षों के अंतराल में आयोजित होने वाले पूर्ण कुंभ,सभी आयोजनों के लिये सबसे उपयुक्त, खुला व विशाल स्थान प्रयागराज ही है। यहाँ गंगा-यमुना तथा संगम के दोनों किनारों पर कई किलोमीटर लंबे खुले स्थान हैं जहाँ लाखों श्रद्धालु एक ही समय में सुगमता पूर्वक रुक सकते हैं स्नान कर सकते हैं। परन्तु इस बार सरकार द्वारा इस आयोजन को महाकुंभ के रूप में प्रचारित किया गया तथा यह भी बताया गया कि यह 144 वर्षों बाद आयोजित होने वाला महाकुंभ है। हालांकि इस दावे पर उँगलियाँ उठ रही हैं। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जैसे संत 144 वर्ष बाद के दावे पर यह कहते हुये सवाल उठा रहे हैं कि इससे पहले 2013 व 2001 के कुंभ को भी 144 वर्ष बाद पड़ने वाला महाकुंभ बताया गया था।

इसके अतिरिक्त इस बार का आयोजन जहाँ श्रद्धालुओं का करोड़ों की संख्या में मेले में आवागमन, विदेशी श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में शिरकत , विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति,आधुनिकता,उच्चस्तरीय हाई टेक ठहरने की व्यवस्था जैसी अनेक बातों को लेकर चर्चा में रहा वहीं पहली बार यह देखा गया कि स्वयं मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी द्वारा राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री सहित देश के तमाम विशिष्ट जनों को महाकुंभ में आने का न्योता दिया गया। हालाँकि मुख्यमंत्री द्वारा व्यक्तिगत तौर पर लोगों को निमंत्रण देने की कई जगह आलोचना भी हुई। कुछ लोगों का कहना था कि यह धार्मिक आयोजन है इस पर सभी का अधिकार है इसलिये आयोजक के रूप में न्योता देने का कोई अर्थ नहीं है। परन्तु राजनीति के वर्तमान दौर में जबकि बिना कुछ किये ही राजनेता श्रेय लेने को आतुर रहते हैं ऐसे में इतने बड़े आयोजन की भव्यता दिव्यता व सफलता का श्रेय डबल इंजन की सरकारें न लें यह आखिर कैसे हो सकता है। इस महाकुंभ के व्यापक प्रचार प्रसार की गरज से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात के 117वें एपिसोड में महाकुंभ-2025 की विस्तृत चर्चा की गयी। प्रधानमंत्री ने मन की बात में बताया था कि किस तरह संगम तट पर मेले की जोरदार तैयारियां चल रही हैं । साथ ही उन्होंने मेले से पूर्व हेलीकाप्टर से पूरा कुम्भ क्षेत्र देखने के अनुभव को साँझा करते हुये कहा कि- इतना विशाल, इतना सुन्दर, इतनी भव्यता। मोदी ने कहा कि अगर कम शब्दों में कहें तो महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश और दूसरे तरीके से कहूंगा गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा। और इसी अपील के साथ प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न केवल अपने देश बल्कि पूरे विश्व के श्रद्धालुओं को भी महाकुंभ में आमंत्रित किया। स्वयं मुख्यमंत्री योगी ने दिसंबर माह में 4 बार महाकुंभ का निरीक्षण किया। इसमें भी कोई संदेह नहीं कि 2019 में आयोजित हुये कुंभ मेले की तुलना में इस बार पूरे महाकुंभ मेला क्षेत्र में लगभग प्रत्येक जनोपयोगी सुविधाओं में व्यापक विस्तार किया गया। जाहिर है भारतीय मीडिया भी काफी पहले से महाकुंभ आयोजन का दिन रात प्रचार कर रहा था। सरकार द्वारा टी वी,समाचारपत्र-पत्रकाओं सहित लगभग सभी प्रचार माध्यमों में सैकड़ों करोड़ के विज्ञापन दिए गये थे। हद तो यह है कि बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री सरीखे नाममात्र प्रवचन कताओं द्वारा यह तक कह दिया गया था कि इस महाकुंभ में स्नान न करने वाला देशद्रोही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये सरकार द्वारा हजारों की संख्या में विशेष रेलगाड़ियां,बसें,विमान आदि भी चलाये गये। इस तरह के व्यापक प्रचार प्रसार तथा धार्मिक आस्था के घालमेल में करोड़ों लोगों का प्रयागराज में इकठ्ठा होना तो स्वभाविक था ही।

परन्तु दुर्भाग्यवश इतना विशाल आयोजन प्रयागराज से लेकर दिल्ली तक कुप्रबंधन का शिकार रहा। मेला क्षेत्र में 30 दिन के अंदर अलग अलग क्षेत्रों में पांच बार तो आगजनी की घटनायें घटीं। जबकि पूरे मेला क्षेत्र में 350 से ज्यादा फायर ब्रिगेड, 2000 से अधिक प्रशिक्षित अग्निशामक , 50 अग्निशमन केंद्र और 20 फायर पोस्ट बनाए गए थे साथ ही अखाड़ों और टेंट में अग्नि सुरक्षा उपकरण भी लगाए गए थे। उसके बावजूद यह हादसे पेश आये ? इसी तरह कुंभ मेला क्षेत्र में अनेक बार भगदड़ मची। जिसमें दर्जनों लोग अपनी जान से हाथ धो बैठे। अभी भी कई लोगों को अपने खोये परिजनों की तलाश है। पूरा शहर कई दिनों तक जाम की चपेट में रहा। यहाँ तक कि वी आई पी पास निरस्त करने पड़े और प्रयागराज को नो वेहिकिल जोन तक घोषित करना पड़ा। और आखिरकार श्रद्धालुओं के इस सैलाब ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी भगदड़ का रूप ले लिया। यहाँ भी 14 महिलाओं व 4 पुरुषों की मौत हो गयी। महाकुंभ में न आने वालों को देशद्रोही बताने वाले बागेश्वर के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने भगदड़ में मरने वालों को लेकर यह विवादित बयान दे दिया कि -जो कोई गंगा किनारे मरेगा वह मरेगा नहीं बल्कि मोक्ष प्राप्त करेगा। इसतरह सरकार को खुश करने के लिये अनेक साधु संतों द्वारा तरह तरह की भ्रामक बातें की गयीं जबकि इन हादसों के लिये सरकार के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराने वालों को सनातन विरोधी,हिन्दू विरोधी,कांग्रेसी,नकारात्मक सोच रखने वाला कहा जाने लगा। हद तो यह है कि भगदड़ पर सवाल उठाने वाले शंकराचार्य के विरोध में तो सारा संत समाज ही इकठ्ठा हो गया ? शंकराचार्य ने भगदड़ में मृतकों के प्रति हमदर्दी व सरकार की लापरवाही पर ऊँगली क्या उठा दी कि उनके पद को ही चुनौती दी जाने लगी ?

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड नाइजीरिया को लौटाएगा 100 से अधिक कलाकृतियां

एम्सटर्डम, एजेंसी। यूरोपीय देश नीदरलैंड ने पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजीरिया को 119 कलाकृतियों का संग्रह लौटाने का वादा किया है। बेनिन ब्रॉन्ज़ के नाम से जानी जाने वाली ये कलाकृतियाँ, जो ज़्यादातर लीडेन के एक संग्रहालय में रखी गई हैं। 19वीं सदी के आखिर में ब्रिटिश सैनिकों ने आज के नाइजीरिया से इन कलाकृतियों को लूटा था। नाइजीरिया के राष्ट्रीय संग्रहालय और स्मारक आयोग के अनुरोध पर उन्हें वापस कर दिया जाएगा। कलाकृतियों में मानव और पशु आकृतियां, पट्टिकाएं, शाही चिह्न और एक घंटी शामिल हैं। यह घटनाक्रम इसलिए भी अहम है क्योंकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका में सरकारें और संग्रहालय औपनिवेशिक काल के दौरान लूटी गई वस्तुओं के स्वामित्व संबंधी विवादों को सुलझाने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

ग्रीस में भी सड़कों पर किसान, ट्रैक्टर्स से रोका ट्रैफिक, पुलिस से भिड़ंत

एथेंस, एजेंसी। ग्रीस में भी किसान सड़कों पर हैं। बुधवार को ग्रीस के दूसरे सबसे बड़े शहर थेसालोनिकी में किसानों ने ट्रैक्टर्स से ट्रैफिक को अवरुद्ध कर दिया। बुधवार देर शाम जब ग्रीस के प्रधानमंत्री क्रियाकोस मित्सोताकिस मीडिया से बात कर रहे थे तो किसानों ने वहां जाने की कोशिश की और इस दौरान वे पुलिस से भिड़ गए। हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी या किसी के चोटिल होने की खबर नहीं मिली है। एक हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी 50 से ज्यादा ट्रैक्टर्स पर सवार होकर ग्रीस के उत्तरी इलाके से मध्य ग्रीस तक पहुंचे और काले झंडे दिखाए। प्रदर्शनकारियों ने थेसालोनिकी शहर का ट्रैफिक ब्लॉक कर दिया। ग्रीस के किसान बीते कई हफ्तों से प्रदर्शन कर रहे हैं, उनकी मांग है कि जलवायु परिवर्तन के चलते फसलों को हो रहे नुकसान की सरकार भरपाई करे और विभिन्न मुद्दों पर भी किसानों ने समर्थन मांगा है।

पोलियो एस्कॉर्ट की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को पोलियो टीका लगाने वालों की सुरक्षा में तैनात (एस्कॉर्ट) पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे बाजौर जिले के मामुंड तहसील के दमादोला इलाके में पोलियो टीका लगाने वालों को निशाना बनाया। टीका लगाने वालों की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी की हत्या कर आरोपी फायरिंग करते हुए मौके से भाग गए। पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई।

सिंगापुर में मृत्युदंड के विरोध में कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर और मलयेशिया में अधिकार कार्यकर्ताओं ने मृत्युदंड के विरोध में बुधवार को मोमबत्ती जलाकर जुलूस निकाला। वे सिंगापुर में मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक मलयेशियाई व्यक्ति को फांसी देने की तैयारी का विरोध कर रहे हैं। पन्नीर सेल्वम प्रांतमन को 2014 में 52 ग्राम (लगभग 1.8 औंस) हेरोइन रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और 2017 में मौत की सजा सुनाई गई थी। उसे बृहस्पतिवार को फांसी दी जानी है।

ट्रंप स्वतंत्र नियामकों पर अधिक नियंत्रण चाहते हैं, नया कार्यकारी आदेश जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश के स्वतंत्र नियामकों पर अधिक नियंत्रण चाहते हैं। उन्होंने मंगलवार को जिस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, इसका मकसद प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग, संघीय व्यापार आयोग और संघीय संचार आयोग जैसे स्वतंत्र संघीय नियामकों का सीधा नियंत्रण व्हाइट हाउस को देना है। आदेश प्रभावी होने के साथ ही राष्ट्रपति को वित्तीय प्रणाली की निगरानी को आकार देने तथा परिवहन सुरक्षा, बुनियादी उपभोक्ता संरक्षण और वायरलेस, प्रसारण, उपग्रह और ब्रॉडबैंड संचार के लिए मानदंड निर्धारित करने की अधिक शक्तियां मिल जाएंगी।

मोदी को हराना चाहते थे बाइडेन, इसलिए दे रहे थे करोड़ों का फंड; डोनाल्ड ट्रंप ने लगाए गंभीर आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक फैसला लिया। इसमें उन्होंने भारत को मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मिलने वाले 2.1 करोड़ डॉलर फंड को रद्द कर दिया। उनके इस फैसले को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है। इस बीच बुधवार रात सऊदी अरब सरकार के एफआईआई प्रायोरिटी समिट को संबोधित करते हुए ट्रंप ने अपने इस फैसले का बचाव किया। साथ ही उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की सरकार पर भारत में चुनावी हस्तक्षेप का आरोप भी लगाया। ट्रंप ने कहा, हमें भारत में वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन डॉलर खर्च करने की जरूरत क्यों है? मुझे लगता है कि जो बाइडेन किसी और को चुनाव में जिताना चाहते थे। हमें भारत सरकार को यह बताना होगा। यह एक बड़ा मामला है। इससे पहले मंगलवार को भी उन्होंने इस मामले पर सफाई दी थी। डोनाल्ड ट्रंप का कहना था कि आज के समय में भारत खुद सक्षम हैं। भारत के पास पैसे की कमी नहीं है।

तानाशाह है जेलेंस्की, बात मान लो नहीं तो देश भी नहीं बचेगा; ट्रंप की खुली धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर जेलेंस्की को तानाशाह कहा है। ट्रंप ने जेलेंस्की पर ही रूस-यूक्रेन युद्ध को भड़काने का आरोप लगा दिया। इतना ही नहीं, पहली बार ट्रंप ने खुलेआम यूक्रेनी राष्ट्रपति के लिए तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें एक मामूली कॉमेडियन करार दिया।

ट्रंप ने जेलेंस्की पर लगाए गंभीर आरोप : ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, जरा सोचिए, एक मामूली रूप से सफल कॉमेडियन वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका से 350 अरब डॉलर खर्च करवा दिए, वो भी एक ऐसे युद्ध में जो कभी नहीं होना चाहिए था और जिसे जीता नहीं जा सकता। अगर अमेरिका और ट्रंप न होते, तो जेलेंस्की कभी इसे सुलझा नहीं पाएंगे। अमेरिका ने यूरोप से 200 अरब डॉलर अधिक खर्च किए हैं, लेकिन हमें कुछ नहीं मिलने वाला है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर निशाना साधते हुए कहा कि वे सोते रहे और उन्होंने यूरोप से पैसों के खर्च को लेकर बराबरी की बात नहीं की। ट्रंप ने कहा, यह युद्ध यूरोप के लिए हमसे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है, हमारे पास एक बड़ा, सुंदर महासागर है जो हमें (रूस से) अलग करता है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि जेलेंस्की ने खुद माना है कि अमेरिका से मिली आर्थिक मदद का आधा हिस्सा गायब हो गया है। उन्होंने जेलेंस्की पर चुनाव न कराने का आरोप भी लगाया और कहा कि वह यूक्रेन में बेहद अलोकप्रिय हो गए हैं। ट्रंप ने लिखा, उन्होंने चुनाव कराने से मना कर दिया, यूक्रेनी पोल में उनका प्रदर्शन बहुत कम रहा, और एकमात्र चीज जिसमें वे अच्छे थे, वह- बाइडन को बाजे की तरह बजाना। जेलेंस्की एक तानाशाह हैं जो चुनाव कराने से इनकार कर रहे हैं। उन्हें जल्द कदम उठाने होंगे, वरना उनके पास देश ही नहीं बचेगा।

ट्रंप ने आगे लिखा, इस बीच, हम रूस के साथ युद्ध को समाप्त करने के लिए सफलतापूर्वक बातचीत कर रहे हैं। यह कुछ ऐसा है जिसे सभी मानते हैं कि केवल ट्रंप और ट्रंप प्रशासन ही कर सकता है। बाइडन ने कभी प्रयास नहीं किया, यूरोप शांति लाने में विफल रहा है, और जेलेंस्की शायद बिना कुछ किए पैसे कमाना जारी रखना चाहते हैं। मैं यूक्रेन से प्यार करता हूं, लेकिन जेलेंस्की ने बहुत बुरा काम किया है, उनका देश बिखर गया है, और लाखों लोग बेवजह मारे गए हैं - और यह जारी है।

जेलेंस्की ने किया ट्रंप के दावों का खंडन : इससे पहले कीव में पत्रकारों से बात करते हुए जेलेंस्की ने ट्रंप की बातों को खारिज कर दिया और कहा कि वह गलत जानकारी के प्रभाव में हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, राष्ट्रपति ट्रंप रूसी दुष्प्रचार के प्रभाव में हैं। अमेरिकी जनता ने हमेशा हमारा समर्थन किया है और हम इसकी सराहना करते हैं। लेकिन युद्ध को खत्म करने के लिए यूक्रेन की भागीदारी जरूरी है।

रूस को लेकर ट्रंप के नरम रुख पर सवाल : ट्रंप पहले भी रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर विवादित बयान दे चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि यह युद्ध जल्द से जल्द खत्म होना चाहिए, भले ही इसके लिए यूक्रेन को अपनी जमीन से समझौता क्यों न करना पड़े। ट्रंप की इस स्थिति से कीव और उसके पश्चिमी सहयोगी चिंतित हैं। ट्रंप के हालिया रुख से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन कभी भी रूस का हिस्सा बन सकता है।

तिब्बती कार्यकर्ता ने सुनाई आपबीती, कहा- चीन में विरोध प्रदर्शन करने पर मिलती हैं क्रूर यातनाएं

जिनेवा, एजेंसी। मानवाधिकार और लोकतंत्र के लिए 17वें जिनेवा शिखर सम्मेलन-2025 में वक्ताओं ने चीन, रूस, सऊदी अरब, बेलारूस, हांगकांग, वियतनाम और ईरान में मोषवाधिकारों के उल्लंघन पर प्रकाश डालो। चीनी अत्याचारों को लेकर तिब्बती कार्यकर्ता व पूर्व राजनीतिक कैदी नामकी ने उसे सताए जाने के भयावह अनुभवों का जिक्र भी किया। उन्हें चीन में कैद के दौरान भयानक यातनाएं झेलना पड़ीं। यह सम्मेलन सेंटर इंटरनेशनल डी कॉन्फ्रेंस जिनेवा (सीआईसीजी) में चल रहा है। केंद्रीय तिब्बत प्रशासन (सीटीए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, नामकी ने चीनी सरकार द्वारा सताए जाने के अपने दर्दनाक अनुभवों को बताते हुए कहा, 21 अक्तूबर, 2015 को जब वह और उनके चचेरे भाई तेनजिन डोलमा ने नगाबा काउंटी के शहीद चौक पर विरोध प्रदर्शन किया तब 10 मिनट बाद ही पुलिस अफसरों का समूह हम पर टूट पड़ा। उन्होंने जबरदस्ती हमारे हाथों से पोस्टर-बैनर छीन लिए और हमें हथकड़ी लगाकर आवाजें दबा दीं। हम तिब्बत में वापसी व उसकी आजादी का आह्वान कर र रहे थे। इसके बाद भयानक यातनाओं का दौर शुरू हुआ।

तेज गर्मी के बीच नींद न लेने को मजबूर किया : सीटीए रिपोर्ट से पता चला कि दोनों को शुरुआत में नगाबा काउंटी हिरासत केंद्र में रखने के बाद आधी रात को बरखम हिरासत केंद्र में ले जाया गया। नामकी को कैद के दौरान 150 डिग्री तापमान की तेज गर्मी का जोखिम उठाना पड़ा, उसे नींद नहीं लेने दी गई। पुरुष अधिकारियों ने उसे मारा, लात मारी और थप्पड़ मारे और उस पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बनाया। उन्हें नस्ली भेदभाव के बीच अनिवार्य सैन्य प्रशिक्षण देकर चीनी कानूनों और देशभक्ति शिक्षा का अध्ययन करने के लिए मजबूर किया गया। रिहा होने के बाद भी मुझे परेशान किया। ताइपे। तिब्बत के लिए एकजुटता दिखाने के मकसद से मुक्त तिब्बत के लिए साइकिलिंग अभियान के तीसरे दौर के लिए कार्यकर्ता एक साथ आए। मानवाधिकारों के हनन की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए तिब्बत-ताइवान मानवाधिकार गठबंधन ने एक कार्यक्रम में साइकल सवारी कर तिब्बती आजादी के लिए रैली निकाली।

1,000 फुट लंबा ऐतिहासिक जहाज फिलाडेल्फिया से रवाना, दुनिया की सबसे बड़ी कृत्रिम चट्टान बनने की यात्रा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 1,000 फुट लंबा जहाज- एसएस यूनाइटेड स्टेट्स बुधवार को दक्षिण फिलाडेल्फिया के डेलावेयर नदी तट से रवाना हुआ। यह इसकी अंतिम यात्रा का पहला चरण है। इस ऐतिहासिक और पुराने समुद्री जहाज को आने वाले दिनों में फ्लोरिडा का एक काउंटी दुनिया की सबसे बड़ी कृत्रिम चट्टान में बदलेगा। इस जहाज ने 1952 में अपनी पहली यात्रा में ट्रान्साटलांटिक गति का रिकार्ड तोड़ दिया था। जहाज की देखरेख करने वाली संस्था और उसके मकान मालिक के बीच सालों पुराने किराए का विवाद सुलझने के बाद अब इसे नष्ट करने की तैयारी की जा रही है। फ्लोरिडा में ओकालोसा काउंटी के अधिकारियों के मुताबिक जहाज को खरीदने का सौदा लगभग 10 मिलियन अमरीकी डॉलर में पूरा होगा। जहाज़ की सफ़ाई, परिवहन और उसे डुबोने की लंबी प्रक्रिया में कम से कम डेढ़ साल लगने की उम्मीद है। एसएस यूनाइटेड स्टेट्स को कभी अमेरिकी इंजीनियरिंग का प्रतीक माना जाता था। इसे हजारों सैनिकों को ले जाने वाले सैन्य जहाज के रूप में भी जाना जाता था। ओकालोसा काउंटी के अधिकारियों के मुताबिक एसएस यूनाइटेड स्टेट्स जहाज काउंटी की 500 से अधिक कृत्रिम चट्टानों के बीच एक बार्नकल-जड़ित आकर्षण का केंद्र बन जाएगा।

अमेरिका में ठंड का कहर, तूफान के चलते कई इलाकों में भारी बर्फबारी, 5600 से ज्यादा हवाई सेवाएं प्रभावित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कई इलाकों में ठंड का कहर जारी है। बुधवार को उत्तरी कैरोलिना और वर्जीनिया के कुछ हिस्सों में तूफान आया, जिसकी वजह से भारी बर्फबारी हुई। बर्फबारी के चलते सड़कों पर सैंकड़ों दुर्घटनाएं रिपोर्ट हुईं। फिलहाल अधिकारियों ने हालात को देखते हुए लोगों को घरों के भीतर ही रहने की सलाह दी है। अमेरिका के टेनेसी और ओहायो में पहले से ही ठंड का कहर जारी है। गौरतलब है कि टेनेसी और ओहायो पहले ही बाढ़ की समस्या से जूझ रहे हैं, अब ठंड ने लोगों की परेशानी को कई गुना बढ़ा दिया है।

हजारों हवाई सेवाएं प्रभावित : अमेरिका के राष्ट्रीय मौसम सेवा विभाग ने आशंका जताई है कि गुरुवार को वर्जीनिया से अटलांटिक तट तक 25 सेंटीमीटर तक बर्फबारी होने की आशंका है। पूर्वी उत्तरी कैरोलिना में भी भारी बर्फबारी का अनुमान है। वर्जीनिया के हैंप्टन रोड्स क्षेत्र और उत्तर पूर्वी कैरोलिना में प्रति घंटे पांच सेंटीमीटर तक बर्फबारी हुई है। गुरुवार सुबह और भारी बर्फबारी की आशंका है। वर्जीनिया स्टेट पुलिस ने बताया कि बुधवार दोपहर तक 275 दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें कम से कम दो दर्जन लोग घायल हुए हैं। दुर्घटनाओं के चलते उत्तरी कैरोलिना में भी कुछ हिस्से बंद कर दिए गए हैं। फ्लाइट-ट्रैकिंग साइट फ्लाइटअवेयर डॉट कॉम के अनुसार, पूरे अमेरिका में लगभग 5,600 उड़ानें रद्द या उनमें देरी हुई। इनमें उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट डगलस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से आने-जाने वाली 400 से अधिक उड़ानें शामिल हैं।

वर्जीनिया में तूफान के बाद आपातकाल के हालात : दूसरी ओर, ध्रुवीय भंवर ने मोंटाना से दक्षिणी टेक्सास तक के तापमान में भारी गिरावट ला दी। गौरतलब है कि कई ऐसे इलाकों में बर्फबारी हुई है, जहां आमतौर पर सर्दियों के मौसम में बर्फ नहीं पड़ती। ऐसे में लोगों ने इस पर हैरानी भी जताई है। बर्फबारी वाले इलाकों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

वर्जीनिया में पिछले सप्ताह आए तूफान के बाद से ही आपातकाल की स्थिति बनी हुई है। नेशनल गार्ड और राज्य एजेंसियों को स्थानीय सरकारों की मदद करने के लिए तैनात किया गया है। लोगों को घरों के भीतर ही रहने की सलाह दी जा रही है। पूर्वी अमेरिका में पिछले हफ्ते के अंत में आए तूफानों ने कम से कम 19 लोगों की जान ले ली, जिनमें केंटकी में 14 लोग शामिल हैं। दक्षिणी वेस्ट वर्जीनिया में, सप्ताहांत की बाढ़ ने मैकडॉवेल काउंटी में तीन लोगों की जान ले ली।

लंदन हाईकोर्ट से माल्या को बड़ा झटका, सुनवाई स्थगित करने की अपील खारिज

लंदन, एजेंसी। भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या की इंग्लैंड की एक अदालत की ओर से जारी दिवालिया आदेश के खिलाफ दायर अपील पर इंग्लैंड की हाईकोर्ट से झटका लगा है। इंग्लैंड एंड वेल्स हाईकोर्ट के चेंचरी डिविजन के अपीलीय जज जस्टिस एंथनी मान ने माल्या की ओर से सुनवाई स्थगित करने का आवेदन ठुकरा दिया। माल्या खुद सुनवाई के लिए मौजूद नहीं थे, उनके वकीलों ने सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया था।

जस्टिस एंथनी ने भारत में मनी लॉन्ड्रिंग और बैंक फ्रॉड के मामलों में वांछित 69 वर्षीय शराब कारोबारी से जुड़ी कई अपीलों को सुनने का फैसला किया। इनमें से वह अपील भी शामिल हैं जिनमें भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व में बैंकों के समूह ने विजय माल्या की बंद हो चुकी एयरलाइन कंपनी किंगफिशर पर 1.05 अरब पाउंड के भुगतान की मांग की गई है।

जस्टिस एंथनी ने कहा, मुझे भारतीय सुनवाई के परिणाम तक कार्यवाही लंबित रखने का कोई कारण नहीं दिखता। अपील का महत्वपूर्ण समय पहले भी बर्बाद हो चुका है। उन्होंने मामले में माल्या की ओर नए सबूत पेश करने के अनुरोध को भी खारिज कर दिया। इन सबूतों में संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन का वह बयान भी शामिल है कि माल्या की संपत्तियों से सरकारी बैंकों को 14131 करोड़ रुपये मिल चुके हैं।

सुनवाई में दिवालियापन कार्यवाही के खिलाफ की गई अपीलों पर हुई चर्चा : जस्टिस मान मुख्य दिवाला और कंपनी न्यायालय के न्यायाधीश माइकल ब्रिग्स के एक फैसले से संबंधित अपीलों की सुनवाई कर रहे हैं, जो लगभग छह साल पहले माल्या के खिलाफ बैंकों द्वारा शुरू की गई दिवालियापन कार्यवाही के संदर्भ में दिया गया था। सुनवाई में मुख्यतः दिवालियापन कार्यवाही के खिलाफ की गई अपीलों पर चर्चा की गई। माल्या का तर्क था कि भारतीय कानून के एक सिद्धांत के कारण बैंकों को उनकी संपत्तियों पर सुरक्षा रखने से रोका गया।

ब्रिटेन में जमानत पर हैं विजय माल्या : इस सप्ताह की सुनवाई के दौरान दो और अपीलों पर भी चर्चा होगी। इस बीच, माल्या ब्रिटेन में जमानत पर हैं, जबकि उनका एक गोपनीय कानूनी मामला चल रहा है, जो शरण आवेदन से संबंधित है। माल्या यह तर्क करते रहे हैं कि भारतीय बैंक उनके खिलाफ एक ही ऋण का पीछा कर रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक और अन्य बैंकों का मामला मई 2018 से चल रहा है, जिसके बाद कई सुनवाई हुई और अंततः 26 जुलाई, 2021 को माल्या के खिलाफ दिवालियापन आदेश जारी किया गया।

हमास आज 4 इजराइली बंधकों के शव लौटाएगा

गाजा, एजेंसी। फिलिस्तीन का उग्रवादी संगठन हमास आज यानी गुरुवार को 4 इजराइली बंधकों के शव लौटाएगा। इनमें शिरी बिबास और उनके 2 बच्चे एरियल बिबास और केफिर बिबास शामिल हैं। चौथा शव ओडेड लाइफशिट्ज नाम के बंधक का है। 7 अक्टूबर 2023 को जब हमास ने इन्हें बंधक बनाया था, तब एरियल की उम्र 4 साल और केफिर की उम्र 9 महीने थे। इन बच्चों के पिता यार्डेन को इस महीने की शुरुआत में रिहा किया गया था।

इसके अलावा हमास शनिवार को 6 बंधकों को रिहा करेगा। यह पहले से तय संख्या से डबल है। शनिवार को रिहा होने वाले बंधकों के बदले इजराइल अक्टूबर 2023 से गिरफ्तार सभी महिलाओं और 19 साल से कम उम्र के फिलिस्तीनी लोगों को रिहा कर देगा। इसके साथ ही मिस्र बॉर्डर के जरिए गाजा में मलबा हटाने वाली मशीनें ले जाने की परमिशन देगा।

केफिर हमास की कैद में सबसे कम उम्र का बंधक था : केफिर को जब बंधक बनाया गया उस वक्त उसकी उम्र सिर्फ 9 महीने थी। तब वह हमास के कब्जे में सबसे कम उम्र का बंधक था। हमास ने नवंबर 2023 में दावा किया था कि शिरी और उनके दोनों बच्चों की इजराइली बमबारी में मौत हो चुकी है। हमास ने तब एक वीडियो भी जारी किया था जिसमें यार्डेन बिबास अपने परिजनों की मौत का जिम्मेदार इजराइली पीएम नेतन्याहू को बता रहे थे। हालांकि, इजराइल ने कभी भी हमास के इस दावे को नहीं माना। एक इजराइली अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि मृतक बंधकों का नाम घोषित करने से पहले इजराइल में उनकी पहचान की जाएगी।

अब तक 6 बार हो चुकी बंधकों की अदला बदली : इजराइल और हमास में 19 जनवरी को बंधकों की रिहाई को लेकर सीजफायर हुआ था, जिसमें 3 फेज में बंधकों की रिहाई होना है। पहले चरण के तहत 33 इजराइली बंधकों को रिहा किया जाना है। इसमें से 19 बंधकों को अब तक 1100 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों के बदले रिहा किया जा चुका है। इजराइल का कहना है कि शेष 14 में से आठ की मौत हो चुकी है। पिछले महीने लागू हुए सीजफायर डील के तहत बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की छह बार अदला-बदली हो चुकी है।

पनामा के होटल में फंसे 300 लोगों में सबसे ज्यादा भारत-नेपाल जैसे देशों के; खिड़की से मांग रहे मदद

पनामा सिटी, एजेंसी। अमेरिका से निर्वासन और घर न पहुंच पाने की अनिश्चितता के साथ-साथ तमाम दिक्कतों से जूझ रहे 300 लोग पनामा के एक होटल में फंसे हुए हैं। इन 300 लोगों में सबसे ज्यादा भारतीय और नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन नागरिक हैं। ये सभी वहां तब तक रहेंगे, जब तक उनकी वापसी की व्यवस्था नहीं हो जाती, इसके साथ ही उन्हें होटल से बाहर जाने की अनुमति नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार, 40त्न से ज्यादा प्रवासी अपने देश लौटने के लिए तैयार नहीं हैं। होटल में बंद सभी प्रवासियों की हालत काफी दयनीय है, इसका पता इससे चलता है कि होटल में फंसे लोग खिड़कियों पर संदेश लिखकर मदद की गुहार लगा रहे हैं। पनामा के होटल से कई तस्वीरें सामने आई है, जिसमें लोग हाथों में सादे कागज पर- मदद करें और हम अपने देश में सुरक्षित नहीं हैं, लिख कर खड़े हैं।

इन 10 एशियाई देशों के हैं 300 प्रवासी : जानकारी के मुताबिक, सभी प्रवासी 10 एशियाई देशों से आए हैं, जिसमें ईरान, भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन के लोग शामिल हैं। अमेरिका के लिए इन देशों में सीधा निर्वासन करना मुश्किल है, इसलिए पनामा को एक ठहराव के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

प्रवासियों को दी जा रही बुनियादी सुविधाएं : इधर पनामा के सुरक्षा मंत्री फ्रैंक एब्रेगो ने दावा किया है कि, सभी प्रवासियों चिकित्सा सुविधा और खाना मिल रहा है। यह पूरी व्यवस्था अमेरिका और पनामा के बीच हुए एक समझौते के तहत हो रही है। अमेरिका इस पूरे ऑपरेशन का खर्च उठा रहा है। वहीं पनामा

के राष्ट्रपति जोसे राउल मुलिनो, जो ट्रंप की पनामा नहर पर नियंत्रण को लेकर दी गई धमकियों के कारण राजनीतिक दबाव में हैं, ने पिछले गुरुवार को पहली डिपोर्टेशन फ्लाइट के आने की घोषणा की थी।

अपने देशों को लौटने के लिए तैयार प्रवासी : रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 300 लोगों में से 171 प्रवासी अंतरराष्ट्रीय संगठनों की मदद से अपने-अपने देशों को लौटने के लिए तैयार हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचआरसी) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) बाकी 128 लोगों के लिए विकल्प की तलाश कर रहे हैं, ताकि वे किसी तीसरे देश में बस सकें। वहीं जो प्रवासी अपने देश वापस जाने के लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें पनामा के दारिएन प्रांत के एक विशेष केंद्र में रखा जाएगा।

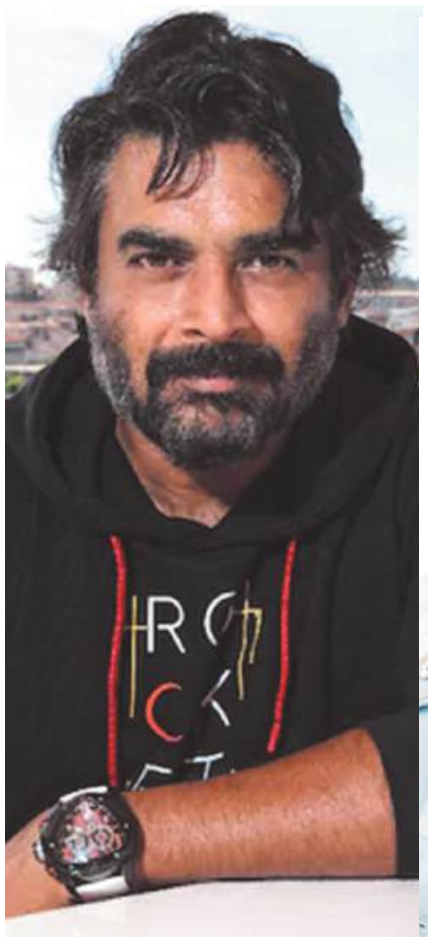

'भारत के एडिसन' जीडी नायडू की बायोपिक की घोषणा, माधवन निभाएंगे मुख्य भूमिका

निर्देशक कृष्णाकुमार रामकुमार 'भारत के एडिसन' के नाम से मशहूर वैज्ञानिक जीडी नायडू की बायोपिक बनाएंगे। निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल जारी कर दिया है। टाइटल 'जी.डी.एन' रखा गया है, जिसमें अभिनेता आर. माधवन मुख्य भूमिका में दिखेंगे।

वैज्ञानिक पर आधारित बायोपिक का भारत में शेड्यूल मंगलवार से शुरू हो चुका है, जिसमें आर माधवन के साथ अभिनेता प्रियामणि, जयराम और योगी बाबू भी शामिल होंगे। फिल्म में संगीत गोविंद वसंता ने दिया है। अभिनेता माधवन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए एक पोस्टर शेयर किया। उन्होंने लिखा, आप सभी के आशीर्वाद और शुभकामनाओं की जरूरत है। जानकारी के अनुसार, फिल्म की पूरी शूटिंग कोयंबटूर में की जाएगी, जो वैज्ञानिक का जन्मस्थान है। खास बातचीत में फिल्म के कार्यकारी निर्माता मुरलीधरन सुब्रमण्यम ने बताया था, फिल्म का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा कोयंबटूर में शूट किया जाएगा और बाकी पांच प्रतिशत विदेश में शूट किया जाएगा। पांच प्रतिशत का एक छोटा हिस्सा, जो विदेश में शूट किया जाना था, वह पिछले साल ही पूरा हो चुका है। बाकी हिस्से की शूटिंग जारी है। मुरलीधरन ने कहा, निर्देशक और उनकी टीम ने वैज्ञानिक के जीवन पर तीन से पांच साल से भी अधिक समय तक रिसर्च किया है। टीम का उद्देश्य था कि जीडी नायडू, विज्ञान और समाज में उनके योगदान का कोई भी हिस्सा ना छूटे।

'रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट' को साल 2022 में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए मिले राष्ट्रीय पुरस्कार के बाद वर्गीज मूलन पिक्चर्स और ट्राइकलर फिल्म्स इस प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। 'रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट' में नंबी नारायणन की भूमिका निभाने वाले माधवन अब जीडी नायडू की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण वर्गीज मूलन पिक्चर्स के वर्गीज मूलन और विजय मूलन तथा ट्राइकलर फिल्म्स के आर. माधवन और सरिता माधवन करने के लिए तैयार हैं। अरविंद कमलानाथन फिल्म के सिनेमैटोग्राफर और क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में काम करेंगे।

मिसेज के बाद साइंस बेस्ड मूवी करेंगी सान्या

सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज हाल ही में सा रिलीज हुई। यह मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन की रीमेक है। इसे आरती कड़व ने डायरेक्ट किया। फिल्म में सान्या ने एक ऐसी हाउसवाइफ का किरदार निभाया, जो अपने जीवन में बड़ा मुकाम हासिल करना चाहती है लेकिन परिवार उसे सिर्फ किचन तक सीमित रखना चाहता है। यह सोच इरादतन नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक मानसिकता के कारण बनी रहती है। आरती ने इसी सोच को फिल्म में दिखाया है।

फिल्म को मिली जबरदस्त तारीफ

आरती कहती हैं... फिल्म को उम्मीद से ज्यादा प्यार मिला। मैंने इसे जिम्मेदारी से बनाया था। मुझे लगा था कि लोग इस विषय पर चर्चा करेंगे लेकिन इतनी तारीफ मिलेगी, यह सोचा नहीं था। कई दर्शकों ने अपनी मां और बहनों की जिंदगी से जुड़ी कहानियां साझा कीं, जो फिल्म के किरदार से मेल खाती थीं। यह जानकर दुख भी हुआ कि समाज में अब भी ऐसी दकियानूसी सोच बनी हुई हैं।

थिएटर में रिलीज का इरादा नहीं था

आरती ने बताया कि फिल्म को थिएटर में लाने का कोई इरादा नहीं था। इसलिए डायरेक्ट ओटीटी पर रिलीज करना सही फैसला रहा। आगे साइंस फिक्शन जॉनर की फिल्म भी लाऊंगी। पहले कार्गो नाम की फिल्म बनाई थी। ऐसी फिल्मों के लिए बड़े बजट की जरूरत होती है। सान्या को दो साइंस फिक्शन कहानियां सुनाई हैं। मुमकिन है कि जल्द ही सान्या की कोई साइंस फिक्शन फिल्म आए।

नॉर्थ इंडियन दर्शकों के लिए फिल्म में किए गए थे बदलाव

मूल फिल्म मलयाली दर्शकों के लिए बनी थी। हिंदी वर्जन में इसे नॉर्थ इंडियन दर्शकों के हिसाब से बदला गया। साउथ वर्जन में सबरीमाला विवाद को दिखाया गया था, जहां महिलाओं को घर में बंद कर दिया गया था। हिंदी वर्जन में इसे करवा चौथ से जोड़ा गया। मूल फिल्म में घर में मेड नहीं थी लेकिन हिंदी वर्जन में मेड का किरदार जोड़ा गया।

फिल्में बदलाव ला सकती हैं...

आरती का मानना है कि फिल्मों से बदलाव की शुरुआत होती है। जब किसी मुद्दे पर बातचीत होती है, तो पॉलिसी लेवल पर भी बदलाव का माहौल बनता है। हालांकि यह प्रयास पर्याप्त नहीं होते लेकिन जरूरी होते हैं।

फ्रेंचाइज बनाने की प्लानिंग नहीं है...

आरती ने कहा कि मिसेज में कामकाजी महिलाओं से जुड़े कई जरूरी मुद्दे हैं। इसे फ्रेंचाइज बनाना प्राथमिकता नहीं है। सान्या इस फिल्म के मुद्दे से इतनी जुड़ गई थीं कि शूटिंग के बाद भी उन्हें इससे बाहर आने में महीना भर लगा था।

कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए अजय देवगन ने शुभकामनाएं दी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आगामी फिल्म कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए शुभकामनाएं दी। फिल्म के ट्रेलर को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर करते हुए, सिंघम अभिनेता ने लिखा, पीढ़ियां आपस में टकरा सकती हैं, लेकिन प्यार हमेशा एक रास्ता खोज लेता है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में परिवार, प्यार और हंसी के मजेदार दिल को छू लेने वाले सफर के लिए तैयार हो जाइए। इस शुक्रवार 21 फरवरी को केवल जिओ हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग होगी। सोमवार को आगामी पारिवारिक ड्रामा कौशलजीस वर्सेस कौशल के निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी किया। फिल्म के ट्रेलर में दिल को छू लेने वाली कहानी की झलक मिलती है।

फिल्म को सीमा देसाई और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म की कहानी 27 साल के युग कौशल की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कन्नौज में अपने छोटे शहर की जड़ों को पीछे छोड़कर दिल्ली चला जाता है। निर्देशक सीमा देसाई ने एक बयान में कहा, कौशलजीस वर्सेस कौशल की कहानी जो जटिल होते हुए भी खूबसूरत है। यह परिवार के बारे में है। हम अक्सर युवा जोड़ों की प्रेम कहानियां देखते हैं, लेकिन उन लोगों का क्या जो दशकों से साथ हैं? यह फिल्म शादी पर एक हल्की-फुल्की लेकिन मार्मिक नजर डालती है और पूछती है, क्या होगा अगर वर्षों के संघर्ष के बाद भी प्यार खत्म न हो। मुझे भरोसा है कि दर्शक प्यारे किरदारों से जुड़ेंगे, हंसेंगे, रोएंगे और अपने परिवार की झलक स्क्रीन पर देखेंगे। यह दिल से दिलों के लिए बनाई गई एक अच्छी फिल्म है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में शीबा चड्ढा, पावेल गुलाटी, ईशा तलवार, बृजेंद्र काला और ग्रुशा कपूर भी हैं। यह फिल्म 21 फरवरी को जिओ हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

शिवाजी महाराज की जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना मेरे लिए बेहद खास है

आज छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती है। इस मौके पर ऋषभ शेट्टी की अपकमिंग फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इस नए पोस्टर में वीर शिवाजी बने ऋषभ शेट्टी देवी मां की विशाल मूर्ति के सामने खड़े नजर आ रहे हैं।

ऋषभ शेट्टी ही बनेंगे शिवाजी महाराज

बॉलीवुड से लेकर मराठी सिनेमा तक कई सारे सितारे शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आ चुके हैं। अब छत्रपति शिवाजी महाराज पर बन रही आगामी फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में ऋषभ शेट्टी शिवाजी महाराज का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं।

ऋषभ शेट्टी ने कही ऐसी बात

पोस्टर रिलीज के मौके पर ऋषभ शेट्टी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर हम सभी गर्व महसूस करते हैं। वे केवल एक योद्धा नहीं थे बल्कि स्वराज्य की आत्मा थे। उन्हें हमेशा धैर्य, बुद्धि और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। उनकी जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना वाकई मेरे लिए बेहद खास है। मैं आशा करता हूं कि उनकी विरासत को मैं अच्छे तरीके से पर्दे पर दिखा सकूं। सभी भारतीयों को उनकी अमर वीरता का एहसास दिला सकूं।

फिल्म में नजर आएंगे ये सितारे

स्वराज्य का सपना देखने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर इस फिल्म की टीम के बारे में भी मेकर्स ने बताया है। फिल्म की कहानी सिद्धार्थ - गरिमा ने लिखी है। फिल्म को संगीत प्रीतम ने दिया है। गानों ने बोल प्रसून जोशी ने लिखे हैं। वहीं, सिनेमेटोग्राफी रवि वर्मन ने की है। गणेश हेगड़े ने कोरियोग्राफी की है। फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

यह फिल्म 21 जनवरी 2027 में हिंदी समेत छह अन्य भाषाओं में रिलीज होगी। यह फिल्म भारत और विदेशों में भी शिवाजी के स्वराज्य का सपना दिखाने वाली है।

शबाना आज़मी ने बताई डब्बा कार्टेल का हिस्सा बनने की वजह

एक्सेल एंटरटेनमेंट की नई सीरीज 'डब्बा कार्टेल' के ट्रेलर लांच इवेंट पर शबाना आजमी की अदाओं ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। महबूब स्टूडियो में इस कार्यक्रम का आयोजन शानदार तरीके से हुआ। लोगों में काफी उत्साह रहा लेकिन, आदतन प्रोग्राम अपने समय से ही शुरू हुआ। जनता बेसब्री से ट्रेलर का इंतजार करी दिखी। महबूब स्टूडियो में जब बारी इस ट्रेलर लॉन्च की आई तो मामला बहुत ही रोचक हो गया है। आहिस्ता आहिस्ता किरदारों पर से परदा हटा और जब बारी शबाना आजमी की आई तो फिर तो माहौल बदलना ही था। इवेंट में मीडिया के साथ सवाल जवाब के समय शबाना आज़मी ये कहा कि इस सीरीज की पूरी कास्टिंग घर का मामला था। शिबानी अख्तर ने क्रिएट किया ये प्रोजेक्ट और मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा तो प्रोड्यूसर ही है। साथ ही उन्होंने एक कन्फेशन ये भी किया की जब इस सीरीज की कास्टिंग चल रही थी तो वह नहीं चाहती थीं कि अभिनेत्री ज्योतिका को इसमें कास्ट किया जाए। इवेंट के दौरान ही शबाना आजमी ने इसके लिए ज्योतिका से माफी भी मांगी और कहा कि अच्छा हुआ शिबानी ने उनकी नहीं सुनी और दोनों ने साथ काम किया। सीरीज के निर्देशक हितेश भाटिया ने इस मौके पर बताया कि शुरू में तो वह काफी परेशान थे लेकिन जब सारे लोग साथ आ गए तो उनकी घबराहट भरोसे में बदल गई। ज्योतिका के मुताबिक उन्हें ये प्रोजेक्ट इसलिए काफी पसंद आया क्योंकि इसमें महिलाओं की अहम भूमिका है। वह कहती हैं, इस सीरीज में सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि पूरी टीम में भी महिलाओं की बहुत भागीदारी रही। हमारे क्रू में लगभग 60-70त्न महिलाएं थीं, जो हर विभाग में शानदार काम कर रही थीं। यह देखकर बहुत गर्व महसूस हुआ। अभिनेता आदर्श रावल के साथ फिल्म 'बमफाड़' से हिंदी सिनेमा में अपना करियर शुरू करने वाली साउथ सिनेमा की अभिनेत्री शालिनी पांडे ने भी ज्योतिका की बात का समर्थन किया और कहा कि यह शो महिलाओं के दम पर आगे बढ़ा है। उन्होंने उलाहना दिया कि शानदार अभिनेता गजराज राव के साथ उनका एक भी सीन नहीं है। वहीं, गजराज राव ने कहा, आमतौर पर मैं सिर्फ अपने डायलॉग्स याद करता हूँ, लेकिन इस बार सबसे ज्यादा मेहनत फार्मास्युटिकल्स के नाम याद करने में करनी पड़ी। और, अब तो मुझे इतने नाम याद हो गए हैं कि मेडिकल इंडस्ट्री में भी एंट्री ले सकता हूं! नेटफ्लिक्स की नई सीरीज 'डब्बा कार्टेल' 28 फरवरी को रिलीज होगी।

सनम तेरी कसम की री-रिलीज की सफलता पर भावुक हुए हर्षवर्धन राणे

हर्षवर्धन राणे अपनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म सनम तेरी कसम की सफलता का जश्न मना रहे हैं। यह फिल्म सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। आज भी अभिनेता ने एक इमोशनल नोट शेयर किया और सभी प्रशंसकों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद दिया। अभिनेता ने पोस्टर साझा कर लिखा- एक प्रेम कहानी जो लंबे समय तक नहीं चलनी थी। हर्षवर्धन ने आगे लिखा- फिर भी हम यहां हैं, 10 दिन बाद, अभी भी हर पल ऐसा महसूस कर रहे हैं जैसे यह पहली बार हो। अभिनेता ने आगे लिखा- किसी ऐसे व्यक्ति को टैग करें जो इसे दोबारा देखने की योजना बना रहा है। सनम तेरी कसम अब तब बॉक्स ऑफिस पर 36.01 करोड़ रुपये की कमाई की।

चैम्पियंस ट्रॉफी में आज होगा ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला

लाहौर (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शनिवार को यहां के गद्दाफी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला होगा। इस मैच में दोनों ही टीम जीत के साथ शुरुआत करना चाहेंगी। ऑस्ट्रेलिया को पिछली दो सीरीज में श्रीलंका और पाकिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। वहीं कोच ब्रेंडन मैकुलम की इंग्लैंड टीम ने 2023 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद से कोई एकदिवसीय सीरीज नहीं जीती है। इस टूर्नामेंट से पहले उसे भारत में करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो ही टीमों की हालत एक सी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में इस बार पैट कमिंस कई प्रमुख खिलाड़ी चोटिल होने के कारण शामिल नहीं हैं। इससे भी वह कमजोर हुई है। नाथन एलिस, आरोन हार्डी, सीन एबॉट जैसे युवा तेज गेंदबाजों को टीम में जगह मिली है। वहीं टीम की कप्तानी स्टीव स्मिथ के पास है।

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच में मध्य के ओवरों में स्पिनरों को सहायता मिलती है। दोनों टीमें इस मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना पसंद करेंगी। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद अहम भूमिका निभा सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पांच बड़े खिलाड़ी चोटों के कारण टीम से बाहर है। इसमें कमिंस , जोश हेजलवुड , मिचेल स्टार्क के अलावा ऑलराउंडर मिचेल मार्श व कैमरन ग्रीन हैं। वहीं मार्कस स्टोइनिस ने संन्यास ले लिया है। दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम के पास जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड और ब्रायडन कार्स के रूप में एक अच्छा आक्रमण है। उसके पास स्पिनर आदिल रशीद स्पिन हैं जिन्हें खेलना कंगारुओं के लिए आसान नहीं रीहेगा। बल्लेबाजी में उसे हैरी ब्रूक, बेन डकेट , जो रुट जैसे बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड-जोस बटलर (कप्तान), फिल सॉल्ट, बेन डकेट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जो रूट, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड।

ऑस्ट्रेलिया - स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रैविस हेड, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मार्नस लाबुशेन, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), नाथन एलिस, आरोन हार्डी, सीन एबॉट, एडम जम्पा।

भारत से हार तो सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होगा पाक

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले ही मैच में पाकिस्तान की टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में अब अगर पाक टीम रविवार को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले में हारी तो सेमीफाइनल की दौड़ से ही बाहर हो जाएगी। ऐसे में पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए किसी भी हाल में ये मैच जीतना होगा जो उसके लिए बेहद कठिन है ऐसे में उसपर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। पाक को सेमीफाइनल के लिए इस मैच के अलावा 27 फरवरी को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में ग्रुप ए के अंति मैच में बांग्लादेश को भी हराना होगा। इसके अलावा पाकिस्तान को नेट रन रेट पर भी नजर रखनी होगी क्योंकि ऐसी संभावना हो सकती है कि तीन टीमें दो-दो जीत के साथ समाप्त करें।

अगर पाकिस्तान भारत से हार जाता है वहीं न्यूजीलैंड 24 फरवरी को बांग्लादेश को हरा देता है तो उसका टूर्नामेंट में अभियान खत्म हो जाएगा। पाकिस्तान ने 2017 को ओवल में खेले गए फाइनल में भारत को 180 रनों से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी के 2017 संस्करण का खिताब जीता था।

विराट आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने, पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट के अपने पहले ही मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी 22 रनों की पारी के दौरान ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। विराट अब आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। विराट ने इस मैच में 13 रन बनाते ही रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब पोंटिंग सबसे अधिक रनों के मामले में तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। पोंटिंग के 44.0 की औसत से 2336 रन हैं। वहीं विराट के 64.5 के औसत से 2346 रन हैं। पहले नंबर पर 52.28 के औसत से सचिन तेंदुलकर के 2719 रन हैं। इस मैच में विराट ने एकदिवसीय प्रारुप में सबसे ज्यादा कैच लेने के मोहम्मद अजहरुद्दीन के 156 कैच के रिकार्ड की भी बराबर कर ली है। विराट ने साल 2013 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं साल 2017 में वह बतौर कप्तान चैंपियंस ट्रॉफी में गए लेकिन वहां उन्हें सफलता नहीं मिली। कोहली की कप्तान में ही भारतीय टीम 2021 टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जीतने में भी विफल रही। 36 साल के हो रहे कोहली अब करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं। आगामी आईसीसी इवेंट्स 2027 में होना है तब तक विराट शायद ही खेलें।

एक दशक बाद फिर साथ खेलेंगे सचिन और युवराज, श्रीलंका से होगा मुकाबला

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ शुरूआती इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन मैच में एक बार फिर भारत की प्रतिष्ठित नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 34,000 से अधिक रन और 100 शतक जड़ने वाले दिग्गज खिलाड़ी तेंदुलकर ने खेल के हर प्रारूप में दबदबा बनाया। हालांकि भारत के लिए वह सिर्फ एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेले। इससे प्रशंसकों के लिए उन्हें एक बार फिर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय जर्सी में देखना दिलचस्प होगा।

पिछले कुछ वर्षों में भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबलों ने प्रशंसकों को रोमांचित किया है। तेंदुलकर और युवराज ने अनगिनत अविस्मरणीय मुकाबले खेले हैं जिनमें से 2011 वनडे विश्व कप फाइनल का कोई मुकाबला नहीं है जिसमें भारत चैंपियन रहा था। तेंदुलकर ने कहा, 'हमने पिछले कुछ वर्षों में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए कुछ अविस्मरणीय पल देखे हैं जिनमें 2011 का विश्व कप सबसे खास था। इतने साल के बाद मैदान पर वापस आना और एक ऐसी टीम का सामना करना जो हमारे क्रिकेट के सफर का इतना बड़ा हिस्सा रही है, इसे और भी खास बनाता है।'

दूसरी ओर युवराज ने 2011 विश्व कप और 2007 टी20 विश्व कप सहित भारत की कई महत्वपूर्ण जीत में अहम भूमिका निभाई है। युवराज ने कहा, 'मैं फिर से मैदान पर वापसी के लिए बेताब हूं। भारत बनाम श्रीलंका हमेशा से रोमांचक मुकाबला रहा है और मुझे पता है कि प्रशंसक भी उतने ही उत्साहित हैं जितने हम हैं। दिग्गजों के साथ खेलना और पुरानी प्रतिद्वंद्विता को फिर से शुरू करना, यही इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का उद्देश्य है। सचिन पाजी के नेतृत्व में सांगा (संगकारा) और श्रीलंकाई टीम के खिलाफ खेलना, ऐसा लग रहा है जैसे हम बीते समय में चले गए हैं, और खेल के प्रति जुनून पहले जैसा ही है।'

इस टूर्नामेंट में छह टीमें भाग लेंगी जिसमें भारत, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। सभी टीम में क्रिकेट के कुछ बड़े स्टार शामिल हैं। यह प्रतियोगिता नवी मुंबई, वडोदरा और रायपुर में आयोजित की जाएगी। सेमीफाइनल और 16 मार्च को होने वाला फाइनल रायपुर में खेला जाएगा।

आज भी विज्ञापन जगत में बनी हुई गांगुली की मांग

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के सन्यास लिए काफी लंबा समय हो गया है। इसके बाद भी वह विज्ञापन जगत में अपनी जगह बनाये हुए हैं। भातरीय क्रिकेट को आक्रामक बनाने वाले गांगुली आज भी विज्ञापन जगत के पसंदीदा चेहरों में से एक हैं। वह 40 से ज्यादा ब्रांड्स के साथ जुड़े हुए हैं। वह बैंकिंग, रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल, कपड़े और फैंटेसी स्पोर्ट्स के कई ब्रांड्स से जुड़े हुए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गांगुली की उनकी लोकप्रियता का कारण मेहनती और विश्वसनीय होना है। वह हर ब्रांड के लिए पूरी ताकत लगा लेते हैं। इससे ब्रांड को विश्वसनीयता और जुड़ाव मिलता है। इससे ब्रांड को बाजार में काफी तेजी से लाभ मिलता है। बल्कि बाजार में फायदा भी दिलाता है। उनकी नेटवर्थ भी भी करीब 700 करोड़ रुपए है। गांगुली क्रिकेट के अलावा इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में कोलकाता टीम के सह-मालिक और दिल्ली कैपिटल्स से भी जुड़े हैं। वह लगातार बढ़ते इलेक्ट्रिक व्हीकल क्षेत्र से भी जुड़े हुए हैं। गांगुली के इतने ब्रांड से जुड़े होने के कारण अक्सर उनकी तुलना विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ जैसे क्रिकेटरों से होती है। ये सभी भी विज्ञापन की दुनिया के पसंदीदा चेहरे हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी अंक तालिका में न्यूजीलैंड पहले, भारत दूसरे नंबर पर है

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ मिली छह विकेट की जीत के बाद भी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर ही है। वहीं पहले नंबर पर न्यूजीलैंड की टीम है। न्यूजीलैंड ने पहले ही मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 60 रनों से जीत दर्ज की थी। इसी कारण भारतीय टीम नेट रन रेट के मामले में पीछे रह गई। बांग्लादेश पर जीत के बाद भारत का नेट रन रेट +0.408 का है जबकि कीवी टीम का नेट रन रेट +1.200 का है। भारतीय टीम का अगला मुकाबला अब 23 फरवरी को पाकिस्तान से होगा। चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को तीन में से कम से कम दो मुकाबले जीतने है।

रोहित 100 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले चौथे भारतीय कप्तान बने

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही रोहित 100 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले चौथे भारतीय कप्तान बन गये हैं। इससे पहले मोहम्मद अजहरुद्दीन, महेन्द्र सिंह धोनी और विराट कोहली के नाम ही कप्तान के तौर पर 100 मैच जीतने का रिकार्ड है। रोहित ने अपने 138वें मैच में कप्तानी करते हुए जीत का शतक लगाया। रोहित का अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीत प्रतिशत 72 से ज्यादा का है, जो 22 से ज्यादा मैच खेलने वाले सभी कप्तानों में सबसे अधिक है। उनकी तुलना में धोनी का जीत प्रतिशत 53.61, अजहरुद्दीन का 47.05 और कोहली का 63.38 रहा। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने कुछ समय पहले टी20 विश्व कप भी जीता था। अब उनकी नजरें देश को चैंपियंस ट्रॉफी के तौर पर दूसरा खिताब जिताना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में बांग्लादेश को 228 पर समेटने के बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को चार विकेट खोकर 231 रन बनाकर हासिल कर लिया था।

शुभमन गिल का चैंपियंस ट्रॉफी के डैब्यू मुकाबले में शतक, करियर का 8वां

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल दुबई के मैदान पर चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मुकाबले में बांग्लादेश पर टीम इंडिया की जीत में हीरो रहे। बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए तौहीद के शतक की बदौलत 228 रन बनाए थे। भारत की ओर से मोहम्मद शमी पांच विकेट लेने में सफल रहे। जवाब में भारतीय टीम को रोहित और शुभमन ने तेजतर्रार शुरूआत दी। रोहित जब 41 रन बनाकर आऊट हो गए तो एक छोर संभाले खड़े शुभमन ने 125 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। वह वनडे फॉर्मेट में उनका 8वां शतक है।

शुभमन के अब आखिरी 4 वनडे मैचों में दो अर्धशतक और दो शतक हो गए हैं। उन्होंने मैच के दौरान 129 गेंदों पर 9 चौके और 2 छक्कों की मदद से 101 रन बनाए। यही नहीं, वह भारत के लिए सबसे कम पारियों में 8 शतक लगाने वाले प्लेयर भी बन गए हैं। उन्होंने यह मुकाम 51 पारियों में ही हासिल कर लिया। इससे पहले शिखर धवन ने 57 पारियों में ऐसा किया था। इस लिस्ट में विराट कोहली (68 पारियां), गौतम गंभीर (98 पारियां), सचिन तेंदुलकर (111 पारियां) का भी नाम है।

2010 के बाद से भारत के लिए सबसे धीमा वनडे शतक (गेंदों का सामना करके)

-138 सचिन तेंदुलकर बनाम बांग्लादेश मीरपुर 2012

-128 रोहित शर्मा बनाम दक्षिण अफ्रीका साउथेम्प्टन 2019

-125 मनोज तिवारी बनाम वेस्टइंडीज चेन्नई 2011

-125 शुभमन गिल बनाम बांग्लादेश, दुबई 2025

मैच की बात की जाए तो टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले ही मुकाबले में विजयी शुरूआत की है। दुबई के स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने 229 रन का लक्ष्य 47वें ओवर में हासिल किया। इस दौरान शुभमन गिल के बल्ले से शतक निकला। उन्होंने एक छोर संभलते हुए 125 गेंदों पर शतक जमाया। यह चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मुकाबले में शुभमन का शतक है। वह वनडे फार्मेट में नंबर वन बल्लेबाज है। इस पारी ने उन्हें साबित भी कर दिया कि वह क्यों नंबर वन है। इससे पहले मोहम्मद शमी ने 5 विकेट लेकर बांग्लदेश को 228 रन पर रोका था। बांग्लादेश की ओर से तौहीद ने शतक लगाया लेकिन टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पाई। भारतीय टीम ने इसे आसानी से हासिल कर लिया।

कोच बदलने का कोई इरादा नहीं : मनु भाकर

नई दिल्ली। स्टार महिला निशानेबाज मनु भाकर ने कहा कि उनका कोच बदलने का कोई इरादा नहीं हैं और जसपाल राणा ही आगे भी उनके कोच बने रहेंगे। राणा को हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने पिस्टल निशानेबाजी का हाई परफार्मेंस ट्रेनर नियुक्त किया था। ऐसे में माना जा रहा था कि वह मनु के कोच नहीं रहेंगे। राणा ही पेरिस ओलंपिक में मनु के कोच थे जिसमें मनु ने दो कांस्य पदक जीते थे। राणा और मनु के बीच ओलंपिक से पहले भी एक बार मतभेद की खबरें आई थीं पर दोनो ने ही पेरिस ओलंपिक में एकसाथ आकर उन्हें गलत साबित किया था। मनु ने राणा के मार्गदर्शन में ही एक ही ओलंपिक में दो पदक जीते थे। उन्होंने दस मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम वर्ग में कांस्य पदक जीते थे। मनु ने साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने के बाद कहा, 'मैं इतना ही कहूंगी कि राणा मेरे कोच हैं और अपने काम में बहुत अच्छे हैं। वह काफी प्रतिभाशाली हैं और मेरे लिये बहुत अच्छे कोच रहे हैं।' मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं। उन्होंने 2024 के पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के सिंगल्स और टीम इवेंट में कांस्य पदक जीते थे। पेरिस ओलंपिक 2024 में मनु भाकर शानदार प्रदर्शन कर एक सफल खिलाड़ी साहित हुईं। उनके बेहतर प्रदर्शन के कारण उन्हें देश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से नवाजा गया। पेरिस ओलंपिक के बाद उनकी नेटवर्थ में भी बड़ी इजाफा हुआ है।

अब तनावमुक्त होकर किसी बच्चे की तरह खेल का आनंद लेना चाहता हूं : धोनी

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद केवल आईपीएल में ही खेलते नजर आते हैं। धोनी अब 43 साल के हो गये हैं और माना जा रहा है कि आईपीएल 2025 के बाद वह इस लीग में भी शायद ही खेलें। ऐसे में अब धोनी करियर के अंतिम समय में तनावमुक्त होकर किसी बच्चे की तरह खेलना चाहते हैं। धोनी की कप्तानी में ही चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने पांच बार खिताब जीता था पर पिछले सत्र में उन्होंने कप्तानी भी छोड़ दी थी। धोनी का कहना है कि अभी वह आईपीएल खेलते रहेंगे पर वह किसी बच्चे की तरह क्रिकेट खेलने का आनंद उठाना चाहते हैं। आईपीएल में वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से उनके संन्यास के पांच साल से अधिक हो गये हैं। ऐसे में अब उन्हें 'अनकैप्ड क्रिकेटर के तौर पर ही शामिल किया गया है। धोनी ने कहा कि मैं 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले चुका हूं। इस बीच मैं जितने भी साल खेलने के बचे हैं, उसमें एक बच्चे की तरह अपने खेल का आनंद लेना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मैं उसी तरह से इसका मजा लेना चाहता हूं जैसे अपने स्कूली दिनों में लेता था। जब मैं एक कॉलोनी में रहता था और दोपहर 4 बजे खेलने का समय होता था। हम उस समय क्रिकेट ही खेला करते थे। मौसम खराब होने पर फुटबॉल खेलते थे। मैं उसी मासूमियत के साथ खेलना चाहता हूं हालांकि यह उतना आसान नहीं है।

शमी जब भी आईसीसी टूर्नामेंट में खेलते हैं, तो अलग गेंदबाज बन जाते हैं: पूर्व भारतीय गेंदबाज

दुबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय स्पिनर पीयूष चावला ने आईसीसी टूर्नामेंट में मोहम्मद शमी की शानदार वापसी की सराहना की जिसमें उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश पर भारतीय टीम की शानदार जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि जब भी यह अनुभवी तेज गेंदबाज आईसीसी टूर्नामेंट में खेलता है, तो अलग गेंदबाज बन जाता है। अपनी पहली चैंपियंस ट्रॉफी में खेल रहे शमी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5-53 के प्रभावशाली आंकड़े से गेंदबाजी की जिससे भारत ने गुरुवार को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

दुबई में 5 विकेट चटकाने के साथ ही शमी आईसीसी वनडे इवेंट में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने जहीर खान (59 विकेट) को पीछे छोड़ते हुए अपने विकेटों की संख्या 60 पर पहुंचा दी। इस प्रक्रिया में उन्होंने 200 विकेट तक पहुंचने वाले सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बनने का महत्वपूर्ण व्यक्तिगत मील का पत्थर भी हासिल किया। अब उनके वनडे में 202 विकेट हो गए हैं।

चावला ने कहा, 'आईसीसी टूर्नामेंट और मोहम्मद शमी - यह एक बेहतरीन प्रेम कहानी है। जब भी वह आईसीसीस टूर्नामेंट में खेलते हैं, तो वह एक अलग गेंदबाज बन जाते हैं। वह चोट से वापस आए हैं, और हाल ही में द्विपक्षीय श्रृंखला में वह थोड़े खराब दिखे, लेकिन सकारात्मक संकेत यह था कि वह अपने ओवरों को पूरा कर रहे थे। आज वह काफी बेहतर दिखे।'

34 वर्षीय शमी 200 पुरुष वनडे विकेट लेने वाले दूसरे सबसे तेज गेंदबाज भी बन गए, जहां वह पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर और मुख्य कोच सकलैन मुश्ताक के साथ बराबरी पर हैं, जिन्होंने इस मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए 104 मैच खेले। इस सूची में सबसे आगे ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क हैं, जिन्होंने 102 मैचों में यह कारनामा किया। इसके अलावा, वह गेंद फेंकने के मामले में 200 पुरुष वनडे विकेट तक पहुंचने वाले सबसे तेज गेंदबाज भी हैं, जो स्टार्क की 5240 गेंदों से आगे 5126 गेंदें हैं।

चावला ने कहा, 'हमें अभी तक 100 प्रतिशत शमी देखने को नहीं मिले हैं, लेकिन यह पांच विकेट निश्चित रूप से इस उपलब्धि से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिस्थितियों का आकलन करना महत्वपूर्ण है और शमी अपनी सीधी सीम स्थिति के साथ जानते हैं कि गेंद को कहां पिच करना है।' चावला ने कहा, 'उन्होंने लगातार छह से आठ मीटर की दूरी पर गेंद डाली, जिससे उन्हें सतह से मूवमेंट मिल सके। यही कारण है कि वे सफल रहे और नई गेंद से शुरुआती विकेट चटकाए। उन्हें अच्छी तरह से छिपी हुई धीमी गेंदों सहित विविधताओं का उपयोग करते हुए देखना भी शानदार था।'

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज चोट के कारण 14 महीने के अंतराल से बाहर थे, जिसमें उनकी एड़ी

की हड्डी का ऑपरेशन हुआ था। 2023 में वनडे विश्व कप के दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी जिसके कारण वे एक साल से अधिक समय तक खेल से बाहर रहे। टखने की चोट के कारण लंबे समय तक अनुपस्थित रहने के बाद 34 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए चार व्हाइट-बॉल मैचों में भाग लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफल वापसी की।

भारत के खिलाफ मुकाबला जीतने के साथ ही खिताब भी बरकरार रखेगी पाक टीम : यूसुफ

दुबई । भारत ओर पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को यहां होने वाले अहम मुकाबले को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। दोनो ही टीमों के प्रशंसकों को अपनी-अपनी टीमों की जीत का भरोसा है। वहीं पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने कहा है कि इस मुकाबले में उनकी टीम जीतेगी। यूसुफ के अनुसार उनकी टीम अपने खिताब का बचाव करने में भी सफल रहेगी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद यूसुफ ने कहा है कि पाकिस्तान की टीम की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होने में वहीं पूर्व दिग्गज दिग्गजों ने भी इस मैच को लेकर कई तरह की भविष्यवाणी ही है। कुछ का मानना है कि पाक जीतेगी। वहीं कुछ का दावा है कि भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। यूसुफ का मानना है कि भारत से मुकाबले में पाक टीम का पलड़ा भारी रहेगा। यूसुफ ने कहा कि पाकिस्तान की टीम इस बार मेरी पसंदीदा टीम है साथ ही वो जीत की बड़ी दावेदार है क्योंकि वो अपने सभी मैच अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी। उन्होंने कहा कि भारत के पास भी संतुलित टीम है पर पाक का पलड़ा भारी है क्योंकि वो घरेलू हालातों में खेल रही है। दुबई में टीम अपने कई मुकाबले खेलती है और इस कारण वह भी उसके लिए घरेलू मैदान की तरह ही है।

इजराइल गये हजारों भारतीयों से मजदूरी

हैदराबाद । भारत से सिविल इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन सेरेमिक टाइल्स एक्सपर्ट और फर्नीचर इत्यादि काम के लिए जो कारीगर इजराइल गए थे। वहां पर उनसे मजदूरी का काम लिया जा रहा है। अच्छी सैलरी देने का लालच देकर इन्हें इजराइल ले जाया गया था। वहां पर इनसे मजदूर वाला काम कराया जा रहा है। बहुत कम मजदूरी दी जा रही है। जो सुविधाएं दी जानी चाहिए थी वह भी नहीं दी जा रही हैं। तेल अबीब स्थित इजराइल तेलंगाना संगठन के अध्यक्ष सोमा रवि ने हमास युद्ध के बीच भारत से जिन कामगारों को इजराइल ले जाया गया था। उनसे मजदूरी वाला काम लिया जा रहा है।अभी तक भारत से 10000 से ज्यादा कामगार इजराइल गए हैं। इनमें 2000 से अधिक तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कामगार हैं।जो इजराइल जाने के बाद से परेशान हैं। जिस काम के लिए इन्हें बुलाया गया था। उसके स्थान पर इनसे मजदूरी कराई जा रही है।

धर्मेंद्र प्रधान ने सीएम स्टालिन को याद दिलाया पीएम मोदी का बयान, तमिल भाषा शाश्वत है

नई दिल्ली । ट्राई लैंग्वेज विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन को पत्र लिखा। उन्होंने राज्य में हो रहे नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) के विरोध की आलोचना की। केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्र में किसी भी भाषा को थोपने का सवाल नहीं है। लेकिन विदेशी भाषाओं पर अत्यधिक निर्भरता खुद की भाषा को सीमित करती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) इसे ही ठीक करने का प्रयास कर रही है। एनईपी भाषा की स्वतंत्रता को कायम रखती है और यह सुनिश्चित करती है कि छात्र अपनी पसंद की भाषा सीखना जारी रखें। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने अपने पत्र में मई 2022 में चेन्नई में पीएम मोदी के तमिल भाषा शाश्वत है के बयान का जिक्र कर लिखा कि मोदी सरकार तमिल संस्कृति और भाषा को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मैं अपील करता हूं कि शिक्षा का राजनीतिकरण न करें।

रेलवे का एक्स को नोटिस, रेलवे स्टेशन भगदड़ वाले वीडियो लिंक हटाएं

नई दिल्ली । नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी को हुई भगदड़ में 18 लोगों की मौत हुई थी। मामले में अब तक जांच रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन रेलवे ने एक आदेश जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को नोटिस जारी कर 288 वीडियो लिंक हटाने का निर्देश दिया है। रेल मंत्रालय ने 17 फरवरी को यह नोटिस भेजकर घटना से जुडे सभी वीडियो लिंक हटाने का निर्देश दिया था। रेलवे ने तर्क देकर कहा कि इस तरह के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होने से कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती है। दरअसल दिसंबर में प्रत्यक्ष रूप से वीडियो हटाने का अधिकार मिलने के बाद कंटेंट को लेकर यह मंत्रालय की पहली बड़ी कार्रवाई है। हालांकि इस तरह का यह दूसरा मामला है। इससे पहले जनवरी में ही यूट्यूब और इंस्टाग्राम को भेजे गए नोटिस में भ्रामक और संवेदनशील-भड़काऊ जानकारी वाले कंटेंट को लेकर सख्ती दिखाई गई थी।

संभल हिंसा मामले में एक महिला को 1 लाख के मुचलके पर रिहाई मिली

संभल। संभल हिंसा के दौरान हुई पत्थरबाजी के आरोप में जेल में बंद एक महिला को रिहा किया है। कोर्ट ने साक्ष्य ना होने के अभाव में 1 लाख रुपये के मुचलके पर रिहा किया है। जबकि, इसके अलावा जेल में बंद 79 आरोपियों में से किसी और की जमानत नहीं मिली है। दरअसल, 24 नवंबर 2024 की हिंसा में शामिल चार महिलाओं सहित 80 आरोपियों को संभल पुलिस गिरफ्तार कर जेल में डाल चुकी है। इसमें चार महिलाओं को पत्थरबाजी के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जेल में बंद आरोपी फरहाना की जमानत के लिए वकीलों के द्वारा पैरवी की जा रही थी। बीते दिन चंदौसी स्थित सीजेएम कोर्ट ने फरहाना के खिलाफ साक्ष्य न होने के अभाव में एक लाख रुपये के मुचलके पर रिहा करने का आदेश जारी कर दिया। वकील गनी अनवर ने बताया कि हिंसा के मामले में फरहाना को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद हमारी ओर से महिला के निर्दोष होने की जानकारी देकर प्रार्थना पत्र पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दिया गया था। मामले में पुलिस और प्रशासन की तरफ से निष्पक्ष जांच करने का आश्वासन मिला था। जांच पूरी होने के साथ ही महिला के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिले, जिसपर प्रशासनिक स्तर पर महिला को रिहा किया गया।

बच्ची का यौन शोषण कर प्रिंसिपल, लो 20 रुपये... मुंह बंद रखना

-बच्ची की दादी ने प्रिंसिपल की कर दी चप्पल से पिटाई

जमुई । बिहार के जमुई के एक सरकारी स्कूल से शर्मसार कर करने वाली खबर आई है। यहां एक स्कूल के प्रिंसिपल पर दूसरी कक्षा की छात्रा को गलत तरह से छूने का आरोप लगा है। जमुई में सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल शमशेर आलम ने एक छात्रा को 20 रुपये का लालच देकर उसके साथ यौन शोषण किया। बच्ची के अनुसार आरोपी ने कहा कि ये लो 20 रुपये, अपना मुंह बंद रखना। इसके बाद बच्ची सदमे में आई और स्कूल जाना बंद किया। इसके बाद बच्ची के परिजनों ने जब स्कूल न जाने की वजह जानने की कोशिश की तब बच्ची ने रोते हुए मम्मी से स्कूल के प्रिंसिपल की पूरी करतूत बता दी। ये मामला नवीन प्राथमिक मकतब, खपरिया विद्यालय का है। घटना का जानकारी के बाद स्कूल परिसर में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और सभी प्रिंसिपल का विरोध करने लगे। इतना ही नहीं बच्ची की दादी का गुस्सा को आलम की करतूत को लेकर सातवें आसमान पर था। उन्होंने शमशेर आलम की चप्पल से पिटाई कर दी। घटना को लेकर ग्रामीणों में काफी गुस्सा है। उन्होंने थाने में लिखित शिकायत की है। बच्ची के साथ अश्लील हरकत और छेड़खानी के मामले में पुलिस ने आलम को गिरफ्तार कर जमुई जेल भेज दिया।

दिल्ली में नई सरकार के सामने हैं ढेरों चुनौतियां, बिगड़ा है बजट

-सीएम रेखा ने ली कैबिनेट बैठक, वादों को पूरा करने बनाई रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बीजेपी की नई सरकार ने शपथ लेने के कुछ घंटों बाद ही अपनी पहली कैबिनेट बैठक की। दिल्ली सीएम बनी रेखा गुप्ता की सरकार के सामने ढेरों चुनौतियां हैं। इस बैठक में प्रदूषण, यमुना सफाई, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, सड़कें और पानी जैसी बुनियादी समस्याओं पर बातचीत हुई। साथ ही चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने की रणनीति भी बनाई गई। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती दिल्ली का खस्ताहाल बजट है।

दिल्ली में मुफ्त बिजली, पानी और महिलाओं के लिए बस यात्रा जैसी योजनाओं पर पहले से ही भारी खर्च हो रहा है। डीटीसी और दिल्ली जल बोर्ड को भी बड़ी धनराशि अनुदान के रूप में दी जाती है। पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार ने कई खर्चों को पूरा करने के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का कर्ज भी लिया था। वित्त विभाग ने इसके दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर आपत्ति जताई थी, लेकिन फिर भी यह कर्ज लिया गया। एक अधिकारी के मुताबिक मौजूदा योजनाओं और नए चुनावी वादों को पूरा करने के लिए सरकार को सालाना कम से कम 24 हजार करोड़ रुपए की जरूरत होगी। वित्त विभाग ने कई बार राज्य सरकार को खराब होती वित्तीय स्थिति से अवगत कराया था। जल बोर्ड के खातों के विशेष ऑडिट की घोषणा के अलावा वित्त विभाग ने करीब 38 लाख महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपए की वित्तीय सहायता देने के सरकार के फैसले पर भी आपत्ति जताई थी। हालांकि दिल्ली का राजस्व टैक्स और गैर-टैक्स स्रोतों से सालाना 9-10 फीसदी की दर से बढ़ रहा है, लेकिन अधिकारियों का मानना है कि केवल केंद्र सरकार का अनुदान ही नए खर्चों को पूरा कर सकता है।

दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाना नई सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। सर्दियों से पहले ही इस पर काम शुरू करना होगा, क्योंकि सर्दियों में प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। 2023 तक दिल्ली में पीएम2.5 और पीएम10 के स्तर में लगातार गिरावट आई, लेकिन 2024 में यह ट्रेंड टूट गया। 2024 में पीएम10 की वार्षिक औसत सांद्रता राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक से 3.5 गुना और डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन से 14 गुना ज्यादा थी। शहर में स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर प्रदूषण को कम करने के लिए बड़े कदम उठाने होंगे। दिल्ली को शहर और आसपास के क्षेत्रों में रीयल-टाइम या दैनिक स्रोत-विभाजन अध्ययन की जरूरत है।

बीजेपी सरकान ने यमुना के पानी को इतना साफ करने का लक्ष्य रखा है कि तीन साल में कोई भी इसमें बिना किसी बीमारी के डुबकी लगा सके। पीएम नरेंद्र मोदी ने खुद यमुना की सफाई का वादा किया है, इसलिए यह एक बड़ी चुनौती है। अब केंद्र और हरियाणा दोनों राज्यों में बीजेपी की सरकारें हैं, इसलिए नई दिल्ली सरकार संसाधनों की कमी या अपस्ट्रीम प्रदूषण को बहाना नहीं बना सकती है। नई कैबिनेट के शपथ लेने से पहले ही, केंद्र ने दिल्ली एलजी वीके सक्सेना के जरिए से जो पहले एक उच्चस्तरीय यमुना समिति का नेतृत्व करते थे, कचरा हटाने के लिए फ्लोटिंग क्रेन और ट्रॉमेल मशीनों को तैनात करने जैसे कदम उठाए हैं।

एमसीडी ओखला, गाजीपुर और भलस्वा में तीन बड़े लैंडफिल को समतल करने के लिए संघर्ष कर रही है, जहां 160 लाख टन से जयादा पुराना कचरा पड़ा हुआ है और 3,000-3,500 टन ताजा कचरा रोजाना डाला जाता है। 2019 में एनजीटी ने कचरे के ढेर से पैदा हुई गंदगी पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। एमसीडी ने 2020 में तीन लैंडफिल पर बायोमाइनिंग कार्यों का पहला चरण शुरू किया। केंद्रीय शहरी मामलों के मंत्रालय ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत इस उद्देश्य के लिए 1,395.6 करोड़ रुपए आवंटित किए। भलस्वा को छोड़कर ओखला और गाजीपुर में पुराने कचरे के टारगेट को पूरा नहीं किया जा सका है। एमसीडी की स्थायी समिति के गठन न होने के कारण बायोमाइनिंग

के दूसरे चरण की प्रक्रिया अटक गई है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद ही स्थायी समिति की शक्ति नगर आयुक्त को सौंपी ताकि 18 महीनों में लैंडफिल पर 80 लाख टन पुराने कचरे को हटाने के लिए नए सिरे से निविदाएं जारी की जा सकें।

दिल्ली के तीन अस्पताल रघुबीर नगर में गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल, मंगोलपुरी में संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल और मोती नगर में आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल शहर के स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे में 16,186 बेड जोड़ सकते हैं, लेकिन इन परियोजनाओं का काम धन की कमी के चलते नहीं हो सका है। इन अस्पतालों को अगले तीन सालों में पूरा करने के लिए अनुमानित 10,250 करोड़ रुपए की जरुरत है। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह 2024-25 वित्तीय वर्ष में इन सुविधाओं को पूरा करना सुनिश्चित करे।

भाजपा का आरोप, राहुल गांधी और कांग्रेस की जांच होनी चाहिए, क्या 21 मिलियन डॉलर के लाभार्थी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत को मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर भेजने के बयान पर देश में हंगामा मचा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने निशाना साधकर राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की जांच की बात कही है। बीजेपी प्रवक्ता भंडारी ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार कहा है कि भारत में मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर खर्च किए गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे किक बैक स्कीम (रिश्वत योजना) कहा। यह पता लगाने के लिए जांच जरूरी है कि क्या राहुल गांधी और कांग्रेस इकोसिस्टम इस किकबैक स्कीम का लाभार्थी था! इसके अलावा बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मतदान के लिए भारत को 21 मिलियन डॉलर भेजने की बात कहने के एक दिन बाद, इस आरोप को फिर से दोहराया है। यही नहीं, वह इससे बांग्लादेश को भेजे गए 29 मिलियन डॉलर से भ्रमित नहीं कर रहे हैं। इस बार, ट्रंप ने अपने बयान में रिश्वत का भी उल्लेख किया है। अनिवार्य रूप से, इस पैसे का उपयोग डीप स्टेट एसेट्स को बनाए रखने के लिए भी किया जाता है जो इसतरह के खुलासों को बचाने और पलटने का काम करते हैं। हम अब भारत में भी यही पैटर्न होते हुए देख रहे हैं। बता दें कि ट्रंप ने कहा था, भारत में मतदान के लिए 21 मिलियन डालर। हम भारत में मतदान की परवाह क्यों कर रहे हैं? हमारे पास पहले से ही बहुत सी समस्याएं हैं। हम अपनी समस्याओं को सुलझाना चाहते है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि इतना सारा पैसा भारत जा रहा है?

मायावती का पलटवार, हमे ज्ञान देने की वजाय अपने गिरेबान में झांकें राहुल गांधी

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस को भाजपा की बी टीम बता दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट में बसपा सुप्रीमो ने सांसद राहुल गांधी को अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दे डाली है।

उन्होंने लिखा, कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बीजेपी की बी टीम बनकर चुनाव लड़ा, यह एक आम चर्चा है, इसकारण दिल्ली में बीजेपी सत्ता में आ गई है। वरना दिल्ली चुनाव में कांग्रेस का इतना बुरा हाल नहीं होता कि यह पार्टी अपने ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत भी न बचा सके। इसके बाद कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी को किसी भी मामले में दूसरों पर और खासकर बीएसपी की प्रमुख पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में भी जरूर झांक लेना चाहिए। मायावती ने लिखा, साथ ही, दिल्ली में बनी नई भाजपा सरकार को यहां चुनाव में खासकर जनहित और विकास संबंधी किए गए अपने तमाम वादों को समय से पूरा करने की चुनौती है, वरना आगे चलकर पार्टी का भी हाल कहीं कांग्रेस जैसा बुरा न हो जाए।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हम चाहते थे कि मायावती हमारे साथ मिलकर चुनाव लड़ें। अगर तीनों पार्टियां एक साथ चुनाव लड़तीं, तब यूपी में भाजपा कभी नहीं जीत पाती। कांशीराम ने नींव रखी। बहनजी ने काम किया। यह मैं भी मानता हूं। मेरा सवाल है बहन जी (मायावती) आज तक कोई चुनाव ठीक से क्यों नहीं लड़ीं? हम चाहते थे कि लोकसभा में बहन जी भाजपा के विरोध में हमारे साथ चुनाव लड़ें। लेकिन, मायावती किसी कारण से नहीं लड़ीं। इस बात का हमें काफी दुख है।

पंजाब विधानसभा चुनाव में करीब 70 नए चेहरे उतारेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारी गच्चा खाने के बाद कांग्रेस पंजाब में अपनी ताकत बढ़ाने और जमीन को मजबूत करने में जुट गई है। इसी रणनीति के तहत कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य में 2027 में होने वाले इलेक्शन में पार्टी कम से कम 60-70 नए चेहरों पर दांव लगाएगी।

वडिंग ने पंजाब युवा कांग्रेस की राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, 'पंजाब कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनाव में विधायक के रूप में राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए 60-70 नए चेहरों को मौका देने के लिए दृढ़ है। यह हमारे राजनीतिक नेतृत्व को पुनर्जीवित करने का संकल्प है। पंजाब के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व ऐसे नेताओं की ओर से किया जाएगा जो गतिशील, प्रतिबद्ध और राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप हों। पीपीसीसी प्रमुख ने संगठन के भीतर सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवा नेताओं के रूप में आपकी यात्रा आपके कार्यों में अनुशासन और उद्देश्य के प्रति समर्पण से शुरू होती है। पार्टी के विकास और पंजाब की बेहतरी के लिए सामूहिक रूप से काम करें। अगले चुनाव से पहले हमारे पास सिर्फ 2 साल बचे हैं। यह लोगों की चिंताओं को दूर करके और उनके अधिकारों के लिए मजबूती से खड़े होकर अपनी योग्यता साबित करने का समय है। उन्होंने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि कांग्रेस पार्टी युवा नेताओं को राजनीतिक क्षेत्र में आगे बढ़ने और उत्कृष्टता हासिल करने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजा वडिंग ने कहा, ये नए चेहरे न केवल बदलाव के प्रतीक होंगे बल्कि युवाओं और पंजाब के आम लोगों के विश्वास और उम्मीदों पर भी खरे उतरेंगे। उन्होंने युवा कांग्रेस के सदस्यों से इस अवसर का अटूट प्रतिबद्धता के साथ लाभ उठाने का आग्रह किया। इस बात पर जोर भी दिया कि उनके प्रयास भविष्य में अधिक मजबूत, अधिक समावेशी और एकजुट पंजाब की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस की

ओर से जारी बयान में वडिंग के हवाले से कहा गया, यह आपके लिए खुद को साबित करने और पंजाब के लोगों को यह दिखाने का मौका है कि हम वास्तविक और सार्थक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

तमाम आरोपों का सामना कर रहे मंत्री मुंडे लाइलाज 'बेल्स पाल्सी' बीमारी से हुए पीड़ित

मुंबई (एजेंसी)। तमाम तरह के आरोपों से घिरे महाराष्ट्र के मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता धनंजय मुंडे लाइलाज बीमारी बेल्स पाल्सी से पीड़ित हो गए हैं। इसकी जानकारी खुद मुंडे ने अपने फेसबुक एकाउंट दी। उन्होंने बताया कि फिलहाल मैं दो मिनट भी ठीक से बोल नहीं पा रहा हूं, जिसकी वजह से मैं मंत्रिमंडल की बैठक और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहा हूं। मुंडे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार को भरोसा दिलाया कि वह अपनी बीमारी से उबरने और जल्द से जल्द सार्वजनिक सेवा में लौटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बता दें कि बीते साल नौ दिसंबर को

बीड के मसाजोग में सरपंच संतोष देशमुख के अपहरण और हत्या से जुड़े जबरन वसूली के मामले में मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड की गिरफ्तारी के बाद से वह विपक्ष और सत्तारूढ़ 'महायुति'के कुछ सहयोगियों के निशाने पर हैं। मुंडे ने कहा है कि उनका सरपंच मामले से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कृषि मंत्री रहते हुए अनियमितताओं के आरोपों का भी खंडन किया है।

क्या है बेल पाल्सी

जानकारों के मुताबिक बेल पाल्सी चेहरे मांसपेशियों के कमजोर होने या लकवा मारने से जुड़ा है। यह अचानक शुरू हो सकता है और मरीज की स्थिति 48 घंटों के भीतर बिगड़ सकती है। इसमें आमतौर पर चेहरे या सिर में दर्द और असहजता हो सकती है। यह किसी भी उम्र में हो सकता है, लेकिन अधिकांश इसका असर गर्भवती महिलाओं और डायबिटीज, इन्फ्लुएंजा, सर्दी या सांस की परेशानी से जुड़े लोगों में हो सकता है। खास बात है कि यह बीमारी स्थाई नहीं है, लेकिन दुर्लभ मामलों में यह आसानी से नहीं जाती है। फिलहाल, इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन मरीज आमतौर पर 2 सप्ताह से लेकर 6 महीने के बीच रिकवरी होना शुरू हो जाती है।

1984 सिख विरोधी दंगा मामले में सज्जन कुमार की हुई सुनवाई

-कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला, पीड़ित पक्ष मांग रहा मौत की सजा

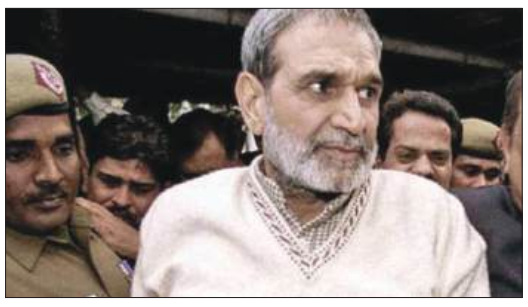

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 1984 सिख विरोधी दंगा मामले में कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के खिलाफ सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। पीड़ित पक्ष ने सज्जन कुमार को मौत की सजा देने की मांग की है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 1 फरवरी को सज्जन कुमार को दोषी करार दिया था। उन पर 1984 में दंगों के दौरान सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उसके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या का दोषी पाया है। वह पहले से ही दिल्ली कैंट मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं।

इससे पहले दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में जज कावेरी बावेजा ने शुक्रवार को बचाव पक्ष को दो दिन में लिखित दलीलें पेश करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि हम 25 फरवरी दोपहर 2 बजे के बाद सज्जन कुमार की सजा पर फैसला सुनाएंगे।

वरिष्ठ वकील एचएस फुल्का 1984 के दंगा पीड़ितों के लिए ऑनलाइन पेश हुए और अपनी लिखित दलीलें पेश कीं और मृत्युदंड की मांग की। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अनिल कुमार शर्मा भी ऑनलाइन पेश हुए।

बता दें दिल्ली कैंट की पालम कॉलोनी में पांच सिखों की हत्या के बाद गुरुद्वारा जला दिया गया था। इस मामले में सज्जन कुमार को दोषी पाया गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 17 दिसंबर, 2018 को सज्जन को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। सितंबर, 2023 को राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सुल्तानपुरी में तीन सिखों की हत्या मामले में सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। दंगे में सीबीआई की एक अहम गवाह चाम कौर ने आरोप लगाया था कि सज्जन कुमार भीड़ को भड़का रहे थे। वहीं 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार में सरदार जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या हुई थी। दंगाइयों ने लोहे के सरियों और लाठियों से हमला किया था। इसके बाद दोनों सिखों को जिंदा जला दिया गया था। इस मामले में सज्जन कुमार को 12 फरवरी, 2025 को दोषी ठहराया गया है।

22 रेलवे स्टेशन से हुई करोड़ों की कमाई बैंक तक नहीं पहुंची, कैश लिफ्टर ने की करोड़ों की हैराफेरी

-रेलवे ने जांच शुरू कर एफआईआर दर्ज करवाया

धनबाद(एजेंसी)। धनबाद रेल मंडल के 22 रेलवे स्टेशन से बैंकों में जमा कराने भेजी गई करोड़ों की रकम रास्ते में ही गायब हुई। कैश ले जाने वाली कंपनी के लिफ्टरों ने ही रेलवे की करोड़ों की राशि की हेराफेरी की। इसमें स्टेट बैंक की अधिकृत एजेंसी राइटर सेफ गार्ड लिमिटेड (डब्ल्यूएसजी) के एजेंट शामिल थे।

मामला सामने आने के बाद रेलवे ने जांच शुरू की। रेलवे का वित्त विभाग हेराफेरी की जांच में जुड़ा है। सीनियर डीसीएम अमरेश कुमार ने बताया कि 22 में से 14 स्टेशन से जुड़े मामले में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। अन्य आठ स्टेशन के लिए एफआईआर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जल्द ही एफआईआर दर्ज होगी। धनबाद रेल मंडल के 22 स्टेशन के टिकट आय की राशि में हुई हेराफेरी को लेकर वित्त विभाग आंकड़े खंगाल रहा है। वर्ष 2020 से 2024 तक के वित्तीय वर्ष का आकलन हो रहा है।

रेलवे की प्रारंभिक जांच में साल 2023 व 2024 में ही साढ़े सात-आठ करोड़ की हेराफेरी की बात सामने आई है। 2020 से अब तक की जांच पूरी होने पर हेराफेरी की रकम 25 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। धनबाद मंडल के रेलवे स्टेशनों से बैंक तक पैसा पहुंचाने वाले लिफ्टरों को एसबीआई की ओर से अधिकृत एजेंट के तौर पर आई कार्ड व विशेष नंबर जारी किए थे। साथ ही उन्हें स्क्रैच कार्ड भी दिया गया था। पूर्व मध्य रेल ने साल 2016 में स्टेट बैंक आफ इंडिया के साथ समझौता किया था। इसके तहत छोटे स्टेशन से प्राप्त होने वाली आय की रकम बैंकों में उनके एजेंट कैश लिफ्टर को सौंपा जाता है। कैश लिफ्टर वाणिज्य पर्यवेक्षक से ट्रेजरी रेमिटेंस नोट की तीन प्रतियों के साथ बैंक में रुपये जमा कराने ले जाते हैं। दो प्रति बैंक को तथा तीसरी बैंक की मुहर के साथ रेलवे के वाणिज्य पर्यवेक्षक को लौटा दी जाती है। जांच में पाया गया कि कैश लिफ्टर ने रुपये ले लिये पर बैंक में पूरी राशि जमा नहीं करते थे।

गर्व महसूस करने वाला पल, अमेरिका को तोप निर्यात करेगी भारतीय कंपनी केएसएसएल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी तक यहीं सुनने को मिलाता था कि भारत अमेरिका से या किसी और देश से हथियार खरीद रहा है। लेकिन, अब अमेरिका भारत से हथियार खरीदेगा। आपकों इस बात पर भरोसा नहीं हो रहा होगा, लेकिन ये सच है। दरअसल भारत से आधुनिक तोप खरीदने के लिए अमेरिकी कंपनी एएम जनरल मोटर्स ने भारत फोर्ज लिमिटेड की सहायक कंपनी कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड (केएसएसएल) के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत भारत में निर्मित उन्नत तोपों की आपूर्ति अमेरिका को होगी। यह पहली बार है जब किसी भारतीय कंपनी ने अमेरिका को तोपों की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। एएम जनरल दुनिया का एक प्रमुख सैन्य वाहन निर्माता है। फिलिपींस को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने के बाद अब अमेरिकी कंपनी के साथ हुआ यह करार डिफेंस मैन्युफेक्चरिंग में भारत की बढती ताकत को दिखाता है। कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड समझौते के तहत भारत में निर्मित 105एमएम और 155 एमएम कैलिबर की माउंटेड, टोव्ड और अल्ट्रा-लाइट गन सिस्टम की आपूर्ति एएम जनरल को करेगा। केएसएसएल स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ऑफ-रोड प्रोटेक्टेड मोबिलिटी सॉल्यूशंस और उच्च-तकनीकी सैन्य उत्पादों के डिजाइन और विकास में विशेषज्ञता रखती है।

फोर्ज की तोपें पूरी तरह से इलेक्ट्रिक ड्राइव सिस्टम से चलती हैं। यह सिस्टम तोपों को विश्वसनीय बनाने के साथ साथ काफी ज्यादा घातक बनाता हैं। तोप को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसके रखरखाव में काफी कम खर्च हो, इस वजह से ये पसंदीदा तोप बन गया है। यह समझौता भारत और अमेरिका के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा माना जा रहा है, जो हाल ही में द्विपक्षीय रक्षा चर्चाओं के बाद हुआ है।

भारत फोर्ज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर बाबा कल्याणी ने कहा, ÷अमेरिका को भारत में निर्मित महत्वपूर्ण रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति करना एक महत्वपूर्ण कदम है। हम गर्व महसूस कर रहे हैं कि हम पहली भारतीय कंपनी हैं जो अमेरिका को तोपों की आपूर्ति करेगी। यह हमारी क्षमताओं का प्रमाण है और हमारी विश्व स्तरीय तोप समाधान प्रदाता बनने की मिशन में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। वहीं एएम जनरल के कार्यकारी उपाध्यक्ष, जॉन चाडबोर्न ने कहा कि यह समझौता पत्र हमारे दीर्घकालिक सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।